@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/ qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

शुक्रवार, 21 अगस्त 2026

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 287 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

सार-समाचार

हाईकोर्ट के फैसले के बाद बाबूलाल मरांडी बोले-

छात्रों का आंदोलन खत्म कराने के लिए परीक्षा रद्द करने का रचा गया ढोंग

रांची (एजेंसी)। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने जेपीएससी की 11वीं से 13वीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा के जरिए नियुक्त अफसरों और फूड सेफ्टी ऑफिसर्स की नियुक्ति रद्द करने के सरकार के फैसले पर हाईकोर्ट की अंतरिम रोक के बाद हेमंत सोरेन सरकार पर तीखा जुबानी हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने छात्रों का आंदोलन खत्म कराने के लिए राजनीतिक साजिश के तहत परीक्षाओं और नियुक्तियों को रद्द करने का फैसला लिया था। मरांडी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी बयान में कहा कि उन्होंने दो दिन पहले ही आशंका जताई थी कि सरकार का फैसला अदालत में टिक नहीं पाएगा और हाईकोर्ट से इस पर रोक लग सकती है। उन्होंने कहा कि छात्रों के प्रति सरकार की नीयत शुरू से ही ठीक नहीं रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने बिना उचित कानूनी प्रक्रिया अपनाए जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षाओं तथा नियुक्तियों को रद्द करने का फैसला किया।

हिमंता सरमा ने पीएम मोदी से की मुलाकात

असम में बाढ़ से निपटने का दिया भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने गुरुवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने पोस्ट के माध्यम से उन्होंने मुलाकात की जानकारी दी है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की ओर से पोस्ट में लिखा गया, 'नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी से मिलकर उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। असम बाढ़ राहत कार्य के दौरान प्रधानमंत्री लगातार संपर्क में रहे, स्थिति की बारीकी से समीक्षा करते रहे और हरसंभव सहायता प्रदान करते रहे। मैंने उनके साथ अगले चरण के लिए अपना रोडमैप साझा किया, जिसमें प्रभावित क्षेत्रों का पुनर्निर्माण, आजीविका की बहाली और व्यापक सुधार सुनिश्चित करना शामिल है। हिमंता बिस्वा सरमा ने आगे लिखा, 'पीएम मोदी ने इस मिशन को इसके सही अंजाम तक पहुंचाने में भारत सरकार के अटूट समर्थन को दोहराया।

किसान संगठनों में अहंकार और नेतृत्व की लड़ाई से आंदोलन कमजोरः सुखजीत सिंह

बटाला (एजेंसी)। किसान नेता सुखजीत सिंह ने किसान संगठनों के बीच जारी विवादों और वरिष्ठ किसान नेताओं की कार्यशैली को लेकर तल्ख टिप्पणी की। उन्होंने कुछ वरिष्ठ किसान नेताओं पर निजी हितों को प्राथमिकता देने, आपसी विवादों को लंबा खींचने और किसान आंदोलनों को कमजोर करने का आरोप लगाया। सुखजीत सिंह ने कहा कि किसान संगठनों में नेतृत्व को लेकर बढ़ती प्रतिस्पर्धा और अहंकार का सबसे बड़ा नुकसान किसानों, मजदूरों और किसान आंदोलन की एकता को हो रहा है। सुखजीत सिंह ने समाचार एजेंसी से खास में कहा कि किसान संगठनों के बीच मौजूदा विवाद कोई नया नहीं है। इसी तरह के विवाद पिछले दिल्ली किसान आंदोलन के दौरान भी सामने आए थे। उस आंदोलन के दौरान कुछ नेताओं से गलतियां हुई और आंदोलन लंबे समय तक चला, लेकिन उसकी सफलता का सबसे बड़ा कारण यह था कि उसमें पूरे देश के लोगों की व्यापक भागीदारी थी।

लिव-इन रिलेशनशिप

सहमति से वयस्कों का रिश्ता शादी के समान : हाईकोर्ट

• माता-पिता भी नहीं कर सकते दखल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि सहमति से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे वयस्कों का रिश्ता शादी के समान है। माता-पिता, रिश्तेदार या दोस्त उनकी पसंद में दखल नहीं दे सकते और न ही उनकी जान या स्वतंत्रता को खतरा पहुंचा सकते हैं। अदालत ने परिवार की ओर से धमकियों का सामना कर रहे एक लिव-इन कपल को पुलिस सुरक्षा भी प्रदान की।

न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने 13 अगस्त को दंपती की याचिका पर यह आदेश पारित किया। याचिकाकर्ता दंपती की उम्र 30 वर्ष से अधिक है। उन्होंने अदालत को बताया कि वे कुछ समय शिकायत भी की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

'किसी को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं'

अदालत ने कहा, 'चूंकि याचिकाकर्ताओं ने अपनी इच्छा, नहीं रखता। उन्हें उनकी जान या स्वतंत्रता के लिए धमकी देने का तो

'सामाजिक पूर्वाग्रहों से मौलिक अधिकार सीमित नहीं किए जा सकते'

न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने कहा कि सहमति से विवाह करने वाले वयस्कों की शादियों को जाति, पंथ, रंग, धर्म या आस्था के आधार पर मान्यता से वंचित नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि संविधान द्वारा दिए गए मौलिक अधिकारों को 'सामाजिक नैतिकता और पूर्वाग्रहों' के आधार पर सीमित करना व्यक्ति की स्वतंत्र पहचान से वंचित करने के समान है।

दिल्ली में पाकिस्तान हाई कमीशन के बाहर बुलडोजर चला

• बैरिकेड-फेंसिंग हटाई गईं

दो दिन पहले इस्लामाबाद में भारतीय हाई कमीशन के बाहर कार्रवाई हुई थी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में पाकिस्तान हाई कमीशन के बाहर बने अवैध ढांचों को बुधवार देर रात बुलडोजर से हटा दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, ये ढांचे हाई कमीशन की तय सीमा से बाहर बने थे। पाकिस्तान हाई कमीशन का ऑफिस दिल्ली के चाणक्यपुरी के शांतिपथ पर है। यहां बैरिकेड, फेंसिंग और वीजा सेक्शन के पास कतार प्रबंधन के लिए बनाए गए ढांचे भी हटाए गए।

यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है, जब दो दिन पहले इस्लामाबाद में भारतीय हाई कमीशन के बाहर लगाए गए सुरक्षा बैरिकेड और पार्किंग पोल हटाए गए थे। संबंधित एजेंसियों ने JCB की मदद से हाई कमीशन के बाहर कार्रवाई की। मौके से ली गई तस्वीरों में टूटी रेलिंग, गेट, लोहे के फ्रेम, छत की चादरें, ईंट और कंक्रीट के टुकड़े बिखरे दिखाई दिए। बाहरी हिस्से की सफेद मेटल फेंसिंग और कुछ कॉरुगेटेड रूफिंग भी हटा दी गई। बुलडोजर एक्शन हाई कमीशन की मेन बिल्डिंग तक नहीं हुआ। मेन गेट, सफेद दीवारें और पाकिस्तानी

कश्मीर पर अमेरिकी राजदूत की टिप्पणी से पाकिस्तान नाराज

दोनों देशों के बीच अमेरिकी राजदूत की कश्मीर पर टिप्पणी को लेकर भी तनाव बढ़ा है। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने श्रीनगर दौरे के दौरान 19 अगस्त को जम्मू-कश्मीर को भारत का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया था।

जाति जनगणना के मुद्दे को एक बार फिर से जिंदा करेगी कांग्रेस

लखनऊ। कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग जाति जनगणना में ओबीसी कॉलम जोड़ने के लिए अभियान शुरू करेगा। अभियान की रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए शुक्रवार को प्रदेश मुख्यालय में बैठक हो रही है। इस बैठक में सभी जिलाध्यक्षों एवं शहर अध्यक्षों से फीडबैक लिया जाएगा। इसके बाद 22 अगस्त को कानपुर और 23 को जालौन में जातिगत जनगणना और भागीदारी न्याय सम्मेलन होगा। पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव ने बताया कि कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में शुक्रवार को होने वाली बैठक में विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जयहिंद और प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय सहित अन्य नेता भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने

कहा कि भाजपा सरकार द्वारा जातिगत जनगणना फॉर्म में ओबीसी वर्ग का कॉलम नहीं जोड़ा जा रहा है, जबकि इसके लिए लगातार मांग की जा रही है। केंद्र सरकार द्वारा जातिगत जनगणना में ओबीसी कॉलम जो?ने की मांग और केंद्र-राज्य सूची में मौजूद ओबीसी जातियों के अनुसार जाति की गिनती कराने की मांग को लेकर उत्तर प्रदेश में गांव- गांव अभियान शुरू किया जाएगा। शुक्रवार को होने वाली बैठक में प्रदेश में शुरू होने वाली सम्मेलनों ,पदयात्रा, ज्ञापन, प्रदर्शन, गोष्ठी आदि पर चर्चा की जाएगी। इसके बाद 22 अगस्त को कानपुर और 23 को जालौन में जातिगत जनगणना और भागीदारी न्याय सम्मेलन होगा। पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव ने कहा कि जातिगत जनगणना फॉर्म में ओबीसी का अलग कॉलम जोड़े जाने तक आंदोलन चलता रहेगा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पिछड़े वर्ग को आबादी के अनुपात में आरक्षण, संसाधन और सभी संस्थाओं में नौकरी देने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। पिछड़ा वर्ग विभाग के कार्यकर्ता उनके इस संघर्ष को गति देंगे। उन्होंने बताया कि पिछड़ा वर्ग विभाग उत्तर प्रदेश में जातिगत जनगणना में ओबीसी कॉलम जो?ने और केंद्र/राज्य की सूची के अनुसार जातियों की गिनती करने के लिए सभी जिला मुख्यालयों पर धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन देगा। हर जिले में जातिगत जनगणना और भागीदारी न्याय आधारित सम्मेलन होगा। जिला मुख्यालयों पर पदयात्रा निकाली जाएगी, ब्लॉक स्तरीय गोष्ठी एवं संवाद कार्यक्रम होंगे। इसके बाद सभी जिला मुख्यालयों पर हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा।

शासन का बड़ा फैसला, मानव संपदा पोर्टल पर कार्मिकों की सेवा पुस्तिका ऑनलाइन करना हुआ अनिवार्य

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने सरकारी कार्मिकों की सेवा पुस्तिका मानव संपदा पोर्टल पर ऑनलाइन करना अनिवार्य कर दिया है। प्रमुख सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक एम देवराज ने इसके लिए विभागों को विस्तृत दिशा-निर्देश भेजे हैं। इसमें कहा गया है कि राज्य कर्मियों की सेवा विवरण, नियुक्ति, कार्यभार ग्रहण, कार्यमुक्ति, अवकाश प्रबंधन, वेतन आहरण, सेवा प्रबंधन आदि से संबंधी सभी काम मानाव संपदा पोर्टल के माध्यम से किए जाने के आदेश पूर्व में जारी किए गए हैं। इसके बाद भी लगातार यह संज्ञान में आ रहा है कि कार्मिक के सेवा विवरण पोर्टल पर समय से पूर्ण व अपडेट नहीं होते हैं। पोर्टल पर उपलब्ध विभिन्न माड्यूल के उपयोग से असुविधा होती है। मानव संपदा पोर्टल पर उपलब्ध विभिन्न माड्यूल के त्रुटिरहित व सुगम उपयोग के लिए जरूरी है कि कार्मिक की सेवा विवरण पूर्ण व समय-समय पर अपलोड किया जाए। मानव संपदा पोर्टल पर किसी कार्मिक के सेवा पुस्तिका भरने या संशोधित करने का काम विभाग स्तर पर उपलब्ध स्टेबिलिस्टमेंट डाटा इंट्री आईडी के माध्यम से लॉगिन करते हुए किया जा सकता है। प्रमुख सचिव की ओर से कहा गया है कि मानव संपदा पोर्टल के सेवा पुस्तिका मॉड्यूल विभागों को भेजा गया है।

स्कूल का प्राचार्य निलंबित, तीन रसोइया को किया बर्खास्त, खाने में मिला डिटर्जेंट

नालंदा (एजेंसी)। नालंदा के स्कूल में मिड–डे–मील खाने से 34 बच्चों की तबीयत बिगड़ने के मामले में नूरसराय प्रखंड के परासी मध्य विद्यालय के हेडमास्टर को निलंबित कर दिया गया है, साथ ही स्कूल में काम कर रहीं तीन रसोइयों को भी बर्खास्त कर दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए शिक्षा विभाग ने जांच और कार्रवाई तेज कर दी है। घटना मंगलवार को सामने आई थी। जहां स्कूल में खाना खाने के दौरान कुछ बच्चों ने नमक मांगा। आरोप है कि नमक के डिब्बे में डिटर्जेंट पाउडर मिला था, जिससे बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। कुल 34 बच्चों को अस्पताल पहुंचाया गया था।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामले में रसोइया ने दावा किया कि नमक के डिब्बे में पहले से ही सर्फ मिला हुआ था। उसे इसकी जानकारी नहीं थी। बच्चों के नमक मांगने पर उसी डिब्बे से नमक परोस दिया गया, जबकि स्कूल के एक शिक्षक ने बताया कि कई बच्चे पहले ही खाना खाकर जा चुके थे, जबकि बाद में नमक मांगने वाले कुछ बच्चों की तबीयत बिगड़ी। घटना के बाद डीईओ ने कार्रवाई करते हुए हेडमास्टर को निलंबित कर दिया। तीनों रसोइयों को भी कार्यमुक्त कर दिया है। इसके अलावा डीपीओ और मध्यान्ह भोजन पदाधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा गया है। नूरसराय के बीईओ को मामले में दोषियों के खिलाफ मामला दर्ज कराने का निर्देश दिया है।

वाराणसी में गंगा ने दिखाया रौद्र रूप, घाट–मंदिर भी डूबे, रिहायसी इलाकों में घुसा पानी

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में गंगा ने रौद्र रूप धारण कर चुकी है। लगातार बढ़ता जलस्तर अब लोगों को डराने लगा है। वाराणसी के घाट–मंदिर सब कुछ गंगा के जल में समा चुके हैं और अब गंगा का पानी रिहायशी इलाकों तक पहुंच गया है। वाराणसी के सभी 84 घाट जलमग्न हो गए हैं। घाट डूबने के बाद अब गलियों में गंगा तेजी से बढ़ रही है। अगले 24 घण्टे सबसे अहम है क्योंकि रफ्तार यूं ही रही तो अगले 24 घण्टे में गंगा खतरे के निशान को पार कर सकती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय नाविक ने बताया कि बीते दो दिनों में तूफानी रफ्तार से गंगा का जलस्तर बढ़ा है। इन दो दिनों में करीब 10 फीट तक गंगा के जलस्तर में बढ़ोतरी हुई है, जिसके कारण नाविकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पूरी रात नावों की निगरानी कर रहे है। इसके साथ ही लगातार बढ़ते जलस्तर से बार बार उसे एक स्थान से दूसरे स्थान पर बांधना भी पड़ रहा है। वहीं पुरोहित भी अपने चौकियों को घाटों से हटाकर गलियों में शिफ्ट कर रहे हैं। घाट किनारे छोटे दुकानदारों की ऑफत भी बढ़ गई है क्योंकि उनकी दुकानों तक पानी पहुंच गया है। तटवर्ती इलाकों में भी घरों तक गंगा का पानी पहुंच गया है, जिसके कारण लोग अब घरों को छोड़ राहत शिविर में जा रहे हैं। प्रशासन ने 40 से ज्यादा बाढ़ राहत शिविर लगाए हैं, इसके साथ ही 21 बाढ़ चौकियां भी बनाई है। इन सब के अलावा जल पुलिस, एनडीआरएफ की टीम को भी प्रशासन ने पूरी तरह से सक्रिय रखा है। गंगा में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं से भी गहरे पानी में स्नान नहीं करने की चेतावनी दी जा रही है।

राधा की रसोई में मिले जिंदा चूहे, कॉकरोच व गंदगी, टीम ने किया फूड लाइसेंस निलंबित

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में बाहर खाना खाने वाले लोगों के लिए खाद्य सुरक्षा पर सवाल महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) की जांच के बाद उठ रहे हैं। एफडीए की जांच में मलाड पश्चिम स्थित होटल राधा की रसोई में ऐसी खामियां सामने आईं, जिनके बाद उसका फूड बिजनेस लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है। बताया जाता है कि एफडीए ने राधा की रसोई होटल में 18 अगस्त को छापा मारा था। होटल पर छापेमारी करने पहुंचे अधिकारियों को रसोई में जिंदा चूहे और कॉकरोच मिले थे, रसोई के नाले खुले और खराब हालत में मिले, जिससे कीड़े–मकोड़ों के साथ ही चूहों के लिए भी सीधे प्रवेश का रास्ता था। रिपोर्ट के मुताबिक एफडीए अधिकारियों ने खाना तैयार करने वाले उपकरणों पर भी कॉकरोच पाए गए। किचन में तेल और ग्रीस की मोटी परतें, पानी जमा होने से बदबू, गंदे काउंटर और बर्तनों के साथ–साथ खाद्य सामग्री के स्टोरेज में भी लापरवाही पाई गई। निरीक्षण में खुले डस्टबिन के ऊपर टोस्टर रखा मिला, वहीं कुछ खाद्य सामग्री धूल और गंदगी के बीच रखी थी। कई बर्तनों में जंग के निशान भी पाए गए यानी समस्या केवल सफाई की नहीं, बल्कि उस पूरे सिस्टम की थी जिसमें खाना तैयार करने के साथ ही स्टोर किया जा रहा था। होटल राधा के मामले में एफडीए ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए निर्माण, भंडारण, बिक्री और वितरण से जुड़ी गतिविधियों को तत्काल रोकने का आदेश दिया। रिपोर्ट के मुताबिक महाराष्ट्र में खाद्य सुरक्षा को लेकर इस समय कार्रवाई तेज हुई है। हाल की जांच में मुंबई और महाराष्ट्र के कई होटल, रेस्टोरेंट और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों में गंभीर स्वच्छता संबंधी खामियां पाई गई हैं। हालिया कार्रवाई में 31 प्रतिष्ठानों की जांच में करीब 25 लाख रुपए के खाद्य उत्पाद जब्त किए गए और पांच के लाइसेंस निलंबित किए। अब सवाल यह है कि जिन रसोइयों में ग्राहक के लिए खाना तैयार होता है, वहां रोजमर्रा की सफाई और खाद्य सुरक्षा की निगरानी कितनी गंभीरता से की जाती है।

शुद्धिकरण मामले पर नेताओं के समर्थन नहीं देने से दुखी हुए खड़गे

खरगे ने सीडब्ल्यूसी बैठक में जताई नाराजगी

नई दिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बुधवार को हुई बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हल्द्वानी में कथित शुद्धिकरण मामले को लेकर पार्टी के कुछ नेताओं के रवैये पर नाराजगी जताई। बैठक में मौजूद लोगों के मुताबिक, खड़गे ने दुख जाहिर करते हुए कहा कि कार्य समिति के कई सदस्य खुलकर उनके समर्थन में नहीं आए और घटना की निंदा भी नहीं की। हालांकि, खड़गे की प्रतिक्रिया को लेकर पार्टी की ओर से आधिकारिक तौर पर कोई विस्तृत बयान नहीं दिया गया है।
बैठक में खरगे ने कथित तौर पर कहा कि उन्हें इस बात का दुख है कि सीडब्ल्यूसी के सदस्य, खासकर वे नेता जो लगातार मीडिया में सक्रिय रहते हैं, उन्होंने इस मामले पर खुलकर कुछ नहीं कहा। उन्होंने किसी नेता का नाम नहीं लिया, लेकिन यह संकेत जरूर दिया कि कुछ नेता पार्टी लाइन से हटकर

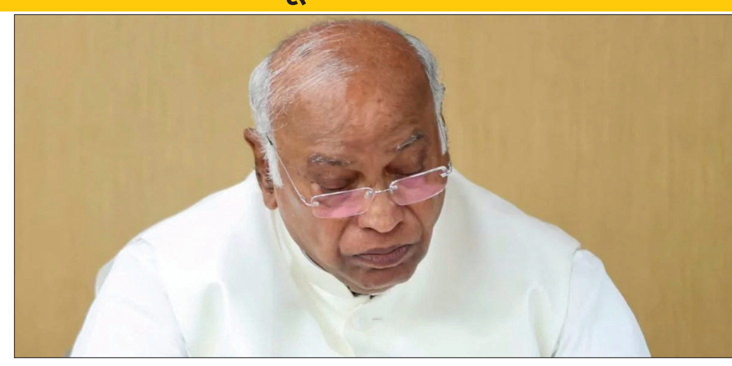

बयान देते और लेख लिखते हैं। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बैठक के बाद कहा कि पार्टी ने हल्द्वानी में खरगे की सभा के बाद कथित तौर पर मंच के शुद्धिकरण की घटना का विरोध किया था और इसकी निंदा भी की थी। उन्होंने घटना को अस्वीकार्य बताया और भाजपा पर निशाना साधा। उनके मुताबिक, सीडब्ल्यूसी ने भी इस मामले की निंदा की है।
यह मामला 12 अगस्त को खरगे के हल्द्वानी दौरे के बाद सामने आया था। खरगे ने रामलीला मैदान में सभा को संबोधित किया था। इसके बाद आरोप लगे कि उनके भाषण वाले मंच पर शुद्धिकरण अनुष्ठान कराया गया। उत्तराखंड कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने आरोप लगाया था कि शुद्धिकरण कराने वाला संगठन भाजपा से जुड़ा है और यह कार्रवाई खरगे के दलित समुदाय से आने के कारण की गई। भाजपा ने इन आरोपों से इनकार करते हुए संगठन से किसी भी तरह के संबंध से भी इनकार किया था। खरगे ने 13 अगस्त को राज्यसभा में भी इस मुद्दे को उठाया था। उन्होंने कहा था कि उनकी रैली के बाद मंच का हवन कर शुद्धिकरण किया गया और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। उन्होंने इस घटना को दुखद बताते हुए अपने संवैधानिक पद और विपक्ष के नेता होने का भी उल्लेख किया था। केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने भी घटना की निंदा करते हुए जांच की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि भाजपा इस तरह की गतिविधियों का समर्थन नहीं करती और मामले की तहकीकात कराई जाएगी। वहीं, भाजपा ने कांग्रेस पर राजनीतिक लाभ के लिए पार्टी की छवि खराब करने का आरोप लगाया था।

राजीव गांधी की भूमिका भारत को आधुनिक, समृद्ध और सशक्त बनाने में अहम रही : रक्षामंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व पीएम राजीव गांधी की जयंती पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उनको श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि भारत की विकास यात्रा में राजीव गांधी का भी अहम योगदान रहा है। रक्षा मंत्री ने एक्स पर लिखा कि भारत के पूर्व पीएम राजीव गांधी की जयंती पर मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। पूर्व पीएम राजीव गांधी की भूमिका भारत को आधुनिक, समृद्ध और सशक्त राष्ट्र बनाने में अहम रही। उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत को विश्व में वर्तमान स्थान दिलाया और इसीलिए उन्हें भारत में सूचना प्रौद्योगिकी का जनक कहा जाता है। पूर्व पीएम राजीव गांधी की जयंती को हर साल सद्भावना दिवस के रूप में मनाया जाता है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी समेत कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने राजीव गांधी की समाधि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने सोशल मीडिया पर लिखा– पूर्व पीएम राजीव गांधी ने भारत के निर्माण और तरक्की के लिए आधुनिक तकनीक और नए विचारों को अपनाने में विश्वास जताया। इसके लिए यह बेहद जरूरी था कि युवाओं की भागीदारी और उनकी प्रतिभा को विकसित करने के लिए समुचित व्यवस्था और अवसर प्रदान किए जाएं। पायलट ने लिखा– अपनी दूरदर्शिता से उन्होंने देश में आधुनिकरण की नई परिभाषा गढ़ी। कंप्यूटर और दूरसंचार क्रांति के विस्तार जैसे अहम फैसलों ने देश को नई ऊंचाई तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। आज उनकी जयंती पर उन्हें हृदय की गहराइयों से नमन करता हूं। वहीं कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने एक्स पर लिखा– राजीव गांधी न केवल भारत के प्रधानमंत्री थे बल्कि युवाओं के सबसे बड़े समर्थकों में से एक थे, एक ऐसे नेता जिनका मानना ??था कि युवा भारतीय न केवल भविष्य हैं बल्कि वे शक्ति हैं जो एक आधुनिक राष्ट्र का निर्माण करेंगे। आधुनिक, तकनीकी रूप से उन्नत और आर्थिक रूप से सशक्त भारत का उनका विजन कांग्रेस पार्टी के लिए प्रेरणा और जिम्मेदारी है।

वंदे मातरम: 1937 में हुई कांग्रेस की बैठक में लिए गए फैसले को ही मानेगी पार्टी

-बीजेपी बोली- कांग्रेस आज की नई मुस्लिम लीग बन गई

नई दिल्ली, एजेंसी।
वंदे मातरम पर जारी सियासी बवाल के बीच कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने इसके दो छंद ही गाने का प्रस्ताव पास किया है। कांग्रेस का कहना है कि उनके लिए वंदे मातरम भावनात्मक मुद्दा है जबकि बीजेपी के लिए ये राजनीतिक मुद्दा है। वहीं बीजेपी ने इस फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई है। पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि कांग्रेस आज की नई मुस्लिम लीग बन गई है। वंदे मातरम में कुल 6 छंद हैं, लेकिन कांग्रेस का कहना है कि पार्टी 1937 में हुई कांग्रेस की बैठक में लिए गए फैसले को ही मानेगी। उसने हालिया कानून पर कड़ी आपत्ति जताई है।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि दो छंद को लेकर 28 अक्टूबर 1937 को रवींद्रनाथ टैगोर के सुझाव पर महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और मौलाना आज़ाद की मौजूदगी में सीडब्ल्यूसी की बैठक में वंदे मातरम पर एक प्रस्ताव पारित किया गया था। सीडब्ल्यूसी की आज की बैठक में उस प्रस्ताव पर चर्चा हुई...कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने पुराने प्रस्ताव का एक हिस्सा भी पढ़कर सुनाया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर कोई विवाद नहीं है। इसे जानबूझकर मुद्दा बनाया जा रहा है, जबकि आज असली मुद्दे युवा, परीक्षाएं, चंदा चोरी और विदेश नीति की विफलता हैं। रमेश ने कहा कि हमारा रुख पहले दिन से ही साफ रहा है कि 28 अक्टूबर 1937 को हमारे पहले राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि राष्ट्रगान जन गण मन... होगा और वंदे मातरम हमारा राष्ट्रगीत होगा।

छात्र प्रदर्शनों पर सीएम योगी सख्त, निगरानी के लिए नोडल अफसर तैनात

लापरवाही पर तय होगी अफसरों की जवाबदेही

लखनऊ, एजेंसी।
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई जिलों में शिक्षण संस्थानों की अव्यवस्थाओं, शिक्षकों की कमी और कुप्रबंधन को लेकर छात्रों के प्रदर्शन को गंभीरता से लिया है। लखनऊ, आजमगढ़, महोबा, हमीरपुर और उन्नाव समेत कई जिलों में सामने आई समस्याओं पर नाराजगी जताते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल समाधान के निर्देश दिए हैं। साथ ही शिक्षण संस्थानों की निगरानी के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।
मुख्यमंत्री के निर्देश पर बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा, समाज कल्याण और श्रम विभाग के तहत आने वाले शिक्षण संस्थानों की अलग-अलग नामित अधिकारियों के जरिए निगरानी की

जाएगी। जहां भी व्यवस्थाओं में कमी या शिकायत सामने आएगी, उसका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाएगा। लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को चिह्नित कर उनकी जवाबदेही तय की जाएगी। सर्वोदय विद्यालयों में 1 अप्रैल से नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने के बावजूद शिक्षकों की तैनाती में देरी को भी सरकार ने गंभीरता से लिया है। शिक्षकों की नियुक्ति के लिए जून में विज्ञापन जारी करने की प्रक्रिया में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को चिह्नित करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि पठन-पाठन में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।
मुख्य सचिव एसपी गोयल ने सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को स्कूलों से संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारियों को ऐसे मामलों की तत्काल जांच कर अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स के माध्यम से तथ्यात्मक जवाब देने को कहा गया है। इसका उद्देश्य भ्रामक सूचनाओं पर रोक लगाने के साथ वास्तविक समस्याओं का समय पर समाधान सुनिश्चित करना है। इसके अलावा बेसिक और माध्यमिक विद्यालयों में अवस्थापना सुविधाओं को बेहतर करने, साफ-सफाई बनाए रखने और छात्रों व अभिभावकों से नियमित संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। बारिश के मौसम को देखते हुए स्कूलों में जलभराव और स्वच्छता से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए ब्लॉक स्तर पर भी आवश्यक कदम उठाने को कहा गया है।

मणिपुर में 20 से 22 अगस्त तक बंद रहेंगे सभी स्कूल-कॉलेज

कानून–व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए सरकार का फैसला, परिसीमन और एनआरसी के मुद्दे पर 48 घंटे की हड़ताल जारी

इंफाल, एजेंसी।
मणिपुर सरकार ने राज्य में मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए सभी स्कूल, कॉलेज और उच्च शिक्षण संस्थानों को 20 से 22 अगस्त तक बंद रखने का आदेश जारी किया है। शिक्षा विभाग की ओर से बुधवार को जारी आदेश में सरकारी, सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त सभी शिक्षण संस्थानों को इस अवधि में बंद रखने की घोषणा की गई है।
आदेश के मुताबिक, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, उच्चतर माध्यमिक शिक्षा परिषद, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) या अन्य बोर्ड से संबद्ध स्कूलों के साथ-साथ कॉलेजों और विश्वविद्यालयों पर भी यह आदेश लागू होगा। सरकार ने यह निर्णय राज्य में बनी मौजूदा परिस्थितियों और कानून-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए लिया है। इस बीच, राज्य में जनगणना प्रक्रिया शुरू होने से पहले राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) को अपडेट करने और परिसीमन प्रक्रिया को लेकर 'कैम्पेन फॉर जस्ट एंड फेयर डीलिमिटेशन' (जेएफडी) की ओर से बुलाई गई 48 घंटे की आम हड़ताल बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रही। घाटी के विभिन्न जिलों में प्रदर्शनकारियों ने रैलियां निकालीं और कई स्थानों पर नेताओं के पुतले जलाए।

सरकारी कार्यालयों के बहिष्कार का ऐलान

जेएफडी ने अपने आंदोलन को आगे बढ़ाते हुए गुरुवार से सरकारी कार्यालयों के बहिष्कार का आह्वान किया है। संगठन की मांग है कि जनगणना से पहले राष्ट्रीय नागरिक पंजी को अपडेट किया जाए और परिसीमन की प्रक्रिया को लेकर उचित एवं न्यायपूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।
इंफाल पूर्व जिले के खुरई लामलोंग इलाके में प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह और गृह मंत्री गोविंददास कोंथौजम के पुतले जलाए। इसके अलावा घाटी के अन्य हिस्सों में भी प्रदर्शन और रैलियां आयोजित की गईं। राज्य में जारी आंदोलन और कानून-व्यवस्था से जुड़ी परिस्थितियों के बीच सरकार के स्कूल-कॉलेज बंद रखने के फैसले से शैक्षणिक गतिविधियां तीन दिन तक प्रभावित रहेंगी। प्रशासन की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

चेन्नई में अमित शाह ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय से की मुलाकात

-31वीं क्षेत्रीय परिषद बैठक से पहले हुई मुलाकात, अंतरराज्यीय मुद्दों और क्षेत्रीय सहयोग पर जोर

कानपुर, एजेंसी।
चेन्नई,(ईएमएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को चेन्नई में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय से मुलाकात की। मई में मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहली आधिकारिक मुलाकात बताई गई है। यह बैठक दक्षिणी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों की 31वीं क्षेत्रीय परिषद बैठक से ठीक पहले हुई। बैठक में केंद्र और राज्यों के बीच

सहयोग बढ़ाने तथा लंबे समय से लंबित अंतरराज्यीय मुद्दों के समाधान पर चर्चा होने की संभावना है।
अमित शाह ने मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा कीं। क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता गृह मंत्री करेंगे, जबकि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री मेजबान राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर इसमें शामिल होंगे। बैठक में आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना के मुख्यमंत्री तथा पुडुचेरी, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप के उपराज्यपाल एवं प्रशासक हिस्सा लेने की उम्मीद है।
बैठक में विभिन्न राज्यों के बीच नदी जल बंटवारे से जुड़े विवाद प्रमुख मुद्दों में शामिल रहेंगे। इनमें कर्नाटक-तमिलनाडु, तेलंगाना-आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु-केरल के बीच पानी के बंटवारे से जुड़े मामले शामिल हैं। इसके अलावा आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के प्रावधानों, क्षेत्रीय विकास और केंद्र की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी विचार-विमर्श होने की संभावना है।

नई जंग- भारत-पाकिस्तान के बीच दूतावास के बाहर बने ढांचे तोड़ने की होड़

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत और पाकिस्तान के बीच नई जंग शुरु हो गई है। नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास के बाहर बने अनाधिकृत ढांचों और अतिक्रमण पर बुल्डोजर चलाकर उसकी सफाई की गई। इससे पहले पाकिस्तान ने इस्लामाबाद स्थित भारतीय दूतावास के पास बने कुछ निर्माण कार्यों को हटाया था। इस तरह दोनों देशों के बीच ढांचा हटाओ की होड़ लगी हुई है।
ये ढांचे हाई कमीशन के वीजा सेक्शन के पास और निर्धारित परिसर की सीमा से बाहर बताए जा रहे हैं। संबंधित एजेंसियों ने कार्रवाई करते हुए इन संरचनाओं को साफ कर दिया। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध बेहद तनावपूर्ण हैं। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले इस्लामाबाद स्थित भारतीय हाई कमीशन के बाहर लगे पार्किंग पोल पाकिस्तान ने हटा दिए थे। ऐसे में दिल्ली में हुई कार्रवाई को उसी का जवाब माना जा रहा है। हालांकि भारतीय कार्रवाई का आधिकारिक आधार अनधिकृत निर्माण और अतिक्रमण बताया गया है।भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने पर दोनों देश पहले भी एक-दूसरे के राजनयिक मिशनों से जुड़ी सुविधाओं पर प्रशासनिक कदम उठाते रहे हैं। इनमें राजनयिक कर्मचारियों की संख्या घटाना, आवाजाही सीमित करना और मिशन से जुड़ी सुविधाओं पर प्रतिबंध शामिल रहे हैं। ताजा घटनाक्रम को भी इसी सिलसिले की कड़ी के रूप में देखा जा रहा है।

रिश्तों में तनाव की बड़ी वजह आतंकवाद

दोनों देशों के संबंधों में मौजूदा तनाव की प्रमुख वजह सीमा पार आतंकवाद है। अप्रैल 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद स्थिति और बिगड़ गई थी। इसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। जवाबी कार्रवाई के बाद दोनों देशों के बीच गंभीर सैन्य तनाव पैदा हुआ और बाद में संघर्ष विराम हुआ। ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनों देशों के संबंध सामान्य नहीं हो सके हैं। व्यापार और आवाजाही सीमित हैं, जबकि वीजा व्यवस्था और राजनयिक मिशनों की गतिविधियां भी पहले की तुलना में काफी कम हो गई हैं।
भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को भी स्थगित रखा है। नई दिल्ली का कहना है कि पाकिस्तान जब तक सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ ठोस कदम नहीं उठाता, तब तक संधि पर यही स्थिति रहेगी। हालांकि दोनों देशों के बीच सैन्य स्तर पर संपर्क पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। तनाव को नियंत्रित करने के लिए दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच संपर्क बना हुआ है। भारत का स्पष्ट रुख

है कि आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते। ऐसे में पाकिस्तान हाई कमीशन के बाहर हुई ताजा कार्रवाई को केवल अतिक्रमण हटाने की प्रशासनिक कार्रवाई के बजाय मौजूदा भारत-पाक तनाव के व्यापक संदर्भ में भी देखा जा रहा है।

पंक्चुअलिटी और विश्वसनीयता में दिल्ली मेट्रो का जलवा, दुनिया की अग्रणी मेट्रो प्रणालियों को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने ट्रेन परिचालन की समयबद्धता (पंक्चुअलिटी) और विश्वसनीयता के मामले में हांगकांग मेट्रो, पेरिस मेट्रो और न्यूयॉर्क सबवे जैसी विश्व की कुछ सबसे प्रतिष्ठित मेट्रो प्रणालियों से भी बेहतर प्रदर्शन करते हुए खुद को दुनिया की बेहतरीन शहरी रेल प्रणालियों में स्थापित किया है। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष महत्व रखती है क्योंकि डीएमआरसी परिचालन प्रदर्शन को मापने के लिए अत्यंत कड़े मानदंड अपनाता है। जहां अनेक मेट्रो प्रणालियां ट्रेन के कई मिनट विलंब से पहुंचने पर ही उसे विलंबित मानती हैं, वहीं दिल्ली मेट्रो में यदि कोई ट्रेन अपने गंतव्य स्टेशन पर निर्धारित समय से 59 सेकंड से अधिक विलंब से पहुंचती है, तो उसे विलंबित माना जाता है। दिल्ली मेट्रो की ट्रेन पंक्चुअलिटी वर्ष 2003 में 98.27 प्रतिशत थी, जो वर्ष 2005 में बढ़कर 99.64 प्रतिशत हो गई। इस उपलब्धि के साथ, दिल्ली मेट्रो ने अपने परिचालन की शुरुआत के महज दो वर्षों के भीतर ही 99त्न से अधिक पंक्चुअलिटी हासिल करने वाली दुनिया की चुनिंदा मेट्रो प्रणालियों की प्रतिष्ठित श्रेणी में स्थान बना लिया। इसके बाद से डीएमआरसी ने वर्ष दर वर्ष लगातार 99.9त्न ट्रेन पंक्चुअलिटी हासिल की है। वर्ष 2026 में, अपने विशाल नेटवर्क और बढ़ते बेड़े के बावजूद, दिल्ली मेट्रो ने 99.95 प्रतिशत की असाधारण पंक्चुअलिटी हासिल की है। आमतौर पर किसी मेट्रो नेटवर्क और उसके बेड़े के विस्तार के साथ-साथ परिचालन एवं रखरखाव संबंधी चुनौतियां भी बढ़ती हैं, जिसका प्रतिकूल प्रभाव समयबद्धता और विश्वसनीयता पर पड़ सकता है। हालांकि, दिल्ली मेट्रो ने अपने 23 वर्षों के परिचालन के दौरान इस सामान्य प्रवृत्ति को पीछे छोड़ते हुए लगातार उच्च स्तर की परिचालन दक्षता बनाए रखी है। ट्रेन हेडवे में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। शुरुआती वर्षों में जहां ट्रेनों के बीच अंतराल लगभग सात मिनट था, वहीं आज सबसे व्यस्त कॉरिडोर पर यह घटकर मात्र 2 मिनट 18 सेकंड रह गया है।

निर्माणाधीन मकान में करंट की चपेट में आया मजदूर

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में रविवार को निर्माणाधीन मकान में फैले बिजली के तारों की चपेट में आकर मजदूर की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के ज्योति नगर की है। यहां के रहने वाले मोहम्मद अरमान सुबह मजदूर चौराहे से रानीखेड़ा निवासी मनोज (22) को अपने निर्माणाधीन मकान में मजदूरी के लिए ले गए थे। काम के दौरान मनोज मकान में फैले बिजली के तारों की चपेट में आ गया। उसे सीएचसी, मोहनलालगंज पहुंचाया गया।

बड़े ऑपरेशन के बिना 12 साल की बच्ची की बदली जिंदगी, दो साल से मिर्गी का गंभीर दौरा नहीं

नई दिल्ली। केरल के एक दूरदराज गांव की 12 वर्षीय बच्ची ने मिर्गी के लगातार दौरों और अस्पतालों के चक्कर के बीच बीते बचपन को अब पीछे छोड़ दिया है। नौ महीने की उम्र में स्ट्रोक के बाद करीब एक दशक तक गंभीर मिर्गी से जूझने वाली बच्ची अब सामान्य जिंदगी जी रही है। एम्स, दिल्ली में अत्याधुनिक मिनिमली इनवेसिव ब्रेन सर्जरी के बाद पिछले दो वर्षों में उसे मिर्गी का कोई गंभीर दौरा नहीं पड़ा है। वह रोजमर्रा के काम भी सामान्य रूप से कर रही है। बच्ची को जन्म से ही गंभीर हृदय रोग था। ऐसे में सामान्य तरीके से की जाने वाली बड़ी ब्रेन सर्जरी उसके लिए जानलेवा जोखिम पैदा कर सकती थी। इसी चुनौती को देखते हुए एम्स की टीम ने रोबोटिक थर्मोकोएगुलेटिव हेमिस्फेरोटॉमी तकनीक का सहारा लिया। इसमें खोपड़ी को बड़े स्तर पर खोलने के बजाय छोटे छेदों के जरिए मस्तिष्क के क्षतिग्रस्त हिस्से को बाकी मस्तिष्क से अलग किया जाता है। स्ट्रोक के कारण बच्ची के मस्तिष्क का दायां हिस्सा स्थायी रूप से क्षतिग्रस्त हो गया था। करीब दो वर्ष की उम्र से उसे लगातार मिर्गी के दौरे पड़ने लगे। दौरों को रोकने के लिए कई तरह की एंटी-एपिलेप्टिक दवाओं के बावजूद रोजाना एक-दो गंभीर दौरे आते रहे। मां ने केरल के कई अस्पतालों में इलाज कराया, लेकिन राहत नहीं मिली। आर्थिक परेशानी के बीच केरल मुख्यमंत्री राहत कोष से मिली मदद के बाद परिवार मार्च 2024 में दिल्ली पहुंचा। एम्स की मिर्गी टीम ने जांच के बाद इसे ड्रग-रेसिस्टेंट एपिलेप्सी माना। न्यूरोलॉजी विभाग की प्रमुख डॉ. मंजरी त्रिपाठी के अनुसार, लगातार दौरों ने बच्ची के सामान्य जीवन को बुरी तरह प्रभावित किया था और सर्जरी ही प्रभावी विकल्प बचा था। एम्स न्यूरोसर्जरी एवं गामा नाइफ विभाग के प्रमुख डॉ. पी. शरत चंद्र बताते हैं कि ऐसे मामलों में आमतौर पर मस्तिष्क की एक बेहद जटिल और दुर्लभ न्यूरोसर्जिकल प्रक्रिया (ओपन हेमिस्फेरोटॉमी) की जाती है। लेकिन जन्मजात हृदय रोग और हृदय की का दायां हिस्सा स्थायी रूप से क्षतिग्रस्त हो गया था। करीब दो वर्ष की उम्र से उसे लगातार मिर्गी के दौरे पड़ने लगे। दौरों को रोकने के लिए कई तरह की एंटी-एपिलेप्टिक दवाओं के बावजूद रोजाना एक-दो गंभीर दौरे आते रहे। मां ने केरल के कई अस्पतालोंमांसपेशियों से जुड़ी एक अन्य बीमारी (डायलेटेड कार्डियोमायोपैथी) के कारण बच्ची में यह बेहद जोखिम भरा था। सर्जरी के दौरान बच्ची को कार्डियक अरेस्ट भी हुआ। न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, एनेस्थीसिया, क्रिटिकल केयर और कार्डियोलॉजी की संयुक्त टीम ने तत्काल रिससिटेशन कर उसकी स्थिति संभाली। न्यूरोसर्जरी विभाग के प्रोफेसर डॉ. रमेश डोड्डामानी के मुताबिक, ऐसे जटिल मामले में सभी विशेषज्ञ टीमों का समन्वय बेहद अहम रहा। सर्जरी के करीब तीन महीने बाद जांच में क्रॉनिक सबड्यूरल हेमेटोमा (मस्तिष्क की सतह और उसकी बाहरी परत के बीच पुराना खून या तरल जमा होना) मिला। दोबारा ओपन ब्रेन सर्जरी बच्ची के कमजोर दिल के लिए जोखिम भरी थी। इसलिए एम्स के न्यूरोरेडियोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. अजय गर्ग ने मिडिल मेनिंजियल आर्टरी एम्बोलिजेशन (किसी बड़ी सर्जरी के कैथेटर के जरिए रक्त वाहिका को बंद करना)के जरिए इसका इलाज किया। इस एंडोवास्कुलर प्रक्रिया में खोपड़ी खोले बिना रक्तस्राव से जुड़ी समस्या का उपचार किया गया। लगातार दौरों से जूझ रही बच्ची के लिए यह उपचार अब सामान्य जीवन की ओर लौटने का रास्ता बन गया है।

277 में से 206 पिलर लगे, संशोधित नक्शे पर एनजीटी के निर्देश का इंतजार

नई दिल्ली। यमुना नदी के बाढ़ क्षेत्र (खादर) की सीमा तय करने का काम संशोधित नक्शे के कारण फिलहाल अटक गया है। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) को दी प्रगति रिपोर्ट में बताया है कि निर्धारित 277 पिलरों में से 206 लगाए जा चुके हैं। शेष पिलर लगाने का काम नए नक्शे के कारण रोक दिया गया है। यह कार्य वजीराबाद बैराज से ओखला बैराज तक करीब 22 किलोमीटर लंबे यमुना क्षेत्र में किया जा रहा है। पिलरों के जरिए बाढ़ क्षेत्र की सीमा जमीन पर स्पष्ट रूप से चिह्नित की जा रही है, ताकि खादर क्षेत्र को सुरक्षित रखने के साथ भविष्य में होने वाले अतिक्रमण पर भी रोक लगाई जा सके। डीडीए के अनुसार, इसी साल मार्च में जियो स्पेशल दिल्ली लिमिटेड (जीएसडीएल) और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग की ओर से जारी नक्शे के आधार पर पिलर लगाने का काम शुरू हुआ था। इसे 31 जुलाई तक पूरा करने का लक्ष्य था। हालांकि, 6 जून को सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने डीडीए को संशोधित नक्शा भेज दिया। उस समय तक आधे से अधिक पिलर लगाए जा चुके थे। डीडीए के मुख्य अभियंता (बागवानी) ने बाढ़ नियंत्रण विभाग से कहा है कि संशोधित नक्शा पहले एनजीटी के समक्ष रखा जाए। अधिकरण के निर्देश मिलने के बाद ही आगे काम किया जाएगा। डीडीए के मुताबिक, नए नक्शे के चलते तय समय सीमा में काम पूरा करना मुश्किल हो सकता है और शेष पिलर लगाने के लिए अतिरिक्त समय मांगा जा सकता है। अधिकारियों के अनुसार, यह सीमा 100 साल की अनुमानित सबसे बड़ी बाढ़ के स्तर को ध्यान में रखकर तय की जा रही है।

मर्सिडीज कार के आगे-पीछे लगे थे अलग-अलग नंबर, लोगों से आरोपी ने बोतल दिखाकर कहा- ये तो बीयर है

नई दिल्ली। मर्सिडीज कार और वैगनआर कार में भिड़ंत के बाद बहुत तेज आवाज आई। यह बात स्थानीय निवासी राजवीर सिंह ने बताई और कहा कि हादसे के समय वह पार्क में घूम रहे थे। जब मौके पर दौड़कर पहुंचकर देखा तो उर्मिला (70 साल) भी चपेट में आ गई थीं। राजवीर ने बताया कि मर्सिडीज की रफ्तार 80 से 100 के आसपास रही होगी। वह कहते हैं कि बच्चों की स्कूल की छुट्टी होने की वजह से बड़ा हादसा नहीं हुआ, नहीं तो मंजर और कुछ होता। राजवीर ने आरोप लगाया कि हादसे वाली जगह से कुछ दूरी पर स्थित शराब और चिकन की दुकान इसका कारण हैं। शाम को लोग नशे में अपनी गाड़ी निकालते हैं। मर्सिडीज कार में बियर की बोतल भी मिली है। आरोपी चालक भी नशे में था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस को इस मामले की गंभीरता से जांच करनी चाहिए, क्योंकि उसकी कार में आगे और पीछे का नंबर अलग मिले हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि हादसे के समय मर्सिडीज शुभम चला रहा था। वह नरेला के ग्रीन वैली अपार्टमेंट में रहता है। उसके पिता हरियाणा पुलिस ने सब इंस्पेक्टर हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कार शुभम ने अपने दोस्त से खरीदी है, लेकिन अभी कागज में उसका नाम दर्ज नहीं हुआ है। शुभम पिछले साल एमए की पढ़ाई पूरा कर चुका है और फिलहाल बेरोजगार है। घटना के समय वह दोस्तों के साथ पार्टी करने के बाद घर लौट रहा था। वह मूलत॰ घोघा गांव नरेला का रहने वाला है। वहीं मृत महिला उर्मिला के भतीजे सुनील कुमार ने बताया कि उनकी चाची हर दिन चीड़ियों को दाना और चींटियों को आटा डालने के लिए आती थीं। हादसे की जानकारी मिलते ही वह उनको अस्पताल लेकर गए थे। ईसीजी करने के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने भी शराब और मीट की दुकानों को हादसे की वजह बताया है। साथ ही कहते हैं कि पहले भी इसे बंद करने की शिकायत की गई है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। स्थानीय निवासी संध्या ने बताया कि शनिवार सुबह 8.30 बजे के आसपास की घटना है। आरोपी चालक नशे में था और कार को 80 की स्पीड में चलाकर लाया और वाहन पर नियंत्रण नहीं कर पाया। संजय स्वामी ने बताया कि उर्मिला धार्मिक प्रवृत्ति की थी। वह पक्षी और चींटियों को खाना देने आती थीं। नशे की वजह से कार चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। उन्होंने शराब की दुकान और चिकन की दुकान बंद करने की मांग की। घटना के बाद का एक वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें वह सहमा हुआ अपने ड्राइविंग सीट पर बैठा हुआ है। लोगों ने कार में बोतल देखकर उससे पूछा कि उसने नशा कर रखा है तो आरोपी ने बोतल दिखाकर कहा कि यह बियर का बोतल है। हालांकि पुलिस ने स्पष्ट किया कि इसकी पुष्टि मेडिकल जांच रिपोर्ट आने के बाद ही होगी। पुलिस ने शुभम का मेडिकल कराया है। पुलिस हादसे के हर पहलू की जांच कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि घटना के समय मर्सिडीज की रफ्तार कितनी थी और किन परिस्थितियों में हादसा हुआ है। नई दिल्ली के नरेला में मामूरपुर के हिमालय अपार्टमेंट के सामने हुए हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने आरोपी शुभम को पकड़ लिया। लोगों ने कार में बोतल देखकर पूछा कि उसने नशा कर रखा है, तो आरोपी ने कहा कि यह बीयर है। हालांकि पुलिस ने स्पष्ट किया कि इसकी पुष्टि मेडिकल जांच रिपोर्ट आने के बाद ही होगी। पुलिस ने शुभम का मेडिकल कराया है। पुलिस हादसे के हर पहलू की जांच कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि घटना के समय मर्सिडीज की रफ्तार कितनी थी और किन परिस्थितियों में हादसा हुआ है।

NAME CHANGE
I,hitherto known as anita Rani D/O Om Prakash W/O Amit Kumar, R/O Y-14, J.J.Colony Camp No.1, NANGALOI, PO: Nangloi S.O, DIST: West Delhi, Delhi-110041, have changed my name and shall hereafter be known as Anita Jindal.

NAME CHANGE
I,parvin choudhary w/o Ravinder singh R/0 house no -632 sector 29 Faridabad haryana-121008 have change my name to Praveen Chaudhary for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Tabita Khatri D/O Kishor Khatri, 382 Agcr Enclave near karkarduma Court PO: Sharkarpur Dist: East Delhi Pin 110092 Have Changed My Name To Tabita Khattri For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I, Mukesh Deosaria S/O Late Raghubir Prasad Deosaria, C-9/203-204, First Floor, Sector 7, Rohini, Delhi 110085 Have Changed My Name To Mukesh Kumar Deosaria For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
MOHMMAD SHAHBAZ KHAN S/o RIYASAT ALI KHAN R/o H NO 156 CHANDAN HOLA FATEHPUR BERI SOURTH DELHI-110074, I HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD SHAHBAZ KHAN ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, Imran Baig C/o Umar Daraz, 6818, gali makkhan wali, beri wala bagh, pul bangash, Delhi G.P.O., North Delhi, Delhi-110006 have changed my name from M Imran to Imran Baig for all future purposes.

NAME CHANGE
ARJUN S/o MAHINDER SINGH R/o VILLAGE- RATTANTHAL REWARI HARYANA-123301, I HAVE CHANGED MY NAME TO ARJUN SINGH ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, hitherto Known as SUNNY S/O SAMAY SINGH R/O Imalyaka, Gautam Buddha Nagar , Uttar Pradesh-201310 have changed my name and shall hereafter be known as SANNI NAGAR .

NAME CHANGE
I, ASANULLA legally father of Army No. JC 859883N, Name - SYED AHMED SK Rank – NB SUB, presently residing at VILL- HARANAGAR, POST- HARANAGAR, TEH- KRISHNA NAGAR, DIST- NADIA, STATE- WEST BENGAL, PIN- 741137, hereby declare that my name has been changed from ASANULLA to ACHHANULLA SEKH for all future purposes, Vide Affidavit dated 19/08/2026 before Notary Delhi.

Date of Birth Change
I, FAIZA D/o AFSAR ALI, resident of H NO-912, GALI CHAH SHIRI, FARASH KHANA, DELHI-110006 do hereby solemnly declare that my date of birth as 01/01/2005 wrongly written in AADHAR CARD/ PAN CARD/ VOTER ID CARD but my actual correct date of birth as 01/12/2005 mentioned in my BIRTH CERTIFICATE NO-499 my correct date of birth is 01/12/2005 and this should be considered correct in future.

NAME CHANGE
I, Ramesh Chander S/O Sampat Ram, House No. -355, Y-Block Mangol Puri, North West Delhi Pin: 110083 Have Changed My Name To Ramesh Chand For All The Future Purposes......

NAME CHANGE
I, Shalini Rani W/O Pankaj Arya, R/O KH.N0-29/6/2, GALI NO-1, NEAR POLICE CHOKI, SANGAM VIHAR JHRODA MAJRA, BURARI, PO: Burari, DIST: North Delhi, Delhi-110084, have changed the name of my minor son Krishna aged 9 years and he shall hereafter be known as KRISHNA ARYA.

NAME CHANGE
I, Shalini Rani W/O Pankaj Arya, R/O KH.N0-29/6/2, GALI NO-1, NEAR POLICE CHOKI, SANGAM VIHAR JHRODA MAJRA, BURARI, PO: Burari, DIST: North Delhi, Delhi-110084, have changed the name of my minor son Pratham aged 15 years and he shall hereafter be known as PRATHAM ARYA.

NAME CHANGE
I, TANVI D/o Shyam Pundir R/o Flat No.301, Third FloorChiranjeevi Apartments, Vipin Garden, Nawada, Street No.34A, Uttam Nagar, Delhi-110059, have changed my name to TANVI PUNDIR permanently.

NAME CHANGE
I, CHANDRA MOHAN KUMAR S/o BANKEY BIHARI SINGH R/o FCA-A-3752, Gali No.10, SGM Nagar NIT Faridabad, Faridabad-121001, have changed my name to CHANDRAMOHAN SINGH permanently

NAME CHANGE
I, Maroof S/o Chhange Khan R/o T-Huts-E 6/379, Street No.3, Near Dispensary, Sunlight Colony, Old Seemapuri, Delhi-110095 have changed my name to Mohd Maroof for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Azra Begum w/o Mohd Maroof R/o T-Huts-E 6/379, Street No.3, Near Dispensary, Sunlight Colony, Old Seemapuri, Delhi-110095 have changed my name to Hazara for all future purposes.

NAME CHANGE
I SHINDHUBAI, legally mother of Army No - 2811036M, Rank - Sep, Name - SHINDE NITIN LAXMAN, presently residing at Salsane, Post - Redgaon, Teh - Chandwad, Dist - Nashik, State - Maharashtra, PIN - 422306, have changed my name in my son's service record from SHINDHUBAI to SHINDE SINDHUBAI LAXMAN and my date of birth was wrongly mentioned as 09/02/1966 instead of my correct date of birth as 01/05/1970. Vide Affidavit dated 20/08/2026 before Notary Public, Delhi.

Date of Birth Change
I SHINDE LAXMAN PUNJARAM, legally father of Army No - 2811036M, Rank - Sep, Name - SHINDE NITIN LAXMAN, presently residing at Salsane, Post - Redgaon, Teh - Chandwad, Dist - Nashik, State - Maharashtra, PIN - 422306, have changed my date of birth in my son's service record. My date of birth was wrongly mentioned as 01/06/1963 instead of my correct date of birth as 01/06/1962. Vide Affidavit dated 20/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I MOHD SHAVEZ KHAN S/O SHAKHAWAT ALI R/O H NO D-51 BLOCK-D GALI NO 17 CHAUHAN BANGAR NEW SEELAMPUR NORTH EAST DELHI 110053 HAVE CHANGED MY NAME TO SHAVEZ ALI

NAME CHANGE
It is for general information that I, DEEP YADAV S/O SH.DINESH YADAV, R/O A-81, T-HUTS, BLOCK-A, SANJAY CAMP, CHANAKYA PURI, DELHI-110021,declare that name of mine, my father and my mother has been wrongly written as DIP BISWAS, DINESH BISWAS and ANITA BISWAS in my educational documents. The actual name of mine, my father and my mother are DEEP YADAV, DINESH YADAV and ANITA YADAV, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as POOJA GARG alias POOJA BHARTI D/o Chandra Bhan, and W/o Amit Garg, R/o 53, CNG Pump, Sector-09, Vaishali, I.E. Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010, have changed my name and shall hereafter be known as POOJA BHARTI, for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Farha D/O Tanvir, R/O Flat No-62, 3rd Floor, Biock-B, Pocket-5, Near Primary School, Rohini Sec - 11, North West Delhi, Delhi 110085, have changed my name and shall hereafter be known as KASHISH.

NAME CHANGE
I, Jennifer Malsawmdawngliani Sailo D/O Lalchhanhima Sailo R/O J-1022, Palam Vihar, Choma (62), Gurgaon, Haryana Pin-122017 Have Changed the Name of Jennifer Sailo for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I GEETU MAHAJAN W/O SAMEER CHOPRA R/O 141-A SOUTH ANARKALI KRISHNA NAGAR EAST DELHI 110051 HAVE CHANGED MY NAME TO SIMRAN CHOPRA W/O SAMEER CHOPRA

NAME CHANGE
I, IELA SOLANKI / IELA, W/O VIVEK SOLANKI, R/O WZ-309,PALAM VILLAGE, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110045, HAVE CHANGED MY NAME TO IELA RATHI FOR ALL FUTURE PURPOSES

PUBLIC NOTICE
Be it known to all that my client namely SMT. MEERA DEVI W/O SH. UPENDER SINGH R/O A-34, GALI NO.4, PREM VIHAR, NANGLI DAIRY, NAJAFGARH, SOUTH WEST, DELHI-110043, has disowned, debarred her son namely KAMAL SINGH S/O SH. UPENDER SINGH and daughter-in-law SMT. LAXMI KUMARI SINGH W/O SH. KAMAL SINGH due to their adamant nature and out of contral from all her moveable and immoveable properties. My client has severed all relations with all of them. Anyone dealing with them may do so at his/her own risks, costs and consequences.
GULSHAN KUMAR SACHDEVA
ADVOCATE
DELHI HIGH COURT
Off: Dwarka Court Bar Room, Lawyers' Chamber Dwarka Court Complex, Sector-10, Dwarka, New Delhi-110075.
Mobile:+91-9711365812

NAME CHANGE
I, SARTAJ S/O ALEEM residing at H NO-A/109, G/F, GALI NO-7, NEAR NALA ROAD, KH NO-CHAND BAGH, KARAWAL NAGAR DELHI-110094 have changed my name to MOHAMMAD SARTAJ for all future purposes.

NAME CHANGE
I, JC-732934X SUB MAJ SHASHI KANT VERMA (Retd) resident of Qtr No-P-25/15, Kabul Line, Sadar Bazar, Delhi Cantt-110010, declare that my father's name BHOLA PRASAD SINGH and DOB 11-03-1946 is wrongly mentioned in my service record and his correct name is BHOLA MA??? and DOB is 01-01-1930 for all future purposes vide Notary Secunderabad affidavit dt 12-06-2026.

NAME CHANGE
I, hitherto known as RASIDA BEGAM W/O INAYAT HUSSAIN R/o I-2 BLOCK, HOUSE NO-182, GALI NO-5, SANGAM VIHAR, DEVLI, DR AMBEDKAR NAGAR, DELHI-110080 have changed my name and shall hereafter be known as RASHIDAN. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, Anushka S/O Harish Kinkar R/O Flat No-269,tower-blossom 3bhk Gaur Saundaryam, Techzone-4,greater Noida, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh 201318 Have Changed My Name From Anushka to Anushka Harish Kinkar for All Future Purposes.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that my client Smt. Sumitra, W/o Late Shri Jitendra Singh Yadav, R/o House No. 91-RPS, DDA Flats, Mansarover Park, Shahdhara, North East, Delhi-110032 having disowned her son Abhay Yadav and her daughter-in-law Divya Yadav from all her property including movable and immovable & will, cash, bank balance, gold, and any other belonging. They are no more her legal heir. They have no rights in existing and future property of Sumitra.
Anubhav Agrawal
Advocate
High Court of Delhi
A-131, LGF, Sector-46
Noida-201301

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री सुरेश चंद के बेटे श्री कुलदीप, एक रिहायशी बनी बनाई प्रॉपर्टी (मकान) के मालिक हैं। यह प्रॉपर्टी नंबर 349/13, खसरा नंबर 765 में आती हे और गली नंबर 4, आशा राम गली, मंटावली, फजलपुर (इलाका शाहदरा, दिल्ली-110092) में स्थित है। इसका प्रिया 25 वर्ग गज (यानी 20.90 वर्ग मीटर) है और इसमें छत के अधिकार (roof rights) भी शामिल हैं। श्री महेबर सिंह के बेटे श्री रविश कुमार सिंह द्वारा निष्पादित नोटरीकृत तक्र (31.01.2025 की), ATS और वसीयत के आधार पर, यह प्रॉपर्टी श्री सनी कुमार और श्री पवन कुमार को बेची जा रही है। इस खरीद के लिए स्व्ब्रन इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से फाइनेंस लिया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का भी इस प्रॉपर्टी पर कोई दावा/हित/अधिकार है या कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।
Rahul Raj, Advocate,
SG Associates
LLP B-01, Plot no. 20,
Kaushambi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL:
sgrrassociatesllp@gmail.com
Ph: 8130309204

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Mo. Salim Khan S/o Shabuddin Khan R/o Apartment No-404, Tower Y-1, Ganga Yamuna Hindon Apartment, Sidharth Vihar, Sector 7, Ghaziabad, Vijai Nagar, Uttar Pradesh-201009 declare that name of mine and my minor daughter has been wrongly written as Mohd Salim Khan and Ilham Khan in my minor daughter Ilhem Khan aged 15 years in her Aadhar Card No-3811 6552 6871. The actual name of mine and my minor daughter are Mo. Salim Khan and Ilhem Khan.

Name Change
I, KESHRI KUMAR SINGH D/O PUSHPA RAJ SINGH R/O 413-A, GALI NO. 5 GOVINDPURI KALKAJI, DELHI - 110019, I have changed my name from SUCHITRA SINGH TO KESHRI KUMAR SINGH for all future purposes.

Name Change
I, Akansha Chaudhry D/o Sunil Kumar R/o B21,Patel Nagar-2,Ghaziabad,Uttar Pradesh-201001, declare that name of my father and my mother has been wrongly written as S K Chaudhry and Sunita Chaudhry in my All Educational Documents. The actual name of my father and my mother are Sunil Kumar and Sunita, which may be amended accordingly.

Name Change
I,Vaishno Sharma D/o Amit Kumar Sharma R/o 111, Krishna Nagar, Ghaziabad, PO: Ghaziabad, Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001, have changed my name and shall hereafter be known as Vaishnavi Bhardwaj

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **Smt. Sakeela Begam W/o Sh. Yameen in respect Residential Property admeasuring 129 sq. yds. Part of Khasra No. 95min, Situated in the Old Abadi of Village Gijore, Pragana and Tehsil Dadri, Distt. Gautam Budh Nagar, U.P.** claiming to have undisputed ownership. **Piramal Finance Ltd** is providing financial assistance in respect of the above-mentioned property. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, Kanchan Kinkar W/O Harish Kinkar R/O Flat No-269,tower-blossom 3bhk Gaur Saundaryam, Techzone-4,greater Noida, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh 201318 Have Changed My Name From Kanchan Kinkar to Kanchan Harish Kinkar for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I, Mayank Kinkar S/O Harish Kinkar R/O Flat No-269,tower-blossom 3bhk Gaur Saundaryam, Techzone-4,greater Noida, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh 201318 Have Changed My Name From Mayank Kinkar to Mayank Harish Kinkar for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I, HARISH BHAGWAT KINKAR S/O BHAGATRAO KINKAR R/O Flat No-269,tower-blossom 3bhk Gaur Saundaryam, Techzone-4,greater Noida, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh 201318 Have Changed My Name From HARISH BHAGWAT KINKAR to HARISH KINKAR for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I, TULASHI ROUT mother of No 2613457K, Rank-HAV, Name-ANIRUDHA ROUT residing at VILL-KESNAGHAR, PO-BHARIGADA, PS-RAJAKANIKA, TEHSIL-KENDRAPARA, DIST-KENDRAPARA, ORISSA-754220 have changed my name from TULASHI ROUT to TULASI ROUT for all future purposes vide Affidavit dated 20/08/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client by Mr. Rashid Khan S/o Mr. Naushad Khan is the owner of Freehold Residential Built-on Property No. V-188, area measuring 50 Sq. Yds., out of Khasra No. 709/23, Situated in the abadi of Gali No. 17, Near Shri Dev Mandir, Dharamshala, Vijay Park Maujpur, in the area of Village Maujpur, Illaqa Shahdara, Delhi. by virtue of Notarized GPA, Notarized ATS & Will dated 18.10.2024 now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and Upper Ground Floor, without roof rights, sold to be Mohd. Waseem and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi.
If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I KM SADHANA KHARWAR W/O RAJESH R/O RZH - 114 G/F GALI NO -8 PALAM COLONY RAJ NAGAR PART -2 DELHI- 110077 have changed my name to SADHNA DEVI Permanently for all future

NAME CHANGE
I ZAHRA BEGUM W/0 ANNA MD MEHRBAN FULTI R/0 S-786/5 GALI NO 5 MUMTAJ MASJID JOGA BAI EXTN. JAMIA NAGAR OKHLA DELHI CHANGED MY NAME TO JAHAN AARA

NAME CHANGE
I, ANTARJYAMI ROUT father No 2613457K, Rank-HAV, Name-ANIRUDHA ROUT residing at VILL-KESNAGHAR, PO-BHARIGADA, PS-RAJAKANIKA, TEHSIL-KENDRAPARA, DIST-KENDRAPARA, ORISSA-754220 have changed my name ANTARJYAMI ROUT to ANTARYAMI ROUT for all future purposes vide Affidavit Dated 20/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I MOHAMMAD AMJAD ISLAM S/0 MOHD GHAFFAR R/0 H NO 278/14 ZAKIR NAGAR JAMIA NAGAR OKHLA DELHI 110025 CHANGED MY NAME TO MOHD AMJAD

NAME CHANGE
I, DEVENDER KUMAR S/o KAPTAN SINGH R/o H N Rzh D-51, Gali No 6, Raj Nagar, Part 2, Palam Colony, New Delhi-110077, have changed my name from DAVINDER KUMAR to DEVENDER KUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Madhu Rathi W/O Pradeep Singh R/O -211 C, Bgn Market, Near Community Center, Munirka,South West Delhi, 110067 Have Changed the Name of Madhu Bala for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I SHWETA GUPTA W/O AMIT KUMAR GUPTA R/O FLAT NO D-12 MTNL STAFF QUARTERS SUNDER VIHAR, PASCHIM VIHAR DELHI 110087 have changed my name to SHWETA KUMARI Permanently for all future

PUBLIC NOTICE
My client Smt. Nirmala Devi W/o Sh. Karamvir R/o T-70, Street No. 8, Nehru Nagar, Near Baljit Nagar, Delhi-110008 has debarred and disowned his son namely Chanderkant and his wife Smt. Monika from all her movable and immovable properties due to their misconduct, disrespectful behavior towards my client. My client has also served all her relations with them. If anybody deals with them, he/she will do so at his/her own risk, costs and consequences. My client shall not be held responsible for their acts and deeds in any manner for the same.
RADHEY SHYAM SHARMA, ADVOCATE
CHAMBER NO. K-77,
NEAR GATE NO.2.
TIS HAZARI COURT,
DELHI-110054
Mobile No 9818202729

NAME CHANGE
I, hitherto Known as PALLAVI GARG alias PALLAVI GOYAL D/O SUBHASH GOYAL W/O SUBODH KUMAR GARG R/O FF-5, Plot No-260, Gyan Khand-1, Behind St. Francis School Indirapuram, Shipra Sun City, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201014 have changed my name and shall hereafter be known as PALLAVI GARG.

NAME CHANGE
I, CHETAN DUTTA S/O VINOD KUMAR DUTTA R/O Flat No-B-1301, Stellar Jeevan Plot No GH 03, Sector-1, Greater Noida West Bishrakh,I.A Surajpur, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201306 have changed the name of my minor daughter MILI DUTTA aged 5 year and she shall hereafter be known as AARNAA DUTTA.

PUBLIC NOTICE
It is hereby informed to the general public that our client, Mr. Amrik Singh S/o Late Mr. Gurmeet Singh & Mr. Pradeep Singh S/o Late Mr. Gurdeep Singh, are the absolute owner and in lawful possession of Freehold Residential Built-up Property Bearing MPL No. 4544 (Old), and XV/3587, area measuring 94 Sq. Yard., situated at Ward No. XV, Dariba Pan, Kaseru Walan, Pahar Ganj, New Delhi-110055, by virtue of a Relinquishment Deed dated 28.06.2025 duly registered as Document No. 2025/24/I/6330, in Book No. 1, Volume No. 22401, on Pages 25-58, with the Sub-Registrar Office of Central Asaf Ali.. in the chain docuemnts below mentioned documents not available i.e. (1) SMC of legal heirs of late Mr. Gurdeep Singh died on 07.08.2002, (2) Death Certificate of Mrs. Talvinder Kaur, (3) SMC of legal heirs of late Mr. Gurmeet Singh died on 13.02.2021, (4) Death Certificate of Mr. Mahinder Singh died on 12.04.2024, (5) Death Certificate of Mr. Gurcharan Singh died on 15.01.2025., Our client hereby declares that, except as stated herein, no other person has any right, title, interest, claim, lien, charge, or encumbrance whatsoever in respect of the aforesaid property. It is further declared that the built-up 4th/Top Floor, area measuring 46 Sq. Yds., of the above-mentioned property to be Purchased Mrs. Rajni W/o Mr. Prem Das. and to be mortgaged, Roha Housing Finance Pvt. Ltd., Noida Uttar Pradesh. Accordingly, any person having any objection, claim, right, title, interest, or demand of any nature whatsoever in respect of the aforesaid property is called upon to intimate the same in writing, along with supporting documentary evidence, to the undersigned within 07 days from the date of publication of this notice, failing which it shall be presumed that no such claim exists, and any such claim, if raised thereafter, shall be deemed to have been waived and abandoned.
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

कार्यालय- दंतेश्वरी मैया सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित बालोद, जिला-बालोद(छ.ग.)
// ई-निविदा सूचना//
ई-निविदा क्रं. 197843, 197844, 197845, 197846 व 197850 दिनांक- 20/08/2026
दंतेश्वरी मैया सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित बालोद द्वारा पेराई सत्र 2026-27 हेतु मरम्मत के लिए विभिन्न Authorised इंजीनियरिंग सामग्रीयां क्रय, विभिन्न Non-Authorised इंजीनियरिंग सामग्रीयाँ क्रय, विभिन्न सर्विसिंग कार्यो व वर्ष 25-26 में उत्पादित लगभग 200 मि.टन मोलासीस विक्रय हेतु प्रथम ई-निविदाएं एवं सी.ए. नियुक्ति हेतु द्वितीय ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदाओं हेतु इच्छुक फर्मो/निविदाकार द्वारा भाग लेने के लिए ई-टेण्डर के वेबसाईट में जाकर पृथक-पृथक ई-निविदा हेतु फार्म राशि 1000/- + 311/-चिप्स के द्वारा ली जाने वाली सर्विस चार्ज ऑनलाईन के माध्यम से जमा कर शासकीय ऑनलाईन वेबसाईट (E-procurement Portal:http://eproc.cgstate.gov.in) में फार्म अपलोड किया जाना है।
नोट:-निविदा की शर्ते व नियम निविदा प्रपत्र कारखाने के वेब साईड www.dmsskm.com में भी अवलोकन कर सकते है।
ई-निविदा हेतु तकनीकि सहयोग के लिए सम्पर्क-9098817773 एवं अन्य जानकारी हेतु 9907406733, 9713961777
प्रबंध संचालक

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

स्वास्थ्य विभाग ने स्वाइन फ्लू से बचाव के लिए जारी की एडवाइजरी

एजेंसी

चण्डीगढ़। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा बदलते मौसम के चलते स्वाइन फ्लू से बचाव के लिए आमजन को सावधानी बरतने की सलाह दी है और इसके बचाव के लिए एडवाइजरी भी जारी की गई है और नागरिकों को आवश्यक सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। एक सरकारी प्रवक्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि स्वास्थ्य विभाग के अनुसार स्वाइन फ्लू के प्रमुख लक्षणों में बुखार, खांसी, गले में खराश, नाक बहना या बंद होना, सांस लेने में परेशानी, सिरदर्द, शरीर व जोड़ों में दर्द, कमजोरी एवं भूख कम लगना, जी मिचलाना, उल्टी तथा दस्त शामिल हैं। बुखार, खांसी या छींक जैसे लक्षण हों तो सार्वजनिक स्थानों से दूरी बनाए रखें, ताकि संक्रमण फैलने का खतरा कम किया जा सके। संक्रमण से बचाव के लिए जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। उन्होंने बताया कि नागरिकों से अपील की गई है कि खांसते या छींकते समय मुंह और नाक को रूमाल से ढकें। हाथों को बार-बार साबुन और पानी से धोएं। पर्याप्त मात्रा में पानी पीने के साथ पौष्टिक भोजन लें। पर्याप्त नींद लें एवं आराम करें। यदि बुखार, खांसी या छींक जैसे लक्षण हों तो सार्वजनिक स्थानों से दूरी बनाए रखें, ताकि संक्रमण फैलने का खतरा कम किया जा सके।

गो ग्लोबल अप्रोच के साथ हरियाणा को दुनिया से जोड़ने की दिशा में कदम

चंडीगढ़। हरियाणा को 'गो ग्लोबल' अप्रोच के साथ दुनिया से जोड़ने और युवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय अवसरों का विस्तार करने की दिशा में विदेश सहयोग विभाग द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने संत कबीर कुटीर में हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत विदेशी विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने उपस्थित विदेशी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज दुनिया तेजी से बदल रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और अन्य आधुनिक तकनीकों ने शिक्षा, चिकित्सा, कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों में नए अवसर पैदा किए हैं। ऐसे में युवाओं को लगातार सीखते रहने, नई तकनीकों को अपनाने और बदलती दुनिया के साथ कदम मिलाकर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। 'गो ग्लोबल' अप्रोच के साथ आगे बढ़ते हुए युवाओं को वैश्विक अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा जीवन का अंतिम पड़ाव नहीं, बल्कि आगे बढ़ने की शुरुआत है। संवाद कार्यक्रम में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र और महर्षि मार्कंडेश्वर यूनिवर्सिटी मुलाना में पढ़ रहे 14 देशों के विद्यार्थी शामिल हुए।

सरकार की लाभकारी योजनाओं का किसानों को मिल रहा सीधे लाभ: संत कुमार

लाडवा। मार्केट कमेटी सचिव संत कुमार ने कहा कि सरकार ने किसानों के लिए अनेक लाभकारी योजनाएं लागू की हैं। इन योजनाओं का सीधा लाभ किसानों तक पहुंच रहा है। सरकार की योजनाओं का लाभ पाने के लिए किसानों को मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण करना अनिवार्य है। सरकार किसानों की सभी 24 फसलों की खरीद एमएसपी पर कर रही है। इसके साथ ही फसल खरीद करने के साथ-साथ ही भुगतान की भी समय सीमा निर्धारित की गई है। मार्केट कमेटी सचिव संत कुमार मार्केट कमेटी लाडवा द्वारा अनाज मंडी में आयोजित किसान जागरूकता शिविर में बोल रहे थे। उन्होंने कार्यक्रम में खरीफ सीजन 2026 के दौरान सुचारू खरीद प्रक्रिया सुनिश्चित करने, किसानों को सरकारी योजनाओं व मानकों की जानकारी दी। शिविर में किसानों को धान व अन्य खरीफ फसलों की फेयर एवरेज क्वालिटी मानकों, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, इलेक्ट्रॉनिक तौल और मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया। इस दौरान सूचना जनसंपर्क भाषा विभाग की भजन मंडली द्वारा सरकार की योजनाओं व नीतियों का प्रचार प्रसार किया और इसके साथ ही भजनों, गीतों की भी प्रस्तुतियां दी।

एसडीएम ने राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल बरोट का किया औचक निरीक्षण

लाडवा। लाडवा एसडीएम अनुभव मेहता ने राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल बरोट का औचक दौरा किया। इसका उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता और स्कूलों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का जायजा लेना है। विद्यालय पहुंचने पर एसडीएम ने विद्यार्थियों से बातचीत की। इसके पश्चात उन्होंने कक्षाओं, पुस्तकालय, मिड डे मील, शौचालय व पेयजल व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया।एसडीएम अनुभव मेहता ने कहा कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे ही कल का भविष्य हैं। इसलिए उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ बेहतर माहौल देना हम सभी की जिम्मेदारी है। स्कूल में सभी विषयों की समय पर पढ़ाई सुनिश्चित की जाए। विद्यार्थियों की उपस्थिति शत-प्रतिशत रहे, इसके लिए विशेष प्रयास किए जाएं।

प्रॉपर्टी आईडी को लेकर समस्या सीएम कार्यालय न आए, अधिकारी अपने स्तर पर करें समाधान : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

सीएम ने पीआईडी को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता की।

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए कि प्रॉपर्टी आईडी को लेकर कोई भी समस्या मुख्यमंत्री कार्यालय में आएगी तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ तुरन्त कार्यवाई की जाएगी। इसलिए अधिकारी उनका निवारण अपने स्तर पर जल्द सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी चण्डीगढ में शहरी स्थानीय निकाय, नगर योजनाकार एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ पीआईडी को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन एवं शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्रीड के साथ शहरी स्थानीय निकाय की समन्वय बैठक आयोजित कर पीआईडी से संबंधित समस्याओं का त्वरित गति से समाधान सुनिश्चित किया जाए ताकि जनता को किसी प्रकार की दिक्कत पेश न आए। उन्होंने

अधिकारियों को पूरे सिस्टम को भी दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 442570 प्रॉपर्टीज की 279658 पीआईडी अप्रुव की जा चुकी हैं। शेष प्रॉपर्टीज की आईडी को भी जल्द ही पूरा कर दिया जाएगा। इसी प्रकार विभाजित की जाने वाली 63878 पीआईडी में से भी 36545 पीआईडी अप्रुव कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि 5050072 प्रॉपर्टीज में से स्थानीय निकायों संबंधित 19403 ऑब्जेक्शन लम्बित हैं। उन्हें भी जल्द से जल्द पूरा कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने प्रॉपर्टी आईडी को लेकर विस्तृत जानकारी लेते हुए कहा कि वैध कॉलोनियों की सीमा में यदि कोई प्लाट खाली है तो उसे भी वैद्य मानते हुए एचएसवीपी की तर्ज पर एक्सटेशन फीस लेकर कार्रवाई अमल में लाई जाए। इसके अलावा यदि किसी प्लाट या मकान में कमर्शियल गतिविधियां संचालित है तो उसे भी विकास शुल्क आदि चार्ज लेकर अनुमति प्रदान की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भूमि को कृषि, कमर्शियल और रेजिडेंशियल में विभाजित कर आंकलन किया जाए। इसी प्रकार नार्म पूरा करने वाली सभी कालोनियों को वैध घोषित करने के लिए कार्रवाई अमल में लाई जाए। उन्होंने कहा कि फैमिली आईडी और प्रॉपर्टी आईडी के मिसमैच को भी दूर करने के लिए भी त्वरित कार्रवाई की जाए।

शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा का एक्शन मोड

सोनीपत के स्कूल का किया औचक निरीक्षण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को सुधारने और धरातलीय स्थिति को मजबूत करने के लिए पूरी तरह एक्शन मोड में हैं। इसी कड़ी में शिक्षा मंत्री ने सोनीपत जिले के गन्नौर क्षेत्र के दातौली गांव स्थित पीएम श्री जीजीएसएसएस का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्कूल परिसर की साफ-सफाई, बुनियादी सुविधाओं और प्रशासनिक व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। विद्यार्थियों से बातचीत कर जानी समस्याएं स्कूल पहुंचे शिक्षा मंत्री ने न केवल भौतिक व्यवस्थाओं को जांचा, बल्कि कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से सीधा संवाद भी स्थापित किया। उन्होंने छात्रों से पढ़ाई के स्तर, शिक्षकों की उपस्थिति, पठन-पाठन की सामग्री और स्कूल में मिलने वाली सुविधाओं को लेकर खुलकर

बात की। मंत्री ने विद्यार्थियों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और अधिकारियों को निर्देश दिए कि छात्रों की हर जरूरत और समस्या का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए। प्रदेश के इतिहास में यह पहली बार देखने को मिल रहा है जब कोई शिक्षा मंत्री स्वयं ग्राउंड स्तर पर उतरकर सरकारी स्कूलों और कॉलेजों की व्यवस्थाओं की सीधी मॉनिटरिंग कर रहा है। मंत्री महीपाल ढांडा का मानना है कि केवल कार्यालयों में बैठकर नीतियां बनाने से जमीनी बदलाव संभव नहीं है, बल्कि उसके लिए खुद मौके पर जाकर कमियों को देखना और सुधार करना आवश्यक है। उनके इस आक्रामक और संवेदनशील कार्यशैली की आम जनमानस और अभिभावकों के बीच सराहना हो रही है।शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने का यह अभियान लगातार जारी है। पिछले 11 दिनों के भीतर शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा कई प्रमुख शिक्षण संस्थानों का औचक दौरा कर चुके हैं। इससे पहले वे पंचकूला के राजकीय कॉलेज, बसताड़ा के राजकीय महिला कॉलेज, पानीपत के सेक्टर-18 स्थित राजकीय कॉलेज और पानीपत के निजामपुर गांव स्थित राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल का भी गहन निरीक्षण कर चुके हैं।

पुनः शुरू होगी डॉ. बी.आर. अम्बेडकर आवास नवीनीकरण योजना : कृष्ण कुमार बेदी

एजेंसी

चण्डीगढ़। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग कल्याण मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज के 650वें जन्मोत्सव के अवसर पर डॉ. बी.आर. अम्बेडकर आवास नवीनीकरण योजना के पात्र परिवारों को लाभ प्रदान किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को प्रदेश स्तर पर पात्र परिवारों का चयन करने के निर्देश दिए हैं। श्री कृष्ण कुमार बेदी आज चण्डीगढ़ में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती जी. अनुपमा, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव एवं निदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग श्री अजय कुमार, सेवा विभाग के संयुक्त सचिव श्री जयप्रकाश सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि डॉ. बी.आर. अम्बेडकर आवास नवीनीकरण योजना के तहत अनुसूचित जाति के गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले पात्र परिवारों को मकान के नवीनीकरण के लिए 80 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला स्तर पर पात्र परिवारों की पहचान एवं चयन की प्रक्रिया समयबद्ध तरीके से पूरी की जाए, ताकि लाभार्थियों को योजना का लाभ शीघ्र मिल सके। मंत्री ने कहा कि यह योजना अब सभी वर्गों के गरीब परिवारों के कल्याण के लिए भी लागू की गई है। 30 जून, 2026 तक सभी वर्गों के 85,815 लाभार्थियों को 415.48 करोड़ रुपये की सहायता राशि प्रदान की जा चुकी है।

मतदाता सूची को लेकर रहें सजग, 30 अगस्त तक दावे-आपत्तियां दर्ज कराने का मौका : डीसी

डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने कहा- संबंधित व्यक्ति को अपना पक्ष रखने का मिलेगा पूरा मौका

एजेंसी

झज्जर। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने जिलावासियों से अपील की है कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत 31 जुलाई को प्रकाशित प्रारंभिक मतदाता सूची में अपना तथा परिवार के सभी पात्र सदस्यों का नाम अवश्य जांचें। उन्होंने कहा कि सूची में नाम नहीं होने, किसी विवरण में त्रुटि होने अथवा अपात्र नाम दर्ज होने की स्थिति में 30 अगस्त तक निर्धारित प्रक्रिया के तहत दावा या आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है।

डीसी ने बताया कि यदि किसी पात्र व्यक्ति का नाम प्रारंभिक मतदाता सूची में शामिल नहीं है तो आवश्यक दस्तावेज एवं घोषणा-पत्र के साथ फॉर्म-6 भरकर नाम शामिल करवाने का दावा प्रस्तुत किया जा सकता है। उन्होंने पात्र युवाओं सहित सभी नागरिकों से मतदाता सूची में अपना नाम सुनिश्चित करने का आह्वान किया। डीसी ने कहा कि मतदाता सूची में नाम, पता, आयु, फोटो या अन्य विवरण में कोई गलती

है तो फॉर्म-8 के माध्यम से आवश्यक दस्तावेज एवं घोषणा-पत्र के साथ संशोधन के लिए आवेदन किया जा सकता है। डीसी ने बताया कि किसी मृत, अपात्र, स्थानांतरित अथवा अन्य स्थान पर पहले से पंजीकृत व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में दर्ज है तो निर्धारित प्रक्रिया के तहत फॉर्म-7 के माध्यम से आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है। दावे एवं आपत्तियां संबंधित निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी या सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी के कार्यालय में जमा की जा सकती हैं। ऑनलाइन माध्यम से भी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन किया जा सकता है।

जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने स्पष्ट किया कि सुनवाई का नोटिस मिलना मतदाता का नाम हटाए जाने का अंतिम फैसला नहीं है। यह सत्यापन एवं सुनवाई प्रक्रिया का हिस्सा है। संबंधित व्यक्ति को अपना पक्ष रखने और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने का पूरा अवसर दिया जाता है। निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी दस्तावेजों, अभिलेखों और प्रस्तुत पक्ष की जांच के बाद नियमानुसार निर्णय लेंगे।

सुभाष चन्द्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार-2027 के लिए आवेदन आमंत्रित : उपायुक्त

उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने पुरस्कार के संबंध में दी जानकारी

एजेंसी

पलवल। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से सुभाष चन्द्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार-2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। व्यक्तियों और संगठनों के अमूल्य योगदान और निस्वार्थ सेवा भाव को पहचानने और सम्मानित करने के लिए सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार के नाम से वार्षिक पुरस्कार दिया जाता है। इस पुरस्कार की घोषणा हर साल 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर की जाती है। इसके लिए लाभार्थी awards.gov.in/ पोर्टल पर जाकर 30 सितंबर 2026 तक आवेदन कर सकते हैं. उपायुक्त एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने पुरस्कार से जुड़ी अन्य जानकारी देते हुए बताया कि केवल भारतीय नागरिक और भारतीय संस्थान ही पुरस्कार के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। संस्थानों, स्वैच्छिक संगठनों, कॉर्पोरेट संस्थाओं, शैक्षणिक/अनुसंधान संस्थानों, प्रतिक्रिया/वर्दीधारी बलों या किसी अन्य संस्थान के लिए पुरस्कार के लिए एक संस्था के रूप में आवेदन कर सकते हैं। पुरस्कार के लिए उम्मीदवार ने भारत में आपदा प्रबंधन जैसे रोकथाम, शमन, तैयारी, बचाव, प्रक्रिया, राहत, पुनर्वास, अनुसंधान/नवाचार या ईए कार्य के क्षेत्र में काम किया हो। डीसी ने बताया कि आवेदन के साथ आपदा प्रबंधन में किए गए कार्यों का विवरण होना चाहिए। पुरस्कार के संबंध में अधिक जानकारी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के पोर्टल पर उपलब्ध है।

इन बातों का रखें ध्यान :

उपायुक्त ने बताया कि इस पुरस्कार के लिए केवल भारतीय नागरिक और भारतीय संस्थान ही पुरस्कार के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके साथ-साथ कॉरपोरेट संस्थाओं, संस्थान स्वैच्छिक संगठनों, शैक्षणिक अनुसंधान संस्थानों, प्रतिक्रिया/वर्दीधारी बलों या किसी अन्य संस्थान के लिए पुरस्कार के लिए एक संस्था के रूप में आवेदन कर सकते हैं।

कौन कर सकता है आवेदन : पुरस्कार के लिए उम्मीदवार ने देश में शमन, आपदा प्रबंधन जैसे रोकथाम, बचाव, प्रक्रिया, राहत, पुनर्वास, अनुसंधान/नवाचार या इस कार्य क्षेत्र में काम किया हो। आवेदन के साथ आपदा प्रबंधन में किए गए कार्यों का विवरण होना चाहिए। पुरस्कार के संबंध में अधिक जानकारी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के पोर्टल पर उपलब्ध है। जानकारी लेकर इसके लिए लाभार्थी आवेदन कर सकता है और पुरस्कार हासिल कर सकता है।

अधिकारी जनता की समस्याओं का समयबद्ध करें निपटारा- मंडल आयुक्त मोनिका मलिक

सीएम विंडो व जनसंवाद की शिकायतों को न रखें लम्बित

एजेंसी

रोहतक। मंडल आयुक्त मोनिका मलिक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से जनता की समस्याओं को सुनें तथा इनका समयबद्ध निदान करवाए। सभी अधिकारी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाए उपलब्ध करवाने के साथ-साथ समय पर कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलवाए। मंडल आयुक्त मोनिका मलिक स्थानीय लघु सचिवालय स्थित सभागार में मंडल स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रही थी। उन्होंने बैठक के एजेंडे में शामिल बिंदुओं की समीक्षा करते हुए राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों के संदर्भ में कहा कि लंबित मामलों को यथाशीघ्र निपटाया जाए। राजस्व अधिकारी जमाबंदी व

इंतकाल को समय पर दर्ज करवाए। उन्होंने सम्पति पंजीकरण की टोकन प्रक्रिया की भी समीक्षा की तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मोनिका मलिक ने यमुना नदी में प्रदूषण को नियंत्रित करने व रोकने के लिए संबंधित विभागों द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में प्रदेश सरकार पूरी तरह गंभीर है तथा मुख्य सचिव स्वयं इसकी समीक्षा कर रहे हैं। जिला में ड्रेन संख्या-8 तथा केसीबी ड्रेन में शोधन के बाद ही जल डाला जाए। इसके लिए सभी संबंधित विभाग आवश्यक कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में माइक्रो एसटीपी स्थापित करने की संभावनाएं तलाशी जाए। मंडल आयुक्त मोनिका मलिक ने सीएम विंडो एवं जनसंवाद की समीक्षा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री समय-समय पर इन पोर्टलों की समीक्षा कर रहे हैं। संबंधित अधिकारी शिकायत पोर्टलों की स्वयं निगरानी करें तथा लंबित शिकायतों का यथाशीघ्र निपटारा करवाया जाए। उन्होंने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। नगर निगम द्वारा कन्हेली गांव में डेयरी परिसर स्थापित किया गया है जहां पर कुछ डेयरियां शिफ्ट हो चुकी है तथा अन्य डेयरी संचालकों को इस परिसर में डेयरी शिफ्ट करने बारे नोटिस दिए गए हैं।

प्रदेश सरकार एलोपैथी के साथ-साथ पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को भी दे रही है बढ़ावा : आरती सिंह राव

आयुष चिकित्सा प्रतिपूर्ति नीति के तहत अब तक आयुष विभाग द्वारा 18 अस्पतालों को किया एम्पैनल्ड

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार राज्य के सरकारी कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और उनके आश्रितों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में राज्य की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि मई 2023 में लागू की गई 'आयुष चिकित्सा प्रतिपूर्ति नीति' का लाभ अब लाभार्थियों तक सीधे पहुँच रहा है। इस नीति के तहत, यदि कोई पात्र व्यक्ति पारंपरिक एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से अपना इलाज कराता है, तो उसके द्वारा किए गए चिकित्सा खर्चों की प्रतिपूर्ति (रीइंबर्समेंट) राज्य सरकार द्वारा की जा रही है।उन्होंने बताया कि इस नीति का मुख्य उद्देश्य एलोपैथी के साथ-साथ पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को बढ़ावा देना और कर्मचारियों को स्वास्थ्य देखभाल के अधिक विकल्प प्रदान करना है। इसके अंतर्गत आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (AYUSH) जैसी पद्धतियों से कराया गया

इलाज पूरी तरह से कवर होता है। सरकार की इस पहल से उन पुरानी बीमारियों के इलाज में मरीजों को बड़ी राहत मिल रही है, जहाँ लोग एलोपैथी की जगह पारंपरिक और प्राकृतिक उपचार को प्राथमिकता देना चाहते हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने आगे विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि आयुष नीति के प्रभावी क्रियान्वयन और मरीजों को गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं देने के लिए अस्पतालों के सूचीबद्धीकरण (Empanellment) पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आयुष चिकित्सा प्रतिपूर्ति नीति के तहत अब तक आयुष विभाग द्वारा 18 निजी एवं विशेषज्ञ अस्पतालों को एम्पैनल्ड किया जा चुका है। इन सूचीबद्ध अस्पतालों में मरीज बेझिझक होकर आयुष पद्धतियों से उपचार प्राप्त कर सकते हैं और बाद में नीति के नियमानुसार अपने खर्चों का दावा प्रस्तुत कर सकते हैं।

राज्य सरकार का लक्ष्य आने वाले समय में इस नेटवर्क को और अधिक मजबूत करना है ताकि दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को भी निकटतम आयुष केंद्रों का लाभ मिल सके। स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि इस नीति से न केवल पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को संबल मिल रहा है, बल्कि सरकारी सेवा से जुड़े लाखों परिवारों पर अचानक आने वाले चिकित्सीय वित्तीय बोझ में भी काफी कमी आई है।

इग्नू में अब 31 अगस्त 2026 तक ले सकते है जुलाई 2026 सत्र में दाखिला: डॉ धर्म पाल

एजेंसी

कुरुक्षेत्र। इग्नू क्षेत्रीय केंद्र करनाल के क्षेत्रीय निदेशक प्रमुख डॉ. धर्म पाल ने बताया कि राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने जुलाई 2026 सत्र में विद्यार्थियों को बड़ी राहत देते हुए दाखिले तथा पुनः पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2026 तक बढ़ा दी है। यह विश्वविद्यालय के ओडीएल एवं ऑनलाइन मोड में संचालित अधिसूचित कार्यक्रमों के लिए उपलब्ध है। इच्छुक विद्यार्थी स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा एवं प्रमाण-पत्र सहित विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश ले सकते है। इग्नू में पहले से अध्ययनरत विद्यार्थी जुलाई 2026 सत्र के लिए अपना पुनः पंजीकरण निर्धारित प्रक्रिया के माध्यम से पूरा कर सकते है। डॉ. धर्म पाल ने विद्यार्थियों से अपील करते हुए कहा कि इच्छुक विद्यार्थी अंतिम तिथि का इंतजार न करते हुए समय रहते अपना आवेदन एवं निर्धारित शुल्क जमा कर प्रवेश/पुनः पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी करें। इग्नू द्वारा दी गई यह अतिरिक्त अवधि उन विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण अवसर है, जो किसी कारणवश पूर्व निर्धारित समय-सीमा में आवेदन नहीं कर पाए हैं। विद्यार्थी प्रवेश से पूर्व संबंधित कार्यक्रम की पात्रता, शुल्क एवं अन्य आवश्यक निर्देशों का ध्यानपूर्वक अवलोकन करें। दाखिले एवं अन्य विवरण के लिए विद्यार्थी इग्नू के आधिकारिक पोर्टल एवं वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम सूचना देखें।

डॉलर में कमजोरी से सोने और चांदी में जोरदार उछाल

सोना 283 की तेजी के साथ 1,58,279 रुपए, चांदी 2,41,167 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली।

सोने और चांदी की कीमतों में गुरुवार को जोरदार तेजी देखने को मिली। कमजोर होते डॉलर, वैश्विक बॉन्ड यील्ड में नरमी और सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग ने बहुमूल्य धातुओं को मजबूत समर्थन दिया। घरेलू एमसीएक्स और अंतरराष्ट्रीय कॉमेक्स बाजारों में सोने-चांदी की शुरुआत तेजी के साथ हुई। घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी दोनों के वायदा भाव में मजबूती दर्ज की गई। खबर लिखे जाने तक सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट 283 रुपये की तेजी के साथ 1,58,279 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। यह 1,58,008 रुपये पर खुला था और दिन के दौरान 1,58,300 रुपये का उच्च स्तर छुआ। इस साल सोने ने 1,80,779 रुपये प्रति 10 ग्राम का सर्वोच्च स्तर छुआ था। वहीं चांदी का सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 3,513 रुपये की जोरदार उछाल के साथ 2,40,300 रुपये प्रति किलोग्राम पर था। यह 2,38,500 रुपये पर खुला था और दिन के उच्च स्तर 2,41,167 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंचा। चांदी ने इस साल 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम का उच्चतम स्तर देखा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी बनी रही। सोना 7.20 डॉलर की बढ़त के साथ 4,552.50 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा था, जबकि यह 4,580 डॉलर प्रति औंस पर खुला था। सोने ने इस साल 5,586.20 डॉलर प्रति औंस का सर्वोच्च स्तर बनाया था। चांदी का वायदा भाव भी 1.47 डॉलर की तेजी के साथ 67.30 डॉलर प्रति औंस पर था। यह 67.08 डॉलर पर खुला था और इस साल 121.79 डॉलर प्रति औंस का उच्चतम स्तर छू चुका है।

भारतीय दोपहिया निर्यात को मिली रफ्तार, 27 में 20 फीसदी तक उछाल संभव

अफ्रीकी मांग में सुधार, नए बाजारों में विस्तार से मिलेगा सहारा

नई दिल्ली भारतीय दोपहिया वाहन निर्यात में वित्त वर्ष 27 के दौरान 15 से 20 प्रतिशत की सालाना वृद्धि मिलने की संभावना है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च (इंड-रा) के मुताबिक, यह लगातार तीसरा साल होगा जब निर्यात में बढ़ोतरी दर्ज होगी। इसका श्रेय अफ्रीकी मांग में सुधार और लैटिन अमेरिका व दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय कंपनियों के बढ़ते विस्तार को जाता है। पिछले वित्त वर्ष 26 में निर्यात 23 प्रतिशत बढ़कर 51.8 लाख वाहनों के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जिसने वित्त वर्ष 22 का पिछला रिकॉर्ड पीछे छोड़ा। वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में भी 37 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ यह रफ्तार जारी रही। इंड-रा का मानना है कि यह वृद्धि चक्र लंबे समय तक चलेगा। भारतीय निर्माताओं ने भौगोलिक मौजूदगी और वितरण नेटवर्क मजबूत किए हैं, साथ ही बाजार के अनुरूप वाहन भी पेश किए हैं। कोलंबिया, मेक्सिको और ब्राजील जैसे नए बाजार अब शीर्ष 10 निर्यात गंतव्यों में शामिल हैं, जिससे उद्योग की अफ्रीका पर निर्भरता घटी है। अफ्रीका के मुख्य बाजारों में भी महंगाई घटने और विदेशी मुद्रा उपलब्धता बढ़ने से मांग बढ़ रही है। नाइजीरिया जैसे प्रमुख बाजारों में सुधार दिखने लगा है। श्रीलंका द्वारा आयात पाबंदियों में ढील देने से भी निर्यात को अतिरिक्त बढ़ावा मिल रहा है।

एशियाई बाजारों में तेजी के साथ कारोबार

मुंबई। एशिया-प्रशांत बाजारों में गुरुवार को अच्छी तेजी देखने को मिली। दक्षिण कोरिया का चश्हाश्ढ करीब 6 फीसदी उछल गया, जबकि जापान का निक्केई 225 करीब 1.3 फीसदी चढ़ा। अमेरिकी बाजारों में भी बुधवार को तेजी रही। डाओ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 0.22 फीसदी और एसएंडपी 500 0.21 फीसदी ऊपर बंद हुए। वहीं नैस्डैक कम्पो जिट में 0.16 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 628, निफ्टी 153 अंक उछला

मुम्बई। घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को तेजी लौटी। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इससे पिछले एक सप्ताह से जारी गिरावट थम गयी।

आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 628.04 अंक बढ़कर 77,537.72 पर और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 153.55 अंक या बढ़कर 24,231.85 पर बंद हुआ।

आज बीएसई में 2448 शेयर उछले जबकि 1876 शेयर गिरे जबकि 225 शेयरों में अंतर नहीं आया। आज निफ्टी में सबसे अधिक बढ़त वाले शेयरों में कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फाइनेंस, आईटीसी और श्रीराम फाइनेंस शामिल रहे जबकि गिरावट वाले शेयरों में हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा कंज्यूमर, इंटरग्लोब एविएशन और नेस्ले शामिल रहे। आज सभी सेक्टर के इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए; मीडिया इंडेक्स और रियल्टी इंडेक्स उछला , जबकि ऑटो, एफएमसीजी, फार्मा, आईटी, प्राइवेट बैंक और ईफ्रा इंडेक्स में बढ़त रही। निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में बढ़त रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार में गुरुवार को जोरदार वापसी देखने को मिली। सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान में खुले

और शुरुआती कारोबार में मजबूत बढ़त दर्ज की। सुबह सेंसेक्स 550 अंकों से अधिक उछलकर 77,400 के स्तर को पार कर गया, जबकि निफ्टी भी 24,200 के ऊपर कारोबार कर रहा था। । बाजार विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिकी बाजारों में तीन दिन की लगातार गिरावट के बाद आई रिकवरी और एशियाई बाजारों में व्यापक तेजी ने घरेलू बाजार के लिए सकारात्मक माहौल तैयार किया।

हालांकि, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें अभी भी बाजार के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं।

रुपया गिरावट के साथ 92.78 पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 2 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.75 पर बंद हुआ। वहीं इससे पहली आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.57 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद 95.56 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की बढ़त है। रुपया बुधवार को लगभग स्थिर कारोबार करता हुआ एक पैसे की मामूली बढ़त के साथ 95.73 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी की गिरावट के साथ 98.82 पर आ गया। अमेरिकी डॉलर में कमजोरी से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी कोष द्वारा लंबी अवधि के सरकारी बॉन्ड की पुनर्खरीद दोगुनी करने की घोषणा के बाद डॉलर सूचकांक मई के अंत के बाद के सबसे निचले स्तर पर आ गया। इससे अमेरिका में लंबी अवधि के बॉन्ड पर प्रतिफल दरें नीचे आईं और डॉलर की प्रतिफल संबंधी बढ़त कम हुई। इसके अलावा, फेडरल रिजर्व द्वारा आगे ब्याज दरों में बढ़ोतरी की उम्मीद कम होने से भी डॉलर पर दबाव है।

केकेआर ने बुकमाईशो में किया निवेश

भारतीय मनोरंजन क्षेत्र को मिलेगी नई उड़ान

नई दिल्ली। प्रमुख वैश्विक निवेश फर्म केकेआर ने भारत के सबसे बड़े ऑनलाइन टिकट प्लेटफॉर्म बुकमाईशो में अल्पमत हिस्सेदारी खरीदने का समझौता किया है। यह कदम भारतीय मनोरंजन उद्योग को एक महत्वपूर्ण बढ़ावा देगा और बुकमाईशो को अपनी अगली विकास यात्रा को तेज करने में मदद करेगा। इस रणनीतिक निवेश का मुख्य उद्देश्य कंपनी के लाइव एंटरटेनमेंट सेगमेंट का विस्तार और पूरे भारत में सेवाओं को मजबूत करना है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, केकेआर लगभग 4-5 करोड़ डॉलर में बुकमाईशो की 6ब हिस्सेदारी ले रही है। 2007 में बिग्ट्री एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्थापित बुकमाईशो, 700 से अधिक शहरों में भारत का अग्रणी मनोरंजन गंतव्य है। केकेआर का यह निवेश भारत के तेजी से बढ़ते मनोरंजन क्षेत्र और बुकमाईशो की भविष्य की क्षमता में उसके गहरे विश्वास को दर्शाता है। कंपनी मानती है कि बढ़ती खर्च क्षमता, विशाल युवा आबादी और विश्व स्तरीय लाइव अनुभवों की मांग इस वृद्धि को और गति देगी। इस सौदे के लिए एवेंडस कैपिटल ने वित्तीय सलाहकार के रूप में और ट्राइलीगल ने कानूनी सलाहकार के रूप में काम किया। केकेआर में एक ` हिस्सेदार ने इस निवेश पर टिप्पणी करते हुए कहा` कि बुकमाईशो भारत में बेहतरीन मनोरंजन अनुभव देने में अग्रणी रही है। हम इसके विकास में सहयोग करके खुश हैं, जो भारत के आउट-ऑफ-होम मनोरंजन क्षेत्र में एक नए अध्याय की शुरुआत करेगा।

खाद्य ब्रांड्स ने एफएसएसएआई के आदेश पर 100 फीसदी शुद्धता के दावे हटाए

एमवे, इमामी समेत छह कंपनियों ने पैकेजिंग, लेबल व विज्ञापनों से हटाए भ्रामक दावे

नई दिल्ली। उपभोक्ताओं को गुमराह करने वाले भ्रामक दावों पर भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने सख्ती दिखाते हुए एमवे इंडिया, इमामी और बॉन बिस्किट्स सहित छह बड़ी खाद्य कंपनियों को अपने उत्पादों की पैकेजिंग, लेबल और विज्ञापनों से 100 प्रतिशत जैसे शब्दों को हटाने का निर्देश दिया है। नियामक के हस्तक्षेप के बाद इन कंपनियों ने सुधारात्मक कदम उठाए हैं। एफएसएसएआई ने खाद्य कारोबार परिचालकों (एफबीओ) को 100 प्रतिशत जैसे भ्रामक दावे इस्तेमाल करने से रोकने का निर्देश दिया था, क्योंकि ऐसे दावे अक्सर उत्पादों की वास्तविक गुणवत्ता या सामग्री को सही ढंग से नहीं दर्शाते।

एफएसएसएआई के मुताबिक, बॉन बिस्किट्स ने अपने बॉन क्यूमिन फ्लेवर जीरा बाइट बिस्किट्स से यह दावा हटा दिया है, जबकि इमामी लिमिटेड ने झंडू शहद और एपिस इंडिया ने अपने शहद उत्पादों से ऐसे दावे हटाए हैं। एमवे इंडिया एंटरप्राइजेज ने अपने

100 प्रतिशत शुद्ध नारियल तेल के दावे को पैकेजिंग और प्रचार सामग्री से स्वेच्छा से हटा लिया है और पुराने स्टॉक की बिक्री भी रोक दी है। इसके अतिरिक्त, केरल की जुजा फूड्स ने अपने विभिन्न बेबी फूड उत्पादों से और मास्टरचॉव फूड्स प्राइवेट लिमिटेड ने रैमेन नूडल से भी 100 प्रतिशत के दावे हटा दिए हैं।

पुराने वाहन मालिकों को राहत! सरकार ई10 पेट्रोल वापस लाने पर कर रही विचार

ई20 से प्रभावित पुराने वाहनों के लिए समाधान पर विचार, तेल कंपनियों से चर्चा शुरू

नई दिल्ली। केंद्र सरकार पुराने वाहन मालिकों को राहत देने के लिए मौजूदा ई20 पेट्रोल के साथ, ई20 अनुकूल न होने वाले वाहनों के लिए ई10 पेट्रोल को फिर से बाजार में लाने की संभावना पर विचार कर रही है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन के सुझाव के बाद इस मुद्दे पर तेल कंपनियों से शुरुआती बातचीत शुरू हुई है। यह कदम खासकर उन लाखों पुराने वाहनों को ध्यान में रखकर उठाया जा रहा है जो ई20 के लिए डिज़ाइन नहीं हुए हैं। भारत ने तय समय से पहले 20 फीसदी इथेनॉल मिश्रण (ई20) का लक्ष्य हासिल कर इसे प्रमुख ईंधन बनाया है। हालांकि, इससे पुराने कार और दोपहिया वाहन मालिकों में चिंताएं बढ़ी हैं। उनका कहना है कि ई20 पेट्रोल से उनके वाहनों का माइलेज कम हो सकता है और इंजन में दीर्घकालिक परेशानियां पैदा हो सकती हैं। इसी वजह से श्व10 पेट्रोल को एक वैकल्पिक ईंधन के तौर पर फिर से उपलब्ध कराने की मांग तेज हुई है। सरकार के सामने सबसे बड़ी

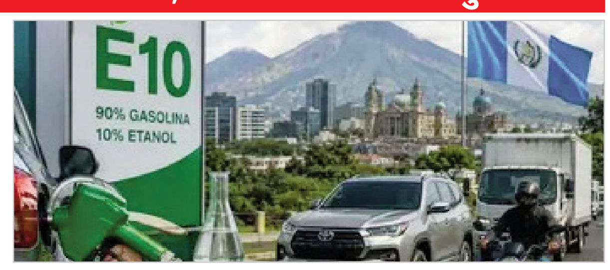

चुनौती ई10 और ई20 दोनों ग्रेड के ईंधन के लिए अलग से आपूर्ति और वितरण व्यवस्था बनाना है। पेट्रोल पंपों पर अतिरिक्त भंडारण क्षमता और परिवहन नेटवर्क का प्रबंधन एक महंगा और जटिल काम हो सकता है, जिसे सरकार पहले भी स्वीकार कर चुकी है। अधिकारियों का मानना है कि कम इथेनॉल मिश्रण वाला ई10 पुराने वाहनों के लिए बेहतर विकल्प है और इंजन के पुर्जों को नुकसान नहीं पहुंचाएगा।

एलआईसी अब एचडीएफसी बैंक में बढ़ा सकेगा 9.99 फीसदी तक हिस्सेदारी

मौजूदा 4.11 फीसदी हिस्सेदारी को बढ़ाकर लगभग 10 फीसदी तक ले जाने का रास्ता साफ

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बीमाकर्ता भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से एक महत्वपूर्ण मंजूरी मिली है। आरबीआई ने एलआईसी को निजी क्षेत्र के दिग्गज एचडीएफसी बैंक में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 9.99 प्रतिशत तक करने की अनुमति दे दी है। इस खबर के सामने आते ही गुरुवार को एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 1 फीसदी से अधिक का उछाल दर्ज किया गया। एचडीएफसी बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि आरबीआई ने 19 अगस्त 2026 के पत्र के जरिए एलआईसी को यह मंजूरी दी है। वर्तमान में एलआईसी के पास बैंक की कुल शेयर पूंजी का 4.11 प्रतिशत हिस्सा है। इस अनुमति से एलआईसी अब अपनी हिस्सेदारी को बढ़ाकर 9.99 प्रतिशत तक कर सकेगा। एलआईसी ने इसके लिए आरबीआई के पास आवेदन किया था। यह मंजूरी कुछ नियामक शर्तों के अधीन है, जिनमें बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949, आरबीआई के निर्देश, विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा), 1999 और सेबी के नियम शामिल हैं। एलआईसी देश के सबसे बड़े संस्थागत निवेशकों में से एक है, इसलिए यह मंजूरी काफी अहम है।

सरकार ने चीनी स्टॉक सीमा घटाई, अब 15 दिन ही रख सकेंगे डीलर

1 सितंबर से लागू होगा नया नियम, जमाखोरी पर लगेगी रोक

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में चीनी की लगातार बढ़ती कीमतों और आगामी त्योहारी सीजन में संभावित भारी मांग के मद्देनजर सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब थोक डीलर और बड़े खरीदार 15 दिन से ज्यादा चीनी का स्टॉक अपने पास नहीं रख सकेंगे। यह सख्त नियम 1 सितंबर से लागू होकर 30 नवंबर तक प्रभावी रहेगा, जिसका मुख्य उद्देश्य बाजार में चीनी की उपलब्धता सुनिश्चित करना और उसकी कीमतों को नियंत्रण में रखना है। भारत दुनिया में चीनी का सबसे बड़ा उपभोक्ता है, और गणेश चतुर्थी, दशहरा व दिवाली जैसे बड़े त्योहारों के कारण अगस्त से नवंबर के बीच चीनी की मांग अपने चरम पर होती है। इस अवधि में न सिर्फ घरों में बल्कि बिस्कुट, मिठाई और अन्य खाद्य कंपनियां भी भारी मात्रा में चीनी खरीदती हैं। ऐसे में, सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि बाजार में पर्याप्त चीनी उपलब्ध रहे और जमाखोरी के कारण कीमतों में अनावश्यक वृद्धि न हो। पहले भी सरकार ने स्टॉक रखने की सीमा 30 दिन की थी, लेकिन कीमतों में तेजी जारी रहने के बाद अब इसे और घटाकर 15 दिन कर दिया गया है। यह नियम उन डीलरों पर लागू होगा जो एक महीने में 10 मीट्रिक टन से ज्यादा चीनी का कारोबार या इस्तेमाल करते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक महीने में चीनी की कीमतें करीब 10 प्रतिशत बढ़ी हैं और रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, मौजूदा औसत एक्स-मिल कीमत 5,400-5,500 रुपये प्रति क्विंटल है, जो एक साल पहले 3,900 रुपये थी। वहीं खुदरा बाजार में भी ग्राहकों को इसका असर दिख रहा है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के मुताबिक, 18 अगस्त को चीनी की औसत खुदरा कीमत 52.30 रुपये प्रति किलो थी, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 46.34 रुपये थी, यानी सालाना आधार पर लगभग 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। नई फसल का सीजन 1 अक्टूबर से शुरू होगा, लेकिन शुरुआती स्टॉक को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। अनुमान है कि नए सीजन की शुरुआत में लगभग 40-42 लाख टन चीनी उपलब्ध होगी, जबकि देश की घरेलू जरूरत करीब 50 लाख टन रहने का अनुमान है। कुछ इलाकों में कम बारिश से गन्ने की फसल प्रभावित होने की खबर भी उत्पादन को लेकर चिंता बढ़ा रही है

पाकिस्तान ने अमेरिका से किया 10 अरब डॉलर की मदद का अनुरोध

पारंपरिक ऋण से हटकर बाजार को सकारात्मक संकेत देने का प्रयास, वार्ता जारी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अपनी विदेशी मुद्रा स्थिति को मजबूत करने और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों का भरोसा जीतने के लिए अमेरिका से 10 अरब डॉलर की एक्सचेंज स्टैबिलाइजेशन सपोर्ट फैसिलिटी का अनुरोध किया है। वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने एक साक्षात्कार में यह जानकारी दी, जिसमें बताया गया कि अमेरिकी वित्त मंत्रालय से बातचीत जारी है, हालांकि अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है। औरंगजेब ने स्पष्ट किया कि यह पहल पारंपरिक ऋण या कर्ज हासिल करने के बजाय विदेशी मुद्रा स्थिरता को मजबूत करने और वैश्विक पूंजी बाजारों को सकारात्मक संकेत देने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि यह देश को बाजार में जाने में मदद करेगा। पाकिस्तान हाल के वर्षों में बाहरी भुगतान दबावों का सामना कर रहा है और 2023 में डिफॉल्ट के करीब पहुंच गया था, लेकिन आईएमएफ और द्विपक्षीय साझेदारों की मदद से बच गया। देश फिलहाल 7 अरब डॉलर के आईएमएफ कार्यक्रम पर काम कर रहा है। वित्त मंत्री ने बताया कि यह कदम मित्र देशों से अल्पकालिक कर्ज पर निर्भरता कम करके लंबी पुनर्भुगतान अवधि वाले बाजार-आधारित वित्तपोषण की ओर बढ़ने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। सरकार अपनी संप्रभु रेटिंग सुधारने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के साथ भी काम कर रही है, जिसका लक्ष्य कम से कम बी प्लस रेटिंग हासिल करना है। बेहतर रेटिंग से पाकिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजारों से कर्ज लेना आसान और सस्ता होगा। इस्लामाबाद को सितंबर के अंत तक अमेरिका से इस अनुरोध पर प्रतिक्रिया मिलने की उम्मीद है।

एसबीआई ने बल्क एफडी पर घटाई ब्याज दरें, छोटी अवधि के निवेश पर असर

3 करोड़ या उससे अधिक की जमा राशि पर प्रभाव, रिटेल एफडी दरें अपरिवर्तित

नई दिल्ली स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने 3 करोड़ रुपये या उससे अधिक की घरेलू बल्क टर्म डिपॉजिट (एफडी) पर ब्याज दरों में कटौती की घोषणा की है, जो अब प्रभावी हो चुकी हैं। यह बदलाव मुख्य रूप से छोटी अवधि की जमाओं को प्रभावित करेगा, जबकि 3 करोड़ रुपये से कम की सामान्य रिटेल एफडी अपरिवर्तित रहेंगी। बैंक ने 7 से 179 दिनों की बल्क एफडी पर ब्याज दर में 25 बेसिस पॉइंट (0.25 फीसदी) और 180 से 210 दिनों की अवधि वाली एफडी पर 10 बेसिस पॉइंट (0.10 फीसदी) की कटौती की है। हालांकि, 211 दिन से 10 साल तक की लंबी अवधि वाली बल्क एफडी दरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिससे इन अवधियों के निवेशकों को राहत मिलेगी। यह कटौती वरिष्ठ नागरिकों की बल्क एफडी पर भी लागू होगी, जहां समान अवधि (7-210 दिन) के लिए ब्याज दरों में समान कमी की गई है। नई दरें ताजा जमा के साथ-साथ परिपक्वता के बाद होने वाले नवीनीकरण पर भी प्रभावी होंगी। निवेशकों को ध्यान देना चाहिए कि बल्क एफडी को समय से पहले निकासी पर एक फीसदी की पेनल्टी लागू होगी। यह स्पष्ट किया गया है कि 3 करोड़ रुपये से कम की सामान्य एसबीआई रिटेल एफडी पर इन बदलावों का कोई असर नहीं पड़ा है। सामान्य ग्राहकों के लिए रिटेल एफडी की ब्याज दरें 3.05 फीसदी से 6.40 फीसदी तक और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 3.55 फीसदी से 7.05 फीसदी तक बनी हुई हैं।

शेयर बाजार में अंतिम दौर का खेल, सेबी ने पकड़ी 3.68 करोड़ की सेंसेक्स हेराफेरी

क्लोजिंग ऑक्शन सेशन में नकली ऑर्डर लगाकर सेंसेक्स को हिलाया, एफएंडओ से कमाए करोड़ों

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शेयर बाजार में एक बड़ी हेराफेरी का पर्दाफाश किया है। 13 अगस्त को सेंसेक्स की एक्सपायरी के दिन, दो कंपनियों - कॉन्फॉल मॉरीशस इन्वेस्टमेंट और मानसी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकिंग - ने नए क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) का इस्तेमाल कर सेंसेक्स के अंतिम भाव को जानबूझकर प्रभावित करने की कोशिश की।

सेबी की जांच में सामने आया है कि इस सुनियोजित चाल से उन्हें वायदा और विकल्प (एफएंडओ) कारोबार में लगभग 3.68 करोड़ रुपये का अवैध फायदा हुआ। सीएएस एक 20 मिनट का अंतिम सत्र होता है, जिसमें शेयरों का क्लोजिंग भाव तय होता है, जिसका सीधा असर सेंसेक्स पर पड़ता है। सेबी के मुताबिक, कॉन्फॉल ने सेंसेक्स में शामिल शेयरों में करीब 126 करोड़ रुपये के खरीद ऑर्डर लगाए, जो बाजार भाव से लगभग 3 फीसदी अधिक थे।

इन बड़े ऑर्डरों से सेंसेक्स में कुछ ही सेकंड में सैकड़ों अंकों का उछाल आया। हालांकि, आश्चर्यजनक रूप से, बड़े ऑर्डर लगाने के बाद इनमें से 98.12 करोड़ रुपये के ऑर्डर रद्द कर दिए गए। एक मौके पर सेंसेक्स सिर्फ 2 सेकंड में 362 अंक और 28 सेकंड में 405 अंक तक ऊपर-नीचे हुआ। दूसरी ओर, मानसी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकिंग ने ठीक उल्टा खेल खेला। इसने सेंसेक्स के 8 शेयरों में 12.65 लाख शेयरों के बड़े बिक्री ऑर्डर बाजार भाव से काफी नीचे लगाए। इन ऑर्डरों का उद्देश्य शेयरों के संभावित अंतिम भाव को नीचे का दबाव बनाना था। कॉन्फॉल की तरह, मानसी ने भी बाद में इन बड़े बिक्री ऑर्डरों को रद्द कर दिया। सेबी का मानना है कि इन कंपनियों का मकसद शेयर खरीदना-बेचना नहीं, बल्कि सेंसेक्स के अंतिम भाव को अपनी सुविधा अनुसार ऊपर-नीचे करके एफएंडओ सौदों से लाभ कमाना था, खासकर एक्सपायरी के दिन जब अंतिम स्तर बेहद महत्वपूर्ण होता है।

सेबी ने कॉन्फॉल द्वारा कमाए गए 2.96 करोड़ रुपये और मानसी द्वारा कमाए गए 71.65 लाख रुपये के कथित गलत फायदे का अनुमान लगाया है। इस खुलासे के बाद बाजार नियामक ऐसे जोड़तोड़ पर पैनी नजर रख रहा है।

बदलती सामाजिक संवेदनाओं में वृद्धों को चाहिए उजाले

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस

ललित गर्ग

भारत की पारंपरिक संस्कृति में वृद्ध व्यक्ति परिवार के मुखिया, मार्गदर्शक और अनुभव के भंडार माने जाते थे। संयुक्त परिवार में उनकी भूमिका केवल निर्णय लेने तक सीमित नहीं थी, बल्कि वे परिवार की स्मृति, परंपरा और संस्कारों के जीवंत केंद्र होते थे। लेकिन तेजी से बदलती जीवनशैली, महानगरीय संस्कृति, रोजगार के लिए पलायन, छोटे परिवारों की प्रवृत्ति, उपभोक्तावाद और बढ़ती व्यक्तिवादी सोच ने इस व्यवस्था को बदल दिया है। आज कई वृद्ध अपने ही घर में रहते हुए भी भावनात्मक रूप से अकेले हैं।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस समाज के अंतर्मन को झकझोरने एवं वृद्धों की त्रासद स्थितियों पर सोचने को विवश करता है कि जिन हाथों ने परिवार की नींव रखी, जिन कंधों ने बच्चों के भविष्य का भार उठाया और जिन अनुभवों ने जीवन की अनेक कठिन राहों को पार करने में अगली पीढ़ियों का मार्गदर्शन किया, उन्हीं वृद्ध माता-पिता को जीवन के अंतिम पड़ाव में अकेलापन, उपेक्षा, असुरक्षा और अपमान क्यों झेलना पड़ रहा है? निश्चित ही कहीं-न-कहीं हमारी सामाजिक संवेदना कमजोर हुई है। जिस समाज में बुजुर्गों का सम्मान सहज संस्कार होना चाहिए था, वहां उनके अधिकारों और सुरक्षा के लिए अलग से दिवस मनाना हमारी सामूहिक आत्मचिंता का विषय है। भारत तेजी से वृद्ध होती आबादी की ओर बढ़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 के अनुसार 2050 तक भारत की आबादी में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत हो सकती है; यानी हर पांच भारतीयों में लगभग एक वरिष्ठ नागरिक होगा। यह केवल जनसांख्यिकीय परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक व्यवस्था के सामने आने वाली एक बड़ी चुनौती है। अधिक उम्र तक जीना मानव सभ्यता की उपलब्धि है, लेकिन यदि लंबी आयु के साथ अकेलापन, बीमारी, आर्थिक असुरक्षा और भावनात्मक उपेक्षा जुड़ जाए तो दीर्घ जीवन वरदान के बजाय बोझ जैसा अनुभव होने लगता है।

भारत की पारंपरिक संस्कृति में वृद्ध व्यक्ति परिवार के मुखिया, मार्गदर्शक और अनुभव के भंडार माने जाते थे। संयुक्त परिवार में उनकी भूमिका केवल निर्णय लेने तक सीमित नहीं थी, बल्कि वे परिवार की स्मृति, परंपरा और संस्कारों के जीवंत केंद्र होते थे। लेकिन तेजी से बदलती जीवनशैली, महानगरीय संस्कृति, रोजगार के लिए पलायन, छोटे परिवारों की प्रवृत्ति, उपभोक्तावाद और बढ़ती व्यक्तिवादी सोच ने इस व्यवस्था को बदल दिया है। आज कई वृद्ध अपने ही घर में रहते हुए भी भावनात्मक रूप से अकेले हैं। उनके पास रहने को छत है, लेकिन संवाद के लिए कोई अपना नहीं; परिवार है, लेकिन समय नहीं; संतान है, लेकिन अपनापन कम होता जा रहा है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिस वृद्ध ने जीवनभर परिवार को अपने केंद्र में रखा, सेवानिवृत्ति के बाद वही परिवार उसे अपने केंद्र से बाहर करने लगता है। नौकरी में रहते हुए जिस व्यक्ति की सलाह महत्वपूर्ण थी, नौकरी से मुक्त होते ही उसकी उपयोगिता जैसे समाप्त मान ली जाती है।

वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या इसी बदलती सामाजिक संरचना का संकेत है। हर वृद्धाश्रम दुख की कहानी नहीं है; कुछ स्थानों पर वे अकेले और असहाय वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षा और देखभाल का महत्वपूर्ण माध्यम भी हैं। लेकिन जब वृद्धाश्रम उन माता-पिता का अंतिम ठिकाना बन जाए जिन्हें सक्षम संतान केवल इसलिए घर से दूर कर देती है कि वे आधुनिक जीवन की सुविधाओं के बीच ह्यअसुविधाह्ल बन गए हैं, तब प्रश्न केवल परिवार का नहीं, पूरे समाज के संस्कारों का बन जाता है। संपत्ति अपने नाम कराने के बाद माता-पिता से दूरी बना लेना, उनकी बीमारी को बोझ समझना या उन्हें केवल घरेलू जिम्मेदारियों के लिए उपयोग करना ऐसी प्रवृत्तियां हैं, जिन पर समाज को गंभीर आत्ममंथन करना चाहिए। यह भी सच है कि वृद्धावस्था की समस्या केवल युवाओं की संवेदनहीनता से पैदा नहीं होती। वरिष्ठ नागरिकों को भी बदलते समय के साथ स्वयं को बदलना होगा। नई पीढ़ी की स्वतंत्रता, निजी निर्णय और जीवनशैली को समझना होगा। अनावश्यक हस्तक्षेप से बचते हुए अपने अनुभव को आदेश नहीं, मार्गदर्शन के रूप में प्रस्तुत करना होगा। उम्र बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन मन का बूढ़ा हो जाना अनिवार्य नहीं। वरिष्ठ नागरिक यदि सामाजिक गतिविधियों, अध्ययन, सेवा, आध्यात्मिकता, सामुदायिक कार्यक्रमों और रचनात्मक कार्यों से जुड़े रहें तो उनका जीवन अधिक सक्रिय, सार्थक और आनंदपूर्ण बन सकता है। सुप्रीम कोर्ट का कल आया फैसला बुजुर्गों के लिए कानूनी संजीवनी की तरह है जिसमें न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि यदि संतान माता-पिता की देखभाल और भरण-पोषण की जिम्मेदारी निभाने में विफल रहती है, तो वरिष्ठ नागरिकों की संपत्ति और सम्मान की रक्षा के लिए कानून के तहत बच्चों को उस संपत्ति से बेदखल करने का रास्ता खुला है।

सरकार की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। विशेष रूप से 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को आय की परवाह किए बिना आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवरेज देना एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार के अनुसार अक्टूबर 2024 में शुरू हुए इस विस्तार से लगभग छह करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य है; जून 2026 तक योजना के अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए कवरेज का दायरा इसी दिशा में आगे बढ़ाया गया है। इसी प्रकार अटल वयो अभ्युदय योजना का उद्देश्य केवल वृद्धों को आश्रय देना नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा, आवास, सक्रिय एवं उत्पादक वृद्धावस्था, कौशल, परिवहन तथा पीढ़ियों के बीच संबंधों को मजबूत करना भी है। योजना में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहायता, वृद्धाश्रम, सहायक उपकरण, सक्रिय वृद्धावस्था और अनुभव आधारित रोजगार जैसे पहलुओं को भी शामिल किया गया है। ये प्रयास महत्वपूर्ण हैं, लेकिन सरकारी योजनाओं की सफलता अंततः उनके अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी पहुंचने पर निर्भर करती है। पेंशन, स्वास्थ्य सुविधा, डिजिटल सेवाओं और कानूनी संरक्षण को अधिक सरल, सुलभ और स्थानीय स्तर पर प्रभावी बनाना अभी भी आवश्यक है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए आर्थिक सुरक्षा जितनी जरूरी है, उससे कहीं अधिक जरूरी भावनात्मक सुरक्षा है। पैसा दवा खरीद सकता है, लेकिन अकेलेपन का उपचार नहीं कर सकता। अस्पताल शरीर का इलाज कर सकता है, लेकिन उपेक्षा से घायल मन का उपचार परिवार का प्रेम ही कर सकता है। इसलिए वृद्ध कल्याण को केवल सरकारी योजना या पेंशन के दायरे में नहीं देखा जा सकता। परिवार को यह समझना होगा कि वृद्ध माता-पिता को केवल भोजन और दवा नहीं चाहिए; उन्हें बातचीत चाहिए, सम्मान चाहिए, निर्णयों में सहभागिता चाहिए और यह भरोसा चाहिए कि वे परिवार के लिए अब भी महत्वपूर्ण हैं। आज की युवा पीढ़ी को यह बात विशेष रूप से समझनी होगी कि माता-पिता का वर्तमान हमारे भविष्य का संकेत है। जो व्यवहार हम आज अपने वृद्ध माता-पिता के साथ करेंगे, आने वाला समय उसी व्यवहार को हमारे सामने खड़ा करेगा। आज हम युवा हैं, कल हम वृद्ध होंगे। आज जिन आंखों को हम अनदेखा कर रहे हैं, कल उन्हीं जैसी आंखों में हमारी अपनी संतानों के व्यवहार का प्रतिबिंब दिखाई दे सकता है। इसलिए वृद्धों की सेवा दया नहीं, कर्तव्य है; उनका सम्मान उपकार नहीं, संस्कार है।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस की वास्तविक सार्थकता तभी होगी जब यह एक दिन का आयोजन न रहकर जीवन की स्थायी दृष्टि बने। परिवार में सप्ताह में एक दिन नहीं, प्रतिदिन संवाद हो; समाज में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सक्रिय सामुदायिक मंच हों; स्थानीय संस्थाएं उन्हें ज्ञान, अनुभव और सेवा के अवसर दें; सरकार स्वास्थ्य, पेंशन और सुरक्षा की व्यवस्थाओं को मजबूत करे और युवा पीढ़ी अपनी सोच में परिवर्तन लाए। वृद्धावस्था जीवन की संध्या है, लेकिन संध्या का अर्थ अंधेरा नहीं होता। वह दिनभर की यात्रा के बाद सुनहरी रोशनी का समय भी हो सकती है। आवश्यकता केवल इतनी है कि परिवार उस रोशनी को बुझने न दे। हमारे वृद्ध जीवन के बीते हुए पन्ने नहीं, आने वाली पीढ़ियों के लिए अनुभव की खुली किताब हैं। यदि हम उनके अंतिम वर्षों को भय, अकेलेपन और उपेक्षा से भर देंगे तो हम केवल उनके साथ अन्याय नहीं करेंगे, बल्कि अपनी सभ्यता और संस्कारों को भी कमजोर करेंगे। इसलिए आज संकल्प होना चाहिए-वृद्धों के जीवन में अंधेरा नहीं, सम्मान का उजाला हो; अकेलापन नहीं, अपनापन हो; उपेक्षा नहीं, सहभागिता हो और शेष जीवन बोझ नहीं, आनंद एवं गरिमा का उत्सव बने। यही विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस का वास्तविक संदेश और हमारी सबसे बड़ी सामाजिक जिम्मेदारी है।

संपादकीय

अस्पताल में खौफ

कोई भी अस्पताल बीमार व अशक्त लोगों के जीवन की अंतिम किरण होती है। एक विश्वास का प्रतीक कि वहां से स्वस्थ होकर लौटेंगे। तरह-तरह के रोगों से पीड़ितों का अस्पताल पर भरोसा होता है कि वहां पहुंचकर उनका जीवन सुरक्षित हो जाएगा। लेकिन यदि किसी अस्पताल में उपचार के लिये गई महिला के साथ जांच के नाम पर दुराचार हो और वीभत्स कृत्य उसे मौत के मुंह में धकेल दे तो इससे ज्यादा व भयावह कुछ नहीं हो सकता। यह घटना लाखों मजबूर-बीमार लोगों तथा महिलाओं के भरोसे को तोड़ती है, जब यह पता चलता है कि वीभत्स घटना एक सरकारी अस्पताल में हुई है। हरियाणा के पानीपत स्थित अस्पताल के सीटी स्कैन रूम में एक 58 साल की महिला के साथ हुए दुराचार और उसके बाद रोहतक के पीजीआईएमएस में उपचार के दौरान उसकी मौत ने लाखों लोगों के भरोसे को भी तोड़ा है। निस्संदेह, कानून अपना काम करेगा, पुलिस की जांच अपराधी को सख्त दंड दिलाने में मददगार होगी, लेकिन इस घटना ने संस्थागत सुरक्षा इंतजामों की चिंताजनक नाकामी को एक बार फिर से उजागर कर दिया है। सबसे अधिक विचलित करने वाली बात यह है कि आरोपी पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तरह अस्पताल की सीटी स्कैन और एमआरआई यूनिट चलाने वाली एक प्राइवेट कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड के तौर पर काम करता था। लेकिन सवाल यह उठता है कि वह कथित तौर पर सीटी स्कैन टेक्नीशियन का काम कैसे कर रहा था? निस्संदेह, सरकारी अस्पताल के अंदर इस तरह से दायित्वों की भूमिका में बदलाव होना व्यवस्था की ऐसी नाकामियों की तरफ इशारा करता है, जो किसी व्यक्ति के कुकृत्य से कहीं अधिक आगे की बात है। निस्संदेह, यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना अस्पताल व अन्य सार्वजनिक संस्थानों में देख-रेख, कॉन्ट्रैक्ट की शर्तों के पालन और जवाबदेही को लेकर विचलित करने वाले सवाल खड़े करती है। ऐसा प्रतीत होता है कि अस्पतालों में मरीजों की सुरक्षा के बुनियादी नियम-कानून एक साथ निरर्थक हो गए हैं। सवाल यह है कि पहले ही रोगों, शारीरिक जीर्णता, मानसिक तनावों से गुजर रहे लोगों की सुरक्षा हेतु क्या कोई कायदे-कानून नहीं हैं? उनकी सुरक्षा महज राम भरोसे है? सरकारी अस्पतालों में मरीजों को कितने धक्के खाने पड़ते हैं और पक्की नौकरी वालों का आमतौर पर मरीजों से व्यवहार कैसा होता है, वह सर्वविदित है। पीड़िता के परिजनों ने आरोप लगाया कि उन्हें मरीज के साथ स्कैन-रूम में नहीं जाने दिया गया। वहां कोई महिला स्टॉफ मौजूद नहीं थी। दुर्भाग्य से महिला मरीज को ऐसे व्यक्ति के भरोसे छोड़ दिया गया, जिसे वास्तव में वहां खड़े रहने का भी हक नहीं था। ये चिकित्सा प्रक्रिया की कोई मामूली चूक नहीं है। ऐसी खामी में शोषण का खतरा लगातार बना रहेगा। विगत में भी कई ऐसी घटनाओं ने पूरे देश का ध्यान खींचा, जहां महिलाओं के साथ यौन हिंसा हुई। वर्ष 1973 में मुंबई के केईएम अस्पताल में नर्स अरुणा शानबाग के साथ जानलेवा यौन-हिंसा हुई थी। इसी तरह की कोलकाता के आरजीकर मेडिकल कालेज की दुखद घटना, जिसमें यौन हिंसा से मेडिकल की छात्रा की मौत हुई थी। विडंबना यह कि घटना का जमकर राजनीतिक दोहन तो होता है, लेकिन लोगों का गुस्सा कम होते ही सुधार के वायदे भी हवा हो जाते हैं। एक बार फिर पानीपत की दुखद घटना ने बताया है कि हमारे नीति-नियंताओं की याददाश्त बहुत कमजोर होती है। निश्चित रूप से पानीपत में हुई वीभत्स घटना को महज एक अपराध की दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इस घटना के मद्देनजर मरीजों की सुरक्षा से जुड़े नीतिगत फैसलों में बदलाव लाया जाना चाहिए। ऐसे अस्पताल व सार्वजनिक सेवा केंद्रों से जुड़े, प्रत्येक आउटसोर्स किए गए विकल्पों की समीक्षा की जानी चाहिए। तैनात कर्मचारियों की कारगुजारियों-भूमिकाओं का सत्यापन किया जाना चाहिए। अस्पतालों में सीसीटीवी कवरेज का दायरा विस्तृत व मजबूत किया जाना चाहिए। साथ ही अनिवार्य रूप से सुरक्षाकर्मियों की तैनाती का प्रोटोकॉल लागू किया जाना जरूरी है। महत्वपूर्ण यह कि सार्वजनिक-निजी भागीदारी में जवाबदेही से बचने का मौका नहीं दिया जाना चाहिए। ध्यान रहे कि स्वास्थ्य सेवा में उपचार के साथ लोगों के भरोसे को बनाये रखना भी अनिवार्य शर्त है।

सूक्ति

जो आप खुद पसंद नहीं करते उसे दूसरों पर भी थोपिए।
कन्फ्यूशियस
स्वतः कुछ नहीं होता सब कुछ करना पड़ता है।
जै. एफ. कैनेडी

सुधारगृह नहीं अपराधियों के अभयारण्य में तब्दील होते कारागार

मनोज कुमार अग्रवाल

भारतीय जेल अब सुधारगृह से अधिक अपराधियों के स्वच्छंद अभ्यारण्य में तब्दील हो रहीं हैं देश की विभिन्न जेलों में भ्रष्टाचार, अवैध वसूली और नियमों के उल्लंघन के कई गंभीर मामले लगातार सामने आते रहे हैं, जो जेल प्रशासन की सुरक्षा और ईमानदारी पर बड़े सवाल खड़े करते हैं। इन मामलों में रसूखदार कैदियों को वीआईपी सुविधाएं देने से लेकर मोबाइल फोन और प्रतिबंधित सामग्री पहुंचाने तक के रैकेट शामिल हैं। जेलों में फैले भ्रष्टाचार के मामले देश भर में फैली अव्यवस्था को उजागर करता है वही अपराध नियंत्रण में भी अड़चन पैदा करता है यदि अपराधी को जेल में भी घर जैसा आरामदायक माहौल मिलेगा तो उसके लिए जेल ही सुरक्षित आवास बन जाएगा।

आपको याद दिला दें जेल में भ्रष्टाचार का सुकेश चंद्रशेखर मामला तिहाड़ जेल, दिल्ली से जुड़ा हुआ है जेल इतिहास का सबसे बड़ा रिश्वत कांड, जहां महाठग सुकेश ने जेल के भीतर से करोड़ों रुपये की ठगी की और बदले में करीब 80 से अधिक जेलकर्मियों को करोड़ों रुपये की रिश्वत दी।

तिहाड़ जेल जबरन वसूली रैकेटः हाल ही में सीबीआई ने तिहाड़ जेल के निलंबित अधिकारियों औरि कैदियों पर मामला दर्ज किया, जो कैदियों के परिवारों से ऑनलाइन यूपीआई और पेटीएम के जरिए लाखों की अवैध वसूली कर रहे थे। वहीं बेउर जेल कांड पटना, बिहार ने भी जेलों में व्याप्त भ्रष्टाचार का खुलासा कर दिया। पटना की बेउर जेल में संगठित भ्रष्टाचार और नियमों की धज्जियां उड़ाने की खबर सामने आने के बाद सरकार ने जेल अधीक्षक समेत 7 अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया।

मेरठ जेल और महाराष्ट्र की जेलों से जुड़े मामले भी बेहद शर्मनाक स्थिति को बयान करते हैं। उत्तर प्रदेश की मेरठ जेल और महाराष्ट्र की ठाणे व तलोजा जेलों में कैदियों द्वारा अवैध रूप से मोबाइल फोन इस्तेमाल करने और परिजनों से मुलाकात के बदले पैसे ऐंठने के कई स्टिंग ऑपरेशन और वीडियो साक्ष्य सामने आ चुके हैं। हमारी जेलों में एक ऐसा दुष्चक्र चल रहा है जैसे कि ये जेलें न होकर गैस्ट हाऊस बन गई हों। जहां इनके स्टाफ को मुंह मांगी रकम देकर कोई भी सुविधा हासिल की जा सकती है। इसमें टी.वी., मोबाइल फोन या नशा और डाक्टरी जांच के बहाने सैर-सपाटा आदि सब कुछ शामिल है, जिसकी पिछले कुछ समय में आइ सुर्खियों पर नजर डालिए

26 मई,2025जयपुर (राजस्थान) की सेंट्रल जेल में सजा काट रहे 5 कैदियों ने एस. एम.एस. अस्पताल में मैडीकल चैकअप के लिए मंजूरी ली थी, परंतु जेल कर्मचारियों की मिली भगत से इनमें से 4 कैदी डाक्टर के पास जाने की बजाय एक होटल में अपनी-अपनी पत्नियों या प्रेमिकाओं के साथ कुछ खाते-पीते और घूमते-फिरते मिले।यह सैर-सपाटा 25,000 रुपयों में तय किया गया था तथा कैदियों के साथ गए कांस्टेबलों को 5000-5000 रुपए देने का वादा किया गया था।9 नवम्बर, 2025 को बेंगलुरु (कर्नाटक) की जेल से वायरल हुए एक वीडियो में 20 महिलाओं से रेप व 18 हत्याओं के मामलों में दोषी ठहराए गए उमेश रैड्डी को जेल के अंदर 2 एंड्रॉयड व 1 की-पैड मोबाइल फोन इस्तेमाल करते हुए देखा गया। उसकी बैरक में टी.वी. भी लगा हुआ था। 29 नवम्बर, 2025 को लखनऊ (उत्तर प्रदेश) की गोसाईं गंज जेल से एक कैदी ऋषभ राय का मैडीकल करवाने निकले 4 पुलिस कर्मचारी उसे डाक्टर के पास लेकर जाने की बजाय शॉपिंग मॉल में घुमाने ले गए। इसकी सूचना उसके मित्रों और परिजनों को भी दी गई थी जो उससे मिलने उक्त शॉपिंग मॉल में पहुंच गए। ऋषभ उनके साथ घूमा-फिरा और खरीदारी भी की। इस सिलसिले में डिप्टी सुपरिंटैंडैंट राम सेवक के अलावा अनुज धामा, नितिन राणा तथा रामचंद्र प्रजापति को निलम्बित कर दिया गया।

16 मार्च, 2026 को करोड़ों रुपयों के सतारा ड्रग्स स्कैंडल के मामले में सोलापुर (महाराष्ट्र) जेल में बंद आरोपी फैजान शेख को मोबाइल फोन देने के आरोप में जेल के कांस्टेबल बालू चव्हाण को गिरफ्तार किया गया जिसने इसके बदले में 40,000 रुपयों से अधिक रकम ली थी।

28 मार्च, 2026 को अम्बिकापुर (छत्तीसगढ़) में मैडीकल कॉलेज अस्पताल के जेल वार्ड में हत्या के प्रयास के आरोप में बंद कैदी गुरबख्श सिंह को हर सुविधा उपलब्ध करवाने का मामला सामने आया।उसके परिजन मोबाइल लेकर अस्पताल के जेल वार्ड में आ-जा रहे थे तथा उसे घर का खाना और मिनरल वाटर तक उपलब्ध करवा रहे थे। इस सिलसिले में 2 जेल वार्डरों जयप्रकाश और लोकनाथ निषाद को निलम्बित किया गया।

17 जुलाई, 2026 को दिल्ली सरकार की एंटी करप्शन ब्रांच ने तिहाड़और रोहिणी जेलों के अंदर चल रहे एक संगठित उगराही और रिश्वत के रैकेट का पता चलने पर असिस्टैंट सुपरिंटैंडैंट, 6 जेल वार्डरों, 2 वकीलों तथा 2 अन्य प्राइवेट व्यक्तियों सहित कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार करके उनसे 1 लाख रुपए की रिश्वत की रकम बरामद की। 24 जुलाई, 2026 को चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) जिला जेल से वायरल हुए 3 वीडियो में अनेक कैदी जेल के अंदर आराम से भोजन करते, नशा करते, नाचते और एंड्रॉयड मोबाइल से सैल्फी वीडियो बनाते दिखाई दिए।

3 अगस्त, 2026 को बुड़ैल जेल चंडीगढ़ में बंद 661 करोड़ रुपयों के बैंक घोटाले के सरगना विक्रम वधवा को अस्पताल में चैकअप के बाद 2 पुलिस कर्मियों द्वारा एक होटल में लेकर जाने का पता चला जहां जमकर पार्टी चली। वहां विक्रम वधवा की पत्नी, रिश्तेदार व बेटे भी मौजूद थे।

इसका पता चलते ही डी.एस.पी. लाइन पूनम दिलावरी ने होटल में छापा मार कर पुलिस कर्मियों और विक्रम वधवा को काबू कर सैक्टर 17 थाना पुलिस के हवाले कर दिया, जहां विक्रम वधवा, उसके बेटों कर्ण व कुणाल वधवा के विरुद्ध मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया।

और अब 4 अगस्त, 2026 को गोवा की कोलवाले जेल में बंद कुछ कैदियों को जेल कर्मचारियों की शह पर मोबाइल चार्जिंग, इंटरनैट एक्सैस, टी.वी. कनैक्शन, शराब व मांसाहारी भोजन की होटलों जैसी सुविधाएं देने पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने जेल प्रशासन को कड़ी फटकार लगाई।

इस प्रकार के मामलों का सामने आना निश्चय ही भारतीय जेलों में व्याप्त भ्रष्टाचार कुव्यवस्था का ज्वलंत उदाहरण है जिसे रोकने के लिए कठोर प्रशासकीय कदम उठाने की सख्त जरूरत है।

राष्ट्रभक्ति जगाने का मंत्र है वन्देमातरम्

डॉ. वन्दना सेन

'वन्देमातरम्' केवल दो शब्दों का उद्घोष नहीं है। यह भारत की आत्मा से निकला वह स्वर है, जिसमें मातृभूमि के प्रति श्रद्धा, समर्पण, गौरव और राष्ट्रभक्ति का भाव एक साथ अभिव्यक्त होता है। जिस भूमि ने हमें जन्म दिया, जिसने हमें अन्न, जल, वायु और जीवन प्रदान किया, उसके प्रति सम्मान प्रकट करना प्रत्येक नागरिक का स्वाभाविक और नैतिक कर्तव्य है। इसलिए ह्यवन्देमातरम्ह्ल को किसी राजनीतिक दल, विचारधारा के चश्मे से देखना उसके व्यापक राष्ट्रीय अर्थ को सीमित करना होगा।

भारत की स्वतंत्रता-चेतना के इतिहास में 'वन्देमातरम्' का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। स्वाधीनता आंदोलन के दौर में इसके उद्घोष ने असंख्य भारतीयों के भीतर राष्ट्रभक्ति की ऐसी लौ प्रज्वलित की, जिसने विदेशी शासन के विरुद्ध संघर्ष को नई ऊर्जा प्रदान की। यह केवल गीत नहीं रहा; यह राष्ट्रीय जागरण का मंत्र बन गया था। इसके उच्चारण मात्र से लोगों के भीतर मातृभूमि के प्रति प्रेम और स्वतंत्रता के लिए संघर्ष का संकल्प जाग उठता था। यही कारण है कि 'वन्देमातरम्' भारतीय राष्ट्रीय चेतना के इतिहास में एक अमिट अध्याय के रूप में दर्ज है।

आज भी जब 'वन्देमातरम्' का स्वर वातावरण में गूँजता है तो उसके साथ देशभाव का उफान दिखाई देता है। विद्यालयों से लेकर सार्वजनिक समारोहों तक और स्वतंत्रता दिवस से लेकर राष्ट्रीय पर्वों तक, इसका उद्घोष लोगों को अपनी जड़ों और अपनी मातृभूमि से जोड़ता है। यह भाव किसी एक समुदाय, वर्ग या राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं हो सकता। भारत की विविधता में एकता की जो विराट भावना है, 'वन्देमातरम्' उसी भावना का सशक्त प्रतीक है।

विडंबना यह है कि जिस 'वन्देमातरम्' को भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान कांग्रेस ने भी स्वीकार किया और जिसके स्वर ने स्वतंत्रता संघर्ष को ऊर्जा दी, आज उसी के प्रति कांग्रेस के कुछ नेताओं की असहजता दिखाई देती है। प्रश्न स्वाभाविक है कि जो राष्ट्रगीत और राष्ट्रभाव कभी स्वतंत्रता संघर्ष के संकल्प का हिस्सा था, उसे आज राजनीतिक विवाद का विषय क्यों बनाया जा रहा है? यदि किसी राष्ट्रीय प्रतीक के प्रति सम्मान व्यक्त करने में संकोच होने लगे, तो यह केवल राजनीतिक मतभेद का विषय नहीं रह जाता, बल्कि राष्ट्रभाव की व्यापक अवधारणा पर प्रश्न खड़ा करता है।

स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व पर नई दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में 'वन्देमातरम्' के प्रसंग को लेकर दिखाई देने वाली असहजता ने भी अनेक प्रश्नों को जन्म दिया। राष्ट्रीय पर्वों का उद्देश्य राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को तीखा करना नहीं, बल्कि राष्ट्र की सामूहिक चेतना को मजबूत करना होना चाहिए। ऐसे अवसर पर दलगत सीमाएँ पीछे छूटनी चाहिए और भारत की एकता, अखंडता तथा गौरव सर्वोपरि होना चाहिए।

यहाँ एक और महत्वपूर्ण प्रश्न संविधान के संदर्भ में उठता है। यदि 'वन्देमातरम्' के सम्मान या उसके उद्घोष को लेकर कोई विधिक व्यवस्था अस्तित्व में आती है, तो उसका पालन करना प्रत्येक नागरिक और संस्था का संवैधानिक दायित्व होगा। संविधान केवल राजनीतिक सुविधा के अनुसार उद्धृत करने की वस्तु नहीं है। संविधान अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों की भी स्मृति कराता है। इसलिए जो राजनीतिक शक्तियाँ संविधान की रक्षा का दावा करती हैं, उन्हें संविधान की भावना और उसके अनुशासन का समान रूप से सम्मान करना चाहिए।

वस्तुतः राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रीय प्रतीक किसी दल की राजनीतिक पूँजी नहीं हैं। वे करोड़ों भारतीयों की सामूहिक भावनाओं के प्रतीक हैं। 'वन्देमातरम्' के संदर्भ में भी यही दृष्टि अपनाई जानी चाहिए। इसके साथ किसी प्रकार का राजनीतिक लाभ-हानि का गणित जोड़ना उचित नहीं है। राष्ट्रभक्ति को वोट की राजनीति से जोड़ना स्वयं राष्ट्रभाव को संकीर्ण करना है।

भारत की शक्ति उसकी विविधता में निहित है। यहाँ अनेक भाषाएँ हैं, अनेक पंथ और परम्पराएँ हैं, अनेक जीवन-पद्धतियाँ हैं, फिर भी भारत की पहचान एक है। इस एकता को मजबूत करने वाले प्रतीकों और भावनाओं का सम्मान करना आवश्यक है। 'वन्देमातरम्' इसी एकता का भावात्मक सूत्र है। यह हमें स्मरण कराता है कि हमारी पहली पहचान हमारी मातृभूमि से है और उसके सम्मान में व्यक्त किया गया स्वर किसी विभाजन का नहीं, बल्कि जुड़ाव का स्वर है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि 'वन्देमातरम्' को विवाद का विषय बनाने के बजाय उसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय महत्व को समझा जाए। यदि इसके उद्घोष से देशभक्ति का ज्वार पहले उठता था, तो आज भी उठ सकता है। यदि इसके स्वर ने स्वतंत्रता सेनानियों में त्याग और बलिदान की भावना जगाई थी, तो आज यह नई पीढ़ी में राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्यबोध जागृत कर सकता है। राष्ट्रभक्ति का अर्थ केवल नारे लगाना नहीं, बल्कि देश के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करना है। किंतु जब कोई नागरिक अपनी मातृभूमि के सम्मान में 'वन्देमातरम्' कहता है, तो उसके उस भाव को संदेह की दृष्टि से देखना भी उचित नहीं। राष्ट्र के प्रति श्रद्धा को राजनीति की संकीर्ण सीमाओं में बाँधना भारत की विशाल सांस्कृतिक चेतना के साथ न्याय नहीं होगा।

'वन्देमातरम्' इसलिए किसी राजनीतिक दल का विषय नहीं है। यह भारत की पहचान, मातृभूमि के प्रति श्रद्धा और राष्ट्रीय एकता का भावपूर्ण उद्घोष है। इसके स्वर में इतिहास की स्मृति भी है, स्वतंत्रता का संघर्ष भी, बलिदान की गाथा भी और भविष्य के भारत का संकल्प भी। आवश्यकता केवल इतनी है कि हम इसे राजनीति के विवाद से ऊपर उठाकर राष्ट्रभाव की दृष्टि से देखें। जब करोड़ों कंठ एक स्वर में कहते हैं–'वन्देमातरम्'–तो उसमें केवल शब्द नहीं होते, बल्कि एक राष्ट्र की आत्मा बोलती है।

(लेखिका वरिष्ठ स्तंभकार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप का दावा: 2020 चुनाव में 24 हजार गैर-नागरिकों ने डाला वोट; क्या जांच में और बढ़ेगा आंकड़ा

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव को लेकर एक बार फिर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी जनगणना ब्यूरो 2020 के मतदाता आंकड़ों को नागरिकता संबंधी जानकारी से मिलाकर जांच कर रहा है। ट्रंप ने दावा किया कि शुरुआती 12.8 करोड़ मतदाताओं की जांच में 24 हजार से ज्यादा गैर-नागरिकों ने अवैध तरीके से मतदान किया। ट्रंप ने कहा, जनगणना ब्यूरो ने 2020 के मतदाता आंकड़ों को उनके नागरिकता रिकॉर्ड से मिलाकर जांच शुरू कर दी है। पहले 128,000,000 मतदाताओं की जांच में जनगणना ब्यूरो ने साबित किया है कि 24 हजार से ज्यादा गैर-नागरिकों ने अवैध रूप से वोट किया। जनगणना ब्यूरो अब अगले 3.2 करोड़ मतदाताओं का विश्लेषण करने जा रहा है और यह संख्या बहुत बढ़ जाएगी। इससे पहले ट्रंप ने भारत की चुनाव व्यवस्था की तारीफ करते हुए कांग्रेस से सेव अमेरिका एक्ट पारित करने की अपनी मांग फिर दोहराई। ट्रुथ सोशल पर एक अन्य पोस्ट में ट्रंप ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ हाल की बातचीत का जिक्र किया और भारत में मतदाताओं के लिए फोटो पहचान पत्र के इस्तेमाल की बात कही। ट्रंप ने कहा, इस महीने की शुरुआत में भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने हमारे प्रशासन से पूछा- अमेरिका में वैध फोटो पहचान पत्र के बिना आप चुनाव कैसे करा सकते हैं उन्होंने भारत में हुए सबसे हाल के आम चुनाव का भी जिक्र किया और कहा- भारत के पिछले चुनाव में 646,000,000 मतदाता थे। 1 प्रतिशत से भी कम लोगों ने डाक से मतदान किया और हर एक मतदाता के पास एक वैध फोटो पहचान दस्तावेज होना जरूरी था।

जमात फैक्टर में उलझी बांग्लादेशी प्रधानमंत्री की भारत यात्रा; तीस्ता कितना बड़ा मसला

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेशी प्रधानमंत्री तारिक रहमान को सितंबर में वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया गया है। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से द्विपक्षीय यात्रा का निमंत्रण भी दिया गया है। ढाका अब तक इस यात्रा का फैसला नहीं कर पाया है। बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय का कहना है कि यात्रा के लिए अनुकूल माहौल बनना जरूरी है और शेख हसीना के प्रत्यर्पण का मुद्दा भी उठाया जा रहा है। लेकिन, असल मसला जमात-ए-इस्लामी फैक्टर से जुड़ा हुआ है। रहमान की दुविधा केवल यह नहीं है कि भारत से उन्हें क्या हासिल करना है। उन्हें यह भी देखना है कि भारत के साथ किसी बड़े मेलमिलाप की घरेलू राजनीतिक कीमत कितनी होगी। बांग्लादेश के हालिया आम चुनाव में जमात-ए-इस्लामी प्रमुख विपक्ष बनकर उभरा है। उसके पास 68 सीटें हैं और उसके अमीर शफीकुर रहमान विपक्ष के नेता हैं। इतनी मजबूत और संगठित इस्लामवादी ताकत को राजनीतिक रूप से नजरअंदाज करना आसान नहीं है। जमात भारत से संबंध तोड़ना नहीं चाहती है। पार्टी ने अपने चुनावी घोषणापत्र में भारत के साथ पारस्परिक सम्मान और निष्पक्षता के आधार पर संबंधों की बात की थी। समस्या भारत के साथ संबंधों की शर्तों और पुराने राजनीतिक अविश्वास की है।

ईरान के निशाने पर यूएई: दागी गईं दो बैलिस्टिक मिसाइलें, एक क्षेत्रीय जल में गिरी; रक्षा मंत्रालय ने खोला राज

दुबई, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की ओर मिसाइल खतरे को लेकर जारी अलर्ट के बाद देश के रक्षा मंत्रालय ने बड़ा दावा किया है। मंत्रालय के मुताबिक, एयर डिफेंस सिस्टम ने ईरान से यूएई की दिशा में दागी गईं दो बैलिस्टिक मिसाइलों का पता लगाया। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दोनों मिसाइलों में से पहली देश के क्षेत्रीय जल से बाहर जा गिरी, जबकि दूसरी मिसाइल यूएई के क्षेत्रीय जल में गिरी। मंत्रालय के बयान के मुताबिक, इस घटना के बाद भी देश की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सतर्क है। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में कहा कि वह हाई अलर्ट पर है और किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि देश की सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने वाली किसी भी कोशिश का मजबूती से सामना किया जाएगा। मंत्रालय के अनुसार, यूएई का उद्देश्य देश की संप्रभुता, सुरक्षा और स्थिरता को बनाए रखना है। साथ ही राष्ट्रीय हितों और क्षमताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कदम उठाने की तैयारी है।

रहमान के भारत दौरे को यादगार बनाना चाहते हैं पीएम मोदी; अधिकारियों को दिया गया निर्देश

ढाका, एजेंसी। भारत और बांग्लादेश के बीच रिश्तों में हालिया तनाव के बावजूद नई दिल्ली संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश कर रही है। भारतीय उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान का प्रस्तावित भारत दौरा यादगार हो। भारत ने आपसी भरोसे, व्यापार, निवेश और युवाओं के लिए अवसरों को द्विपक्षीय संबंधों का आधार बनाने पर जोर दिया है। हालांकि, शेख हसीना के प्रत्यर्पण और उनके भारत से दिए गए हालिया मीडिया संदेश को लेकर दोनों देशों के बीच मतभेद अब भी बड़ी चुनौती बने हुए हैं।

रहमान के स्वागत को लेकर पीएम मोदी का भरोसा : राजदूत की ये बातें मंगलवार को ऐसे समय में सामने आईं, जब 12-13 सितंबर को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली में रहमान के प्रस्तावित दौरे को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। यह अनिश्चितता ढाका की ओर से अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग को लेकर भारत और बांग्लादेश के बीच पैदा हुई नई तल्खी के कारण है। द बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, त्रिवेदी ने मंगलवार को भारतीय उच्चायोग की ओर से बांग्लादेश के प्रमुख कारोबारी नेताओं और कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री के प्रतिनिधिमंडल के लिए आयोजित एक स्वागत समारोह में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का संदेश था कि दोनों नेताओं को मुलाकात करनी चाहिए।

मोदी चाहते हैं दौरा बने यादगार : बैठक के दौरान राजदूत त्रिवेदी ने भरोसा दिलाया कि भारत दौरे के दौरान पीएम रहमान का उचित और सम्मानजनक स्वागत किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने बस एक बात कही। हमें मिलना चाहिए। और आप मेरी तरफ से उन्हें बता सकते हैं कि उन्हें भारत के प्रधानमंत्री का भरोसा है कि जब बांग्लादेश के प्रधानमंत्री भारत आएंगे, तो उनका वैसा ही सम्मानजनक स्वागत होगा, जिसके वे हकदार हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों नेताओं के बीच मजबूत संबंधों से अंततः दोनों पड़ोसी देशों के लोगों और कारोबारियों को फायदा मिलेगा। इस अंतर को पाटने में दुनिया भर के व्यापारियों की बड़ी भूमिका है।

अतीत के मतभेदों को सुलझाकर आगे बढ़ने की अपील : त्रिवेदी ने कहा कि दोनों देशों को भविष्य की ओर देखते हुए अतीत के मतभेदों को सुलझाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं कह रहा कि आप अतीत को भूल जाएं, लेकिन अतीत को ध्यान में रखते हुए पुराने मतभेदों को सुलझाएं। और आगे बढ़ें। एक जगह न रुकें। जीवंत लोकतंत्रों के बीच मतभेद होना स्वाभाविक है और बातचीत तथा आपसी जुड़ाव के जरिए उन्हें सुलझाया जा सकता है। हम बांग्लादेश के भाइयों और बहनों की चिंताओं को अच्छी तरह समझते हैं। लेकिन यह बराबरी की साझेदारी है।

रिश्तों की बुनियाद है आपसी भरोसा : उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के बीच टिकाऊ रिश्तों के लिए आपसी विश्वास बेहद जरूरी होगा। किसी भी लंबे समय तक चलने वाले रिश्ते की नींव आपसी और बिना शर्त भरोसा होती है। भारत की नेबरहुड फर्स्ट नीति पर जोर देते हुए त्रिवेदी ने कहा कि दोनों देशों के रिश्तों में कुछ मुश्किलें जरूर आई हैं, लेकिन इन मुश्किलों को व्यापक द्विपक्षीय संबंधों को कमजोर करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

हसीना को लेकर फिर बढ़ी भारत-बांग्लादेश की तल्खी : 5 अगस्त को नई दिल्ली से हसीना की वर्चुअल मीडिया बातचीत के बाद हाल के दिनों में दोनों देशों के रिश्तों में आई तल्खी के बीच रहमान की प्रस्तावित भारत यात्रा का मुद्दा अहम हो गया है। बांग्लादेश ने इस मीडिया बातचीत पर नाराजगी जताते हुए कहा कि कार्यक्रम से वहां के लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं और इसका भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने की कोशिशों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हसीना से जुड़े इस मीडिया कार्यक्रम में उसकी कोई भूमिका नहीं थी और वह उस मंच पर बांग्लादेश सरकार के बारे में कही गई किसी भी बात का समर्थन नहीं करता है।

हसीना के प्रत्यर्पण को लेकर जारी है गतिरोध : अगस्त 2024 में छात्रों के हिंसक विरोध-प्रदर्शनों के बाद हसीना को सत्ता से हटा दिया गया था और वह भारत आ गई थीं। नवंबर 2025 में बांग्लादेश की एक विशेष ट्रिब्यूनल ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान कथित ÷मानवता के खिलाफ अपराधों÷ के लिए उन्हें उनकी गैर-मौजूदगी में मौत की सजा सुनाई। इसके बाद से ढाका लगातार भारत से हसीना के प्रत्यर्पण की मांग कर रहा है। वहीं, नई दिल्ली का कहना है कि प्रत्यर्पण के अनुरोध की जांच लागू कानूनों और स्थापित कानूनी प्रक्रियाओं के तहत की जा रही है।

पिया डांडिया ने फ्लोरिडा में डेमोक्रेटिक पार्टी का प्राइमरी चुनाव जीता; अब किससे होगा मुकाबला

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल की अमेरिकी और स्कूल की पूर्व प्रिंसिपल पिया डांडिया ने फ्लोरिडा के 22वें कांग्रेस क्षेत्र के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी का प्राथमिक चुनाव जीत लिया है। अब नवंबर में होने वाले चुनाव में उनका मुकाबला रिपब्लिकन पार्टी के कैसी असकर से होगा। कैसी असकर पूर्व नौसैनिक हैं। डांडिया को 68.6 फीसदी मत मिले। उन्होंने वकील कायसिया अर्ली को हराया, जिन्हें 31.4 फीसदी मत मिले।

पिया डांडिया ने क्या कहा : डांडिया ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, फ्लारिडा-22, इस अभियान पर विश्वास करने के लिए धन्यवाद। मैं अपने छात्रों, अपने बेटे और इस जिले में बड़े हो रहे हर उस बच्चे के लिए चुनाव में उतरी, जो बेहतर भविष्य का हकदार है। उन्होंने कहा, साथ मिलकर हम खर्च कम करने, भ्रष्टाचार खत्म करने और वॉशिंगटन को फिर से हमारे लिए काम करने वाला बनाने के अभियान को आगे बढ़ाएंगे। मैं आप सभी के साथ यह करने के लिए आभारी हूं। डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी (डीएनसी) ने प्राथमिक चुनाव में डांडिया की जीत पर उन्हें बधाई दी। कमेटी ने एक बयान में कहा, एक शिक्षिका और अपने समुदाय में लंबे समय से नेतृत्व करने वाली पिया ने लोगों के लिए नए अवसर बढ़ाने और कामकाजी परिवारों के लिए लड़ने के लिए खुद को समर्पित किया है। वह दक्षिण फ्लोरिडा के परिवारों के लिए किराने का सामान, स्वास्थ्य सेवाओं और घर की लागत कम करने के लिए कांग्रेस में लड़ने के लिए तैयार हैं। बयान में कहा गया, डीएनसी पिया को जिताने, इस सीट को पलटने और नवंबर में सदन में बहुमत वापस लाने में मदद करने के लिए तैयार है।

पहले किस सीट से चुनाव लड़ना चाहती थीं डांडिया : भारत से अमेरिका जाकर बसे माता-पिता की बेटी डांडिया ने इससे पहले फ्लोरिडा के 21वें जिले से रिपब्लिकन पार्टी के ब्रायन मास्ट को चुनौती देने की कोशिश की थी। ब्रायन मास्ट विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष हैं। हाई स्कूल की पूर्व प्रिंसिपल डांडिया बाद में दक्षिण फ्लोरिडा के 22वें जिले में चली गईं। यह सीट चुनावी क्षेत्र के नए परिसीमन में बनाई गई थी और यहां कोई मौजूदा सांसद चुनाव मैदान में नहीं था।

27 साल अमेरिका में रहीं, ग्रीन कार्ड भी था; फिर भी भारतीय मूल की महिला हिरासत में, क्यों हुई कार्रवाई

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारतीय मूल की वेंकटा वसमसेट्टी को अमेरिकी इमिग्रेशन एवं कस्टम्स एन्फोर्समेंट यानी आईसीई ने हिरासत में लिया है। वसमसेट्टी वर्ष 1999 में अमेरिका गई थीं और करीब 27 साल से वहीं रह रही थीं। वर्ष 2013 से वह ग्रीन कार्ड धारक हैं। इसके बावजूद उनके खिलाफ निर्वासन की कार्रवाई शुरू हुई थी।

परिवार के लिए मामला इसलिए भी चौंकाने वाला है क्योंकि इमिग्रेशन कोर्ट कुछ महीने पहले ही उनके खिलाफ चल रहा निर्वासन मामला खारिज कर चुका था। मामले की शुरुआत वर्ष 2022 की एक यात्रा से जुड़ी है। वसमसेट्टी अपने बीमार माता-पिता की देखभाल के लिए भारत आई थीं। इसी दौरान वह कोविड से संक्रमित हो गईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के कारण उनकी अमेरिका वापसी में देरी हुई। वह करीब सात महीने बाद फरवरी 2023 में अमेरिका लौटीं। अमेरिकी सरकार ने लंबे समय तक अमेरिका से बाहर रहने को इस सवाल से जोड़ा कि क्या उन्होंने अमेरिका में अपना स्थायी निवास छोड़ दिया था। वसमसेट्टी के परिवार और उनकी कानूनी टीम का कहना है कि भारत में रहने के दौरान भी उनका अमेरिका से संबंध बना हुआ था। उनके मुताबिक, अमेरिका में उनका घर, नौकरी और पारिवारिक संबंध मौजूद थे। यानी भारत में लंबे समय तक रुकने के बावजूद उनका इरादा अमेरिका में अपना स्थायी निवास छोड़ने का नहीं था। इसी मामले में उनके खिलाफ निर्वासन की प्रक्रिया आगे बढ़ी थी।

वसमसेट्टी के वकील के अनुसार, सरकार तय समयसीमा में उनके खिलाफ जरूरी सबूत पेश नहीं कर सकी। इसके बाद 19 मई 2026 को इमिग्रेशन जज ने उनके खिलाफ चल रहा निर्वासन का मामला खारिज कर दिया। कानूनी टीम का कहना है कि इस फैसले के बाद भी वसमसेट्टी वैध स्थायी निवासी बनी रहीं। इसके बावजूद उन्हें आईसीई के साथ नियमित चेक-इन के लिए बुलाया जाता रहा। 11 अगस्त को वसमसेट्टी नॉर्थ कैरोलिना के शार्लोट स्थित आईसीई कार्यालय में नियमित चेक-इन के लिए पहुंचीं।

तय समय से पहले खत्म होगा अमेरिका-दक्षिण कोरिया का सैन्य अभ्यास; क्या है ट्रंप के फैसले की वजह

सिओल, एजेंसी। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच इस हफ्ते की शुरुआत में शुरू हुआ संयुक्त सैन्य अभ्यास उल्ची फ्रीडम शील्ड (यूएफएस) तय समय से पहले खत्म किया जाएगा। अभ्यास के तहत होने वाला मैदानी प्रशिक्षण भी कम किया जाएगा।

दक्षिण कोरिया की समाचार एजेंसी योनहाप ने सेना के हवाले से इसकी पुष्टि की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में इस सैन्य अभ्यास का आकार घटाने की बात कही थी, जिसके बाद यह घटनाक्रम सामने आया है। योनहाप के मुताबिक, दोनों देशों की सेनाओं ने सैन्य अभ्यास को शुक्रवार तक खत्म करने पर सहमति जताई है। इससे अभ्यास की अवधि करीब आधी रह जाएगी। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने एक बयान में यह जानकारी दी।

यूएफएस सैन्य अभ्यास 17 से 27 अगस्त तक चलने वाला था। ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के मुताबिक, सैन्य अभ्यास का एक अहम हिस्सा मैदानी प्रशिक्षण भी कुछ हद तक कम किया जाएगा। दोनों देशों की सेनाओं के बीच इसको लेकर बातचीत चल रही है। जल्द ही इसकी पूरी योजना तय की जाएगी। उन्होंने कहा, दक्षिण कोरिया और अमेरिका यूएफएस अभ्यास के उद्देश्यों को हासिल करने और दोनों देशों की सेनाओं की मजबूत संयुक्त रक्षा व्यवस्था बनाने के लिए आगे अलग-अलग कदमों पर चर्चा करने और उन्हें लागू करने पर सहमत हुए हैं। योनहाप के मुताबिक, अमेरिका और सिओल ने अभ्यास के दूसरे हिस्से को कथित तौर पर रद्द कर दिया है। इस हिस्से में दुश्मन के हमले के बाद जवाबी हमला करने की स्थिति का प्रशिक्षण होना था। समाचार एजेंसी ने बताया कि यूएफएस का मुख्य उद्देश्य उत्तर कोरिया से जुड़े संभावित खतरों से निपटने की तैयारी करना है। उसने यह भी बताया कि 2019 में ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान भी अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास के आकार को कम किया गया था। उस समय उत्तर कोरिया के साथ परमाणु मुद्दे पर बातचीत अपने सबसे अहम दौर में थी। इस बीच, सीएनएन ने दक्षिण कोरिया में तैनात अमेरिकी सेना के एक प्रवक्ता के हवाले से बताया कि इस साल के सैन्य अभ्यास को उत्तर कोरिया की बदलती सैन्य क्षमताओं के हिसाब से तैयार किया गया था। इसमें ड्रोन, जीपीएस व्यवस्था में रुकावट और साइबर हमलों से निपटने का प्रशिक्षण भी शामिल किया जाना था।

समुद्र के बाद जमीन पर भी रॉकेट की सफल वापसी; क्या स्पेसएक्स को टक्कर देने की तैयारी में चीन

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने पहली बार किसी रॉकेट के पहले हिस्से को जमीन पर सफलतापूर्वक वापस उतार लिया है। सरकारी मीडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। चीन अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए इस तकनीक को विकसित कर रहा है। जमीन पर रॉकेट के पहले हिस्से को वापस उतारना चीन की पहली सफल कोशिश है। लेकिन रॉकेट के किसी हिस्से को वापस हासिल करने की यह चीन की दूसरी सफलता है। इससे पहले जुलाई में समुद्र में बने एक प्लेटफॉर्म पर रॉकेट के हिस्से को सफलतापूर्वक वापस उतारा गया था। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले रॉकेट झूके-3 को बुधवार सुबह छोड़ा गया। इसके बाद रॉकेट के पहले हिस्से को सफलतापूर्वक वापस उतार लिया गया।

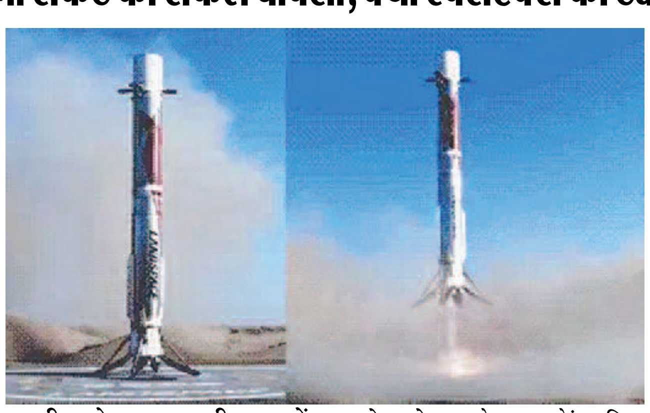

चीन ने यह तकनीक क्यों विकसित की : एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स और जेफ बेजोस की कंपनी ब्लू ओरिजिन 2015 से रॉकेटों को वापस उतार रही हैं। इससे रॉकेट के उन हिस्सों को दोबारा इस्तेमाल करके अंतरिक्ष में उपग्रह और दूसरे सामान भेजने की लागत कम करने में मदद मिली है, जिन्हें पहले इस्तेमाल के बाद फेंक दिया जाता था। शिन्हुआ ने बताया कि बुधवार को रॉकेट को वापस उतारते समय चीन ने पहली बार खुलने वाले लैंडिंग पैर का इस्तेमाल किया। एजेंसी ने इसे चीन की दोबारा इस्तेमाल होने वाले रॉकेट की तकनीक में एक बड़ी सफलता बताया।

समुद्र में कैसे वापस लाया गया था रॉकेट : 10 जुलाई को लॉन्ग मार्च-10बी रॉकेट का पहला हिस्सा उड़ान भरने के बाद दूसरे हिस्से से अलग हो गया था। इसके बाद वह समुद्र में बने एक प्लेटफॉर्म पर वापस आया था। उस समय रॉकेट को जाल से पकड़ने वाली व्यवस्था का इस्तेमाल करके वापस हासिल किया गया था। इसके अगले दिन, 11 जुलाई को जापान ने दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले एक प्रयोगात्मक रॉकेट की पहली परीक्षण उड़ान की। रॉकेट ने उड़ान भरने के बाद सुरक्षित तरीके से वापस जमीन पर उतरने में सफलता हासिल की। जापान भी रॉकेट को दोबारा इस्तेमाल करने वाली तकनीक हासिल करने की कोशिश कर रहा है। इसका मकसद अंतरिक्ष में रॉकेट भेजने की लागत कम करना और दुनिया के अंतरिक्ष बाजार में दूसरी बड़ी ताकतों से मुकाबला करना है।

ट्रेड वॉर की कगार पर अमेरिका-कनाडा ट्रंप की डेडलाइन से बढ़ी हलचल; क्या आखिरी वक्त में झुकेंगे कार्नी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और कनाडा के बीच टैरिफ विवाद को खत्म करने के लिए बातचीत निर्णायक दौर में पहुंच गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार दोपहर 12:01 बजे तक समझौता होने की समयसीमा तय की है। समझौता नहीं होने पर कनाडा से आने वाले करीब 20 अरब डॉलर के सामान पर 50त्र टैरिफ लगाने की धमकी दी गई है। इनमें हॉकी स्टिक, टंग डिप्रेशर समेत कई उत्पाद शामिल हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और ट्रंप पिछले दो दिनों में दो बार फोन पर बात कर चुके हैं। कार्नी ने बातचीत को गहन और नाजुक बताया है और कहा है कि फिलहाल इसके बारे में सार्वजनिक रूप से ज्यादा चर्चा करना उचित नहीं है। दोनों पक्ष आखिरी समय में किसी समझौते तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।

दशकों पुराना व्यापार विवाद : अमेरिका और कनाडा के बीच व्यापार को लेकर विवाद नया नहीं है। दोनों देश सॉफ्टवुड लकड़ी, डेयरी बाजार और अन्य उत्पादों के व्यापार को लेकर लंबे समय से मतभेद रखते आए हैं। इसके बावजूद दोनों करीबी सहयोगी और महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार बने हुए हैं।

सीमा पार कारोबार बेहद अहम त्र करीब 5,525 मील लंबी दोनों देशों की सीमा से रोजाना लगभग 3.3 लाख लोग और करीब 2 अरब डॉलर का सामान गुजरता है। कनाडा के कुल माल निर्यात का लगभग 72त्र अमेरिका जाता है। इसलिए किसी बड़े व्यापार युद्ध का असर दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ सकता है।

ट्रंप का बदला हुआ रुख : ट्रंप का मौजूदा रुख पारंपरिक अमेरिकी-कनाडाई संबंधों से काफी अलग है। उन्होंने कनाडाई उत्पादों पर कई टैरिफ लगाए हैं और कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने जैसी टिप्पणियां भी की हैं। इन नीतियों से कनाडा में अमेरिका के प्रति नाराजगी बढ़ी है और सरकार पर ट्रंप के सामने कड़ा रुख अपनाने का दबाव है।

अमेरिका की प्रमुख मांगें : मौजूदा बातचीत में अमेरिका चाहता है कि कनाडा ज्यादा अमेरिकी सैन्य उपकरण खरीदे, जिनमें स्न-35 लड़ाकू विमान भी शामिल हैं। अमेरिका गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम में कनाडा की भागीदारी और महत्वपूर्ण खनिजों तक बेहतर पहुंच भी चाहता है। इसका उद्देश्य चीन से मिलने वाली रणनीतिक खनिज आपूर्ति पर अमेरिकी निर्भरता कम करना है।

दूसरी ओर कनाडा स्टील, एल्युमीनियम और सॉफ्टवुड लकड़ी पर लगाए गए अमेरिकी टैरिफ में राहत चाहता है। अमेरिका का आरोप है कि कनाडाई सॉफ्टवुड उद्योग को सरकार की ओर से अनुचित सब्सिडी मिलती है। कनाडा के लिए बिना ठोस रियायत हासिल किए ट्रंप की मांगों को स्वीकार करना राजनीतिक रूप से भी मुश्किल है।

धारा 338 से बढ़ा दबाव : ट्रंप ने कनाडा पर दबाव बढ़ाने के लिए करीब एक सदी पुराने टैरिफ कानून का सहारा लिया है। उन्होंने 1930 के टैरिफ एक्ट की धारा 338 के तहत कनाडाई निर्यात के लगभग 5त्र हिस्से वाले उत्पादों पर 50त्र शुल्क लगाया है। ट्रंप का दावा है कि कनाडा अमेरिकी ऑटोमोबाइल, शराब और चीज के निर्यात के साथ भेदभाव करता है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब अमेरिका स्-मेक्सिको-कनाडा समझौते पर फिर से बातचीत की तैयारी कर रहा है।

टेक्सास में मुस्लिमों के खिलाफ बढ़ती नफरत से क्यों बढ़ी दहशत, बदलते माहौल में क्या है डर की वजह

टेक्सास, एजेंसी। टेक्सास में मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों का कहना है कि पिछले कुछ समय में उनके खिलाफ नफरती बयानबाजी और विरोध की घटनाएं बढ़ी हैं। डलास के आसपास के इलाकों में दक्षिणपंथी नेताओं की बयानबाजी ने इस चिंता को और बढ़ाया है। कई मुस्लिम परिवारों का कहना है कि वे बेहतर स्कूल, किफायती घर और मजबूत समुदाय की तलाश में टेक्सास आए थे, लेकिन अब बदलते माहौल को लेकर असुरक्षा महसूस कर रहे हैं।

गुलाम केहर को परिवार की चिंता क्यों सताने लगी : गुलाम केहर दो महीने पहले सुबह जल्दी उठकर टेक्सास के इविंग स्थित मस्जिद में नमाज पढ़ने गए थे। इसके बाद वह अमेरिकी तटरक्षक बल के महीनों लंबे अभियान में सेवाएं देने के लिए रवाना हुए। वह पहले भी ऐसे अभियानों में हिस्सा ले चुके थे, लेकिन इस बार घर से निकलते समय उन्हें परिवार की चिंता सता रही थी। उन्होंने ऐसी व्यवस्था करने की कोशिश की कि जरूरत पड़ने पर कनाडाई सीमा के पास मौजूद अपने तैनाती स्थल तक परिवार पहुंच सके।

मुस्लिम आबादी बढ़ने के साथ क्या बदला : टेक्सास में मुस्लिम आबादी पिछले वर्षों में बढ़ी है। डलास-फोर्ट वर्थ महानगर क्षेत्र में 2024 में मुस्लिम आबादी करीब 1.59 लाख बताई गई, जबकि एक दशक पहले यह संख्या लगभग 79 हजार थी। टेक्सास में मुस्लिमों की कुल संख्या तीन से पांच लाख के बीच होने का अनुमान है। राज्य की कुल आबादी में उनका हिस्सा करीब एक से दो प्रतिशत बताया जाता है। हालांकि, अमेरिका की जनगणना में धर्म से जुड़ा सवाल नहीं पूछा जाता, इसलिए सटीक संख्या उपलब्ध नहीं है।

क्या मुस्लिमों के खिलाफ राजनीति भी तेज हुई है : टेक्सास में कट्टरपंथी इस्लाम का विरोध लंबे समय से रिपब्लिकन राजनीति का हिस्सा रहा है। लेकिन मुस्लिम आबादी बढ़ने के साथ इस विरोध को लेकर बहस भी तेज हुई है। न्यूयॉर्क में जोहरान ममदानी के मेयर बनने और मिशिगन में सीनेट के लिए अब्दुल एल-सईद जैसे मुस्लिम नेताओं की राजनीतिक सफलता ने भी राष्ट्रीय स्तर पर इस समुदाय को लेकर चर्चा बढ़ाई है। मुस्लिम नेताओं का कहना है कि इससे राजनीतिक बयानबाजी का असर स्थानीय स्तर पर भी दिखाई दे रहा है।

टेक्सास सरकार पर क्या आरोप लगाए जा रहे हैं : मुस्लिम संगठनों का आरोप है कि मामला केवल नेताओं की बयानबाजी तक सीमित नहीं है। उनके मुताबिक, टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट और अटॉर्नी जनरल केन पैक्सटन जैसे नेताओं ने कुछ मुस्लिम संस्थाओं की जांच शुरू की है। एबॉट ने उन हवाईअड्डों की सरकारी फंडिंग रोकने की धमकी भी दी, जहां मुस्लिम यात्रियों के लिए वजू की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। इन कदमों को लेकर मुस्लिम समुदाय में चिंता बढ़ी है।

क्या धमकी और विरोध की घटनाएं भी सामने आई हैं : कुछ मामलों में मुस्लिम समुदाय के लोगों को सीधे धमकियों और विरोध का सामना करना पड़ा। ह्यूस्टन के एक इस्लामिक सेंटर को धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। कॉनरो में एक महिला ने एक किराने की दुकान पर मुस्लिम ग्राहकों से कथित तौर पर कहा कि इस राज्य या देश में उनका स्वागत नहीं है। मैककिने में एक मस्जिद के विस्तार से जुड़ी सिटी काउंसिल की बैठक में भी मुस्लिम विरोधी संदेश के साथ एक घटना सामने आई।

चुनावी बयानबाजी कितनी तीखी हो गई : हालिया चुनाव के दौरान रिपब्लिकन नेता बो फ्रेंच की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने भी विवाद खड़ा किया। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने लिखा कि वह तब तक चैन से नहीं बैठेंगे, जब तक हर मुस्लिम वहां से चला नहीं जाता। ऐसी बयानबाजी को मुस्लिम नेता गंभीर मान रहे हैं। उनका कहना है कि 9/11 के बाद लंबे समय में मुस्लिमों के खिलाफ नफरत का माहौल कम हुआ था, लेकिन अब उन्हें एक बार फिर वैसा ही माहौल लौटता दिखाई दे रहा है।

डलास-फोर्ट वर्थ महानगर क्षेत्र टेक्सास में मुस्लिम समुदाय के प्रमुख केंद्रों में से एक बन गया है। यहां दर्जनों मस्जिदें मौजूद हैं और कुछ नई मस्जिदों का निर्माण भी हो रहा है। तमाम मुस्लिम परिवार बेहतर शिक्षा, अपेक्षाकृत सस्ता घर और अपने समुदाय के बीच रहने के लिए यहां पहुंचे हैं। डेट्रॉयट से इविंग आए तम्मम अलवान का कहना है कि वे अच्छी जिंदगी की तलाश में यहां आए थे, लेकिन अब उन्हें लगता है कि वे मुश्किल स्थिति में फंस गए हैं। वैली रांच मस्जिद के मुस्लिम विद्वान डॉ. उमर सुलेमान का कहना है कि अमेरिकी संविधान धार्मिक सुरक्षा देता है।

80 फीसदी महिलाएं मां बनने के बाद खुद के प्रति खो देती हैं रुचि

जिम्मेदारी तरोताजा रहने की

जीवन के दूसरे हिस्से में महिलाएं शादी के बाद रुचि त्याग देती हैं क्योंकि वे पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ बच्चों के लालन-पालन में व्यस्त हो जाती हैं। उनके लिए बेहतर होगा कि वे कुछ समय अपनी व्यक्तिगत रुचियों के लिए भी निकालें। ऐसा करके वे फ्रेश बनी रह सकती हैं

हर नारी की सबसे बड़ी चाहत मां बनना होती है, लेकिन बहुत ही कम मां ऐसी हैं जो अपने बच्चों की जिम्मेदारियां निभाने के साथ-साथ रुचियों और सेहत के प्रति सजग होती हैं। हाल में हुए एक सर्वे की रिपोर्ट बताती है कि 80 प्रतिशत माताओं के पास अपनी रुचियों को विकसित करने के लिए समय ही नहीं होता। उनकी रुचियां घर-परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियों के तले दबकर रह जाती हैं। समाजशास्त्रियों का मानना है कि मां बनने के अरमान के पूरा होते ही महिलाएं अपने बच्चे की परवरिश में इतना व्यस्त हो जाती हैं कि उन्हें अपने घरेलू काम और बच्चे की खुशियों के अलावा खुद के बारे में सोचने का समय ही नहीं मिल पाता।

बदल जाती हैं प्राथमिकताएं

अधिकतर महिलाएं यह मानती हैं कि अगर वे अपने में ही बिजी रहने लगीं तो बच्चों और घर-परिवार की जिम्मेदारी पूरी हो ही नहीं सकती। उनके अनुसार बच्चों की खुशी अधिक अहमियत रखती है। इसके लिए उन्हें अपने फ्री टाइम से भी समझौता करना मंजूर है। डाइटीशियन्स के अनुसार अधिकतर महिलाओं की मां बनने के बाद प्राथमिकताएं बदल जाती हैं। खुद से ज्यादा बच्चे की फिक्र होती है। बच्चे की देख-रेख में उन्हें खुद के बारे में सोचने का समय ही नहीं मिल पाता या कह सकते हैं कि वे खुद भी अपनी रुचियों के लिए समय निकालने की कोशिश ही नहीं करतीं। यही कारण है कि वे अधिक तनावग्रस्त हो जाती हैं।

हाउसवाइफ कोमल का कहना है कि पहले मैं जॉब करती थी लेकिन अब मां बनने के बाद उनकी पहली प्राथमिकता परिवार है। इसके लिए वह अपनी हर खुशी को नजरअंदाज करने को भी तैयार हैं। उनका मानना है कि पहले वह किटी पार्टीज जॉइन करती थीं लेकिन अब तो दोस्तों के साथ भी मेलजोल करना कम कर दिया है।

काम में खुशी मिलती है

समाजशास्त्री मानते हैं कि हर इंसान को किसी न किसी काम को करने में खुशी मिलती है, जो उसे तनावमुक्त रखती है। अधिकतर माएं अपने परिवार में खुद को भूल ही जाती हैं। शुरू से चली आ रही धारणाओं में बह कर उनकी रुचियां दब जाती हैं। यही कारण है कि वे जल्दी तनाव में आ जाती हैं। एक महिला को परिवार की धुरी माना है। अगर वह खुद ही अपने प्रति सजग नहीं होगी तो परिवार को कैसे संभाल पाएगी। ऐसे में जरूरी है महिलाएं अपनी जिम्मेदारियों को निभाते हुए अपने लिए समय जरूर निकालें। मातृत्व सुख के बाद महिलाएं उसी में रम जाती हैं।

ऐसे निकालें समय

- थोड़ा सा समय अपनी हॉबी को विकसित करने के लिए जरूर निकालें।
- अपनी पसंदीदा फिल्में देखें।
- कभी-कभी अपनी पसंद की डिश भी बनाएं।
- सिंगिंग में रुचि है तो इस हुनर के लिए कुछ समय निकालें।
- पढ़ने का शौक रखती हैं तो अच्छे नॉवल व बुक पढ़ें।
- मनोरंजक गतिविधियों में हिस्सा लें।

रूप निखारें कुछ ऐसें

- नींबू के रस को चेहरे और शरीर पर 30 मिनिट तक लगाएं और फिर धूप में निकलें। यह एंटीटेनिंग लोशन की तरह काम करेगा।
- नींबू के रस और छिलके से हाथों को साफ करें। खुरदापन दूर होगा और हाथ चमक उठेंगे।
- जैतून के तेल की नाखूनों पर धीरे-धीरे मालिश करें। नाखून चमक जाएंगे।
- मुंहासे दूर करने के लिए लहसुन का रस लगाएं!
- कच्चे दूध का फाहा बंद आँखों पर रखें। आँखों की जलन, थकान दूर हो जाएगी।

यूं करें अपने बालों की देखभाल

- खूबसूरत और चमकदार बालों के लिए ज्यादा से ज्यादा पानी पीएं और खाने में हरी सब्जियों का सेवन करें। इसके लिए अपने भोजन में सलाद को जरूरी हिस्सा बनाएं। अंकुरित दालें जरूर लें।
- नियमित योग और एक्सरसाइज करें।
- अच्छी कंपनी के ही शैंपू, कंडिश्नर और तेल का उपयोग करें। हफ्ते में दो बार तेल से बालों की मालिश करें। किसी अच्छे सैलून में हेयर स्पा भी ले सकती हैं।
- हेयर कट और हेयर स्टाइल अपने फेस के अनुसार रखें।
- डैंड्रफ और त्वचा रोगों के लिए उचित उपचार करवाएं।
- नाश्ते में और रात को सोने से पहले एक गिलास दूध जरूर लें।

क्रेज बढ़ने लगा फुट स्पा का

करें फुट मसाज

पैरों को रिलैक्स करने के लिए फुट मसाज मददगार साबित हो सकती है। इससे पैर साफ भी हो जाते हैं और आपकी थकान भी दूर होती है। आप घर पर भी पैरों का पैडीक्योर कर सकते हैं। इसके लिए बाथ टब में गर्म पानी लें और उसमें लिक्विड सोप डालें। कुछ देर तक पानी में पैर रखें व इन्हें ब्रश से साफ करें। मार्केट में उपलब्ध स्क्रब का भी आप इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके बाद टॉवल से पोंछ कर कोल्ड क्रीम या नारियल का तेल लगाएं।

चेहरे की देखभाल के साथ-साथ जरूरी है आपके पैर भी खूबसूरत दिखें। महिलाएं अब पैरों को खूबसूरत बनाने के लिए फुट स्पा का सहारा ले रही हैं। ब्यूटी एक्सपर्ट्स बताते हैं कि जितना जरूरी हेयर स्पा या बॉडी स्पा है, उतना ही जरूरी है फुट स्पा। पैरों को ज्यादातर लोग नजर अंदाज करते हैं, लेकिन इनकी साफ-सफाई और रैग्यूलर देखभाल बेहद जरूरी है। फुट स्पा न केवल आपके पैरों को खूबसूरत बनाता है, बल्कि पैरों के दर्द से भी राहत दिलाता है।

ब्यूटी सैलून के साथ-साथ घर पर भी थोड़ा समय निकाल कर आप अपने पैरों की टैनिंग दूर कर सकते हैं और इन्हें सॉफ्ट व खूबसूरत बना सकते हैं। वुमन भास्कर ने फुट स्पा को लेकर शहर की ब्यूटी एक्सपर्ट्स से बात की और जाने पैरों की देखभाल के टिप्स :-

महीने में एक बार जरूर लें फुट स्पा : ब्यूटी एक्सपर्ट माया बताती हैं कि ज्यादातर महिलाएं अपने चेहरे की खूबसूरती को लेकर चिंतित रहती हैं, लेकिन अब कुछ समय से वे पैरों का भी ध्यान रखने लग गई हैं। बॉडी स्पा व हेयर स्पा की सर्विस के साथ-साथ अब फुट स्पा की भी डिमांड बढ़ रही है। 200 रुपए से लेकर 1100 रुपए के अफोर्डेबल रेट्स पर फुट स्पा लिया जा सकता है। महीने में कम से कम दो बार फुट स्पा जरूर करवाना चाहिए। साथ ही पैडीक्योर भी बेहद जरूरी है, ताकि पैरों से डेड स्किन निकल सके और पैर साफ दिखें।

गर्मी में कूल इफैक्ट : सैलून ओनर मनीषा बताती हैं कि कुछ महिलाओं को पैरों में गर्माहट महसूस होती है। इसके लिए उनको सैलून पर फुट आइस वर्क स्पा दिया जाता है। इसके अलावा अलग-अलग तरह के स्पा जैसे डीटैन, चॉकलेट फुट स्पा, फुट हील स्पा उपलब्ध है। मनीषा बताती हैं कि कई महिलाओं को क्रैक हील्स की परेशानी ज्यादा होती है। ऐसे में फुट स्पा मददगार साबित होता है।

एंटी टैनिंग ब्लीच का करें इस्तेमाल: ब्यूटी एक्सपर्ट्स बताते हैं कि कम खर्च में भी घर पर रहकर पैरों की देखभाल की जा सकती है। इसके लिए मार्केट में कई तरह की एंटी टैनिंग ब्लीच उपलब्ध है। ब्यूटी एक्सपर्ट सुधा बताती हैं कि गर्मियों में टैनिंग ज्यादा होती है। शूज न पहनने के कारण महिलाओं के पैरों पर टैनिंग का ज्यादा इफैक्ट होता है। इसीलिए एंटी टैनिंग ब्लीच का हर 15 दिन में प्रयोग मददगार साबित हो सकता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-5-6-9

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-7

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। आत्मचिंतन करें। शुभांक-4-6-8

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

काकुरो पहेली - 2562

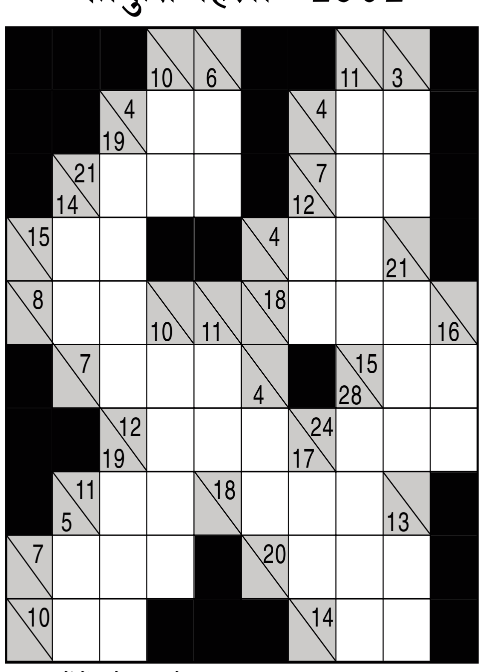

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

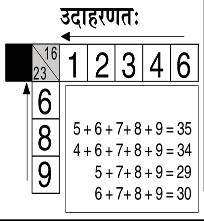

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 2561 का हल

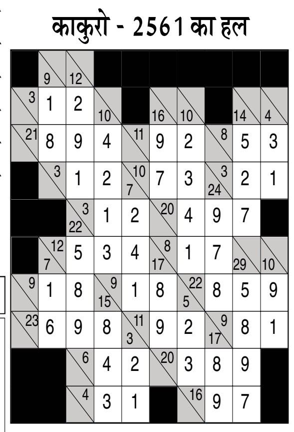

लॉफिंग ज़ोन

कर्नल के नौकर से किसी ने पूछा, 'तुम्हारे कर्नल साहब का मकान एकदम नाले के सामने है. उमर से वह छत पर बिना मच्छरदानी लगाए सोते हैं. क्या मच्छर उन्हें काटते नहीं?'

नौकर बोला, 'वो क्या है कि कर्नल साहब शाम को इतनी ज्यादा शराब पी लेते हैं कि आधी रात तक तो मच्छरों के काटने का उन्हें होश ही नहीं रहता. आधी रात के बाद जब उन्हें होश आता है तब तक मच्छर इतने धुत हो चुके होते हैं कि उन्हें काटने का ही होश नहीं रहता.'

☺ ☺ ☺

जज (चोर से)-हां रामदीन, अदालत को बताओ कि तीन दिन से तुम बार-बार सुपर क्लॉथ हाउस का ही ताला क्यों तोड़ रहे थे?

चोर (जज से)-क्या बताऊं हुजूर पहले दिन तो मैं वहां अपनी बीवी के लिए साड़ी चुराने गया था, लेकिन मेरी चुराई साड़ियां उसे पसंद नही आई इसलिए दो दिन मुझे उन साड़ियों को बदलने जाना पड़ा.

☺ ☺ ☺

किरायेदार (मकान मालिक से)-जनाब, यह कैसा कमरा है? छत टपक रही है. कमरा तालाब बनता जा रहा है?

मकान मालिक - भैया, मैंने तो पहले ही बोल दिया था कि हर कमरे में पानी का माकूल इंतजाम है.

फिल्म वर्ग पहेली - 2562

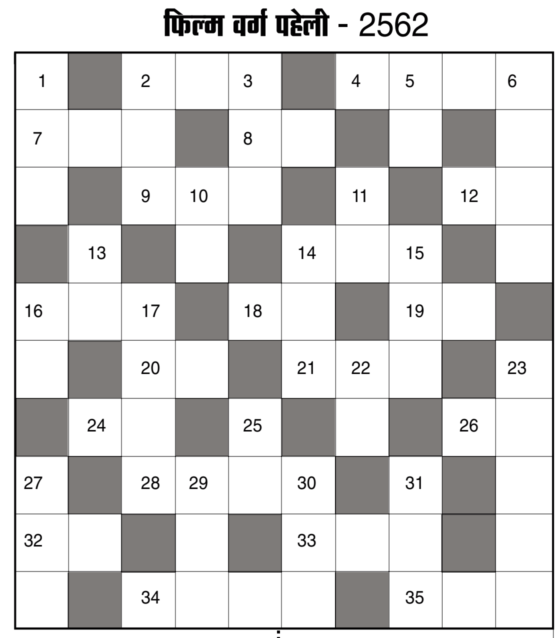

बायें से दायें:-

२. अक्षय खन्ना, सोनाली की 'ओ गोरी आजा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'कहाँ से आई रानी' गीत वाली अजय, काजोल की फिल्म-२,२
७. आमिर, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
८. राजेश वाली 'हम दोनों' में हेमा के साथ दूसरी नायिका कौन थी?-२
९. अमिताभ, ऋषि, हेमा की 'चल चल मेरे भाई' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हिना' की पाक नायिका?-२
१४. धर्मेंद्र, हेमा की 'प्यार के इस खेल में' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१८. जैकी, अनिल, पूनम की 'हर करम अपना' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'फिलहाल' में नायिका 'रेखा' की भूमिका किसने की है?-२
२०. सनीलदत्त, रीनाराय, आशा की 'जलता है जिया' गीतवाली फिल्म-२
२१. 'आ तेरी तसवीर' गीत वाली देवनंद, मधुबाला की फिल्म-३
२४. अनिल कपूर, पद्मिनी की 'वो सात दिन' के निर्देशक कौन थे?-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिल दीवाने का' गीत वाली नसीर, धर्मेन्द्र, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३२. सनी, शिल्पा शेट्टी की 'आशिकी बनके' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'दिल में जो बातें हैं' गीत वाली देवआनंद, हेमा की फिल्म-३
३४. नसीर, आदित्य, पूनम ढिल्लों, मंदाकिनी अभिनीत एक फिल्म-४
३५. आमिर, ग्रेसीसिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१.'तुम रूठ के मत जाना' गीतवाली भारत भूषण, मधुबाला की फिल्म-३
२. रवीना, राईमा, संजीव सूरी की 'बहार ही बहार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चोरी चोरी जब नजरें' गीतवाली फिल्म-३
५. अनिल, गोविंद की 'दीवाना मस्ताना' की नायिका कौन थी?-२
६. 'रस्ते में वो खड़ा' गीतवाली सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१०. राकेश रोशन, सिम्मी की 'जब भी ये दिल' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अब चाहे सर फूटे' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजयदत्त, टीना मुनीम की 'क्या यही प्यार है' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'सावन के झूले पड़े' गीतवाली फिल्म-३
१५. 'फूल तुम्हें भेजा है' गीत वाली 'सरस्वतीचंद्र' की नायिका-३
१६. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-२
१७. राजेश खन्ना, हेमा की 'कहानियाँ सुनाती है' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीतवाली फिल्म-२
२३. चंकी, मिथुन, सोमी अली की 'क्या आँखें हैं' गीत वाली फिल्म-३,२
२५. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली फिल्म-२
२७. शबाना आजमी, श्वेता प्रसाद अभिनीत बाल फिल्म-३
२९. 'दिल नहीं देना' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'सपने' की नायिका कौन थी-३
३१. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 2561

रि	फ्यू	जी		बे	मि	सा	ल		क
शि		न	म्र	ता		या		फ	र्ज
ता	क	त		बी	ना		सु	र	
	र्त		श		स्ति			दी	पा
दि	व्य	श	क्ति		क	न्या	दा	न	
ल		श		रे			ग		ई
से	ह	श		श	र्मी	ली		घा	त
	थि		स	नी		ला	श		का
द	या	वा	न		पॉ		जा	लि	म
स	र		म	न	च	ली		सा	

सूडोकु -2562

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2561 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 2562

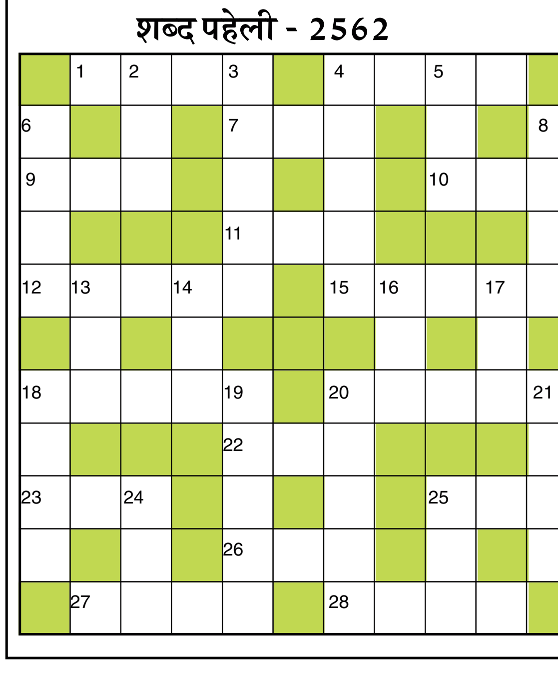

बाएँ से दाएँ

1.बेजोड़-4
4.परिचय,निशान-4
7.कला-3
9.सज्जनता,चरित्र, आदर्श-3
10.प्रथा,रिवाज-3
11.उपस्थिति-3
12.सेन्धमार-5
15.शयनागार,बेडरूम, आरामगाह-3,2
18.तड़के,सुबह सवेरे-5
20.चुगली करना-2,3
22.मैला,गंदा-3
23.रसद,आहर पदार्थ-3
25.प्रणाम,नमस्कार-3
26.तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27.स्थायी,प्राचीन-4
28.हुकूमत,राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे

2.मुलाकात,मिलाप-3
3.खून से लथपथ-5
4.लालन-पालन-5
5.सेवक,नौकर,दास-3
6.धोखेबाज-4
8.समान,एक जैसा-4
13.पंकज,जलज-3
14.आघात,चोट-3
16.भरोसा,विश्वास-3
17.कुली,पालकी वाहक-3
18.जुर्म,गुनाह-4
19.स्वदेश वासी-5
20.शतपदी, कनखजूरा-5
21.अहमक, मूर्ख-4
24.स्नान करना-3
25.सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली -2561 का हल

	अ	व	का	श		प्र	ति	घा	त	
खु				रा	व	ण				मु
शा		ना	या	ब		य	ती	म		क
म		ह		खा	र	क		ज		र
द	या	क	र	ना		था	ह	मा	प	ना
	प		फ्ता				सी		ठा	
अ	न	व	र	त		म	न	भ	र	ना
नु		रा		म	ध्य	म		र		मा
रो		ह	र्षि	त		ता	ली	म		कू
ध				मा	त	म				ल
	आ	ज	मा	ना		य	ज	मा	न	

राजस्थान विधानसभा में शोकाभिव्यक्ति

एजेंसी

जयपुर। सोलहवीं राजस्थान विधानसभा के षष्ठम सत्र के पहले दिन सदन में दिवंगत पूर्व राज्यपाल, पूर्व मुख्यमंत्रियों, पूर्व सांसद एवं पूर्व विधायकों के निधन पर शोक प्रस्ताव प्रस्तुत कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सदस्यों ने दिवंगत नेताओं के सार्वजानिक जीवन एवं उनके योगदान को स्मरण करते हुए गहरी संवेदना व्यक्त की। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने त्रिपुरा के पूर्व राज्यपाल डी.वाई. पाटिल, उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चन्द्र खंडूरी, आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन. भास्कर राव, पूर्व सांसद श्री विष्णु मोदी, पूर्व संसदीय सचिव ब्रह्मदेव कुमावत तथा पूर्व विधायक बाबूलाल बैरवा और नवनीत लाल निनामा के निधन पर शोक व्यक्त किया। त्रिपुरा के पूर्व राज्यपाल डी.वाई. पाटिल के जीवन पर प्रकाश डालते हुए देवनानी ने बताया कि स्व. श्री पाटिल 1967 से 1978 तक महाराष्ट्र विधानसभा के सदस्य रहे। वे 2009 से 2013 तक त्रिपुरा तथा 2013 से 2014 तक बिहार के राज्यपाल रहे। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने शिक्षा, सुशासन एवं सामाजिक विकास को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

बाढ़ राहत में योगी सरकार की संवेदनशील पहल, फर्रूखाबाद में प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद

फर्रूखाबाद। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की बाढ़ प्रभावित लोगों को तत्काल राहत देने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की नीति के तहत फर्रूखाबाद जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद दिख रहा है। गंगा और रामगंगा नदियों के जलस्तर पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। बाढ़ प्रभावित सदर, अमृतपुर और कायमगंज तहसीलों में राहत और बचाव के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। खास बात यह है कि प्रशासन ने केवल लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने पर ही ध्यान नहीं दिया है, बल्कि बाढ़ शरणालयों में बच्चों की पढ़ाई, मनोरंजन और खेलकूद की भी व्यवस्था की गई है। वहीं, जिन परिवारों के आशियाने बाढ़ के पानी में कट गए हैं, उन्हें आवासीय पट्टा देने की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई जा रही है। सदर तहसील के दिलीप की मड़ैया गांव के 25 परिवारों को आवासीय पट्टे दिए जा चुके हैं, जबकि 21 परिवारों के खातों में पट्टे की धनराशि भी उपलब्ध करा दी गई है।

यूपी और नाइजीरिया के बीच कृषि क्षेत्र में सहयोग की नई संभावनाओं पर मंथन

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश के कृषि क्षेत्र को आधुनिक, तकनीक आधारित और अधिक लाभकारी बनाने के साथ ही वैश्विक स्तर पर कृषि क्षेत्र में सहयोग की नई संभावनाएं तलाश रही है। इसी क्रम में प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में लखनऊ के एक निजी होटल में नाइजीरिया के कृषि एवं खाद्य सुरक्षा राज्य मंत्री सीनेटर डॉ. अलीयू साबी अब्दुल्लाही के नेतृत्व में आए 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में उत्तर प्रदेश और नाइजीरिया के बीच कृषि क्षेत्र में सहयोग, नवाचार और नई संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि सरकार किसानों की समृद्धि के लिए बीज से बाजार तक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। सरकार का प्रयास है कि कृषि में आधुनिक तकनीक और नवाचार को बढ़ावा देते हुए किसानों की लागत कम हो और उनकी आय एवं लाभ में वृद्धि हो। बैठक के दौरान नाइजीरियाई प्रतिनिधिमंडल ने अपने देश में कृषि क्षेत्र में किए जा रहे विभिन्न नवाचारों और प्रयासों की जानकारी साझा की। दोनों पक्षों ने कृषि एवं खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में आपसी अनुभवों और तकनीकी सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया।

प्रधानमंत्री के मुफ्त कोचिंग पहल को लेकर शिक्षा मंत्री ने की बैठक

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा और खाद्य, उपभोक्ता एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग उपलब्ध कराने की प्रधानमंत्री की पहल को लेकर बुधवार को शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। शिक्षा मंत्री जोशी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ हुई बैठक का मुख्य उद्देश्य एक मजबूत राष्ट्रीय मंच बनाना है, जिससे देशभर के छात्रों को उच्च-गुणवत्ता वाली अध्ययन सामग्री, विशेषज्ञों का मार्गदर्शन और व्यवस्थित तैयारी की सुविधा मिल सके। प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस पर लालकिले की प्राचीर से अपने संबोधन में इस मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा की थी। प्रधानमंत्री ने कहा था, 'कोचिंग कक्षाएं गरीब एवं मध्यम वर्ग के परिवारों पर बोझ हैं। हम विभिन्न परीक्षाओं के लिए मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग उपलब्ध कराएंगे।'

राहुल गांधी के आरोपों पर किरेन रिजिजू का पलटवार

कांग्रेस शासन में पुलिस फायरिंग की घटनाएं गिनाई

'मौजूदा सरकार ने सभी आंदोलनों के दौरान अधिकतम संयम बरता है।'

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजिजू ने पलटवार किया है। रिजिजू ने कहा कि नागरिकों की जान और सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और मौजूदा सरकार ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के दिल्ली में छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधने के बाद संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेनविभिन्न आंदोलनों के दौरान अधिकतम संयम बरता है। रिजिजू ने राहुल गांधी के एक्स पोस्ट के जवाब में कांग्रेस शासन के दौरान आंदोलनों और प्रदर्शनों पर हुई पुलिस फायरिंग की कई घटनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा पेपर लीक के खिलाफ छात्रों के प्रदर्शन के दौरान कई आपराधिक तत्वों द्वारा स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश के बावजूद सरकार की कार्रवाई में किसी की जान नहीं गई। रिजिजू ने कांग्रेस शासन के दौरान हुई घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि इनमें मिजोरम में भारतीय

नागरिकों पर वायुसेना के इस्तेमाल से लेकर विभिन्न राज्यों में आंदोलनों के दौरान पुलिस फायरिंग तक के मामले शामिल हैं। उन्होंने जिन प्रमुख घटनाओं का उल्लेख किया, उनमें 1969 का तेलंगाना आंदोलन शामिल है। रिजिजू के अनुसार, ऐतिहासिक विवरणों में इस आंदोलन के दौरान 369 लोगों की मौत का उल्लेख मिलता है, जिनमें बड़ी संख्या छात्रों की थी और कई लोग पुलिस फायरिंग में मारे गए थे।

उन्होंने 1976 के तुर्कमान गेट विध्वंस और पुलिस फायरिंग का भी जिक्र किया। रिजिजू ने कहा कि आपातकाल के दौरान हुई इस घटना में मौतों का आंकड़ा विवादित है। पुलिस ने छह मौतों की पुष्टि की थी, जबकि अन्य विवरणों में मृतकों की संख्या 20 या उससे अधिक बताई गई। इसके अलावा उन्होंने 1976 में उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में नसबंदी अभियान के खिलाफ प्रदर्शन, 1972 के पंजाब के मोगा आंदोलन, 1973-74 के गुजरात नव निर्माण आंदोलन, 1998 के मध्य प्रदेश के मुलताई किसान आंदोलन, 2007 के आंध्र प्रदेश के मुदिगोंडा भूमि आंदोलन, 2010 के सोमपेटा पुलिस फायरिंग, 2011 के काकापल्ली पुलिस फायरिंग और 2011 के महाराष्ट्र के जैतापुर परमाणु ऊर्जा परियोजना विरोध प्रदर्शन का उल्लेख किया। रिजिजू के मुताबिक, जैतापुर में 18 अप्रैल 2011 को प्रदर्शन के दौरान पुलिस फायरिंग में एक प्रदर्शनकारी की मौत हुई थी।

लखनऊ में पति ने बैंक कर्मी पत्नी की हत्या की

फिर खुद को भी गोली से उड़ाया; ICICI बैंक के बाहर वारदात

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य के सरकारी कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और उनके आश्रितों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए मई 2023 में लागू की गई आयुष चिकित्सा प्रतिपूर्ति नीति के तहत 18 अस्पतालों को एम्पैनल्ड किया है।

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि इस नीति के तहत, यदि कोई पात्र व्यक्ति पारंपरिक एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से अपना इलाज कराता है, तो उसके द्वारा किए गए चिकित्सा खर्चों की प्रतिपूर्ति (रीइंबर्समेंट) राज्य सरकार द्वारा की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस नीति का मुख्य उद्देश्य एलोपैथी के साथ-साथ पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को बढ़ावा देना और कर्मचारियों को स्वास्थ्य देखभाल के अधिक विकल्प

प्रदान करना है। इसके अंतर्गत आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी जैसी पद्धतियों से कराया गया इलाज पूरी तरह से कवर होता है। सरकार की इस पहल से उन पुरानी बीमारियों के इलाज में मरीजों को बड़ी राहत मिल रही है, जहाँ लोग एलोपैथी की जगह पारंपरिक और प्राकृतिक उपचार को प्राथमिकता देना चाहते हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने आगे विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि आयुष नीति के प्रभावी क्रियान्वयन और मरीजों को गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं देने के लिए अस्पतालों के सूचीबद्धीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आयुष चिकित्सा प्रतिपूर्ति नीति के तहत अब तक आयुष विभाग द्वारा 18 निजी एवं विशेषज्ञ अस्पतालों को एम्पैनल्ड किया जा चुका है। इन सूचीबद्ध अस्पतालों में मरीज आयुष पद्धतियों से उपचार प्राप्त कर सकते हैं और बाद में नीति के नियमानुसार अपने खर्चों का दावा प्रस्तुत कर सकते हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य आने वाले समय में इस नेटवर्क को और अधिक मजबूत करना है ताकि दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को भी निकटतम आयुष केंद्रों का लाभ मिल सके।

भाजपा विधायक से माफी, अब फिर बदला बाल योगी का सुर; बोले- झुका नहीं, बुजुर्ग समझकर जताया था खेद

एजेंसी

आगरा। आगरा की फतेहपुर सीकरी के वर्तमान विधायक चौधरी बाबूलाल पर अभद्र टिप्पणी करने के मामले में एक नया मोड़ आ गया है। जानकारी के मुताबिक मलपुरा में बाल योगी एक खुले नाले की समस्या को लेकर सोमवार को ग्रामीणों के बीच पहुंचे थे। जहां उन्होंने चौधरी बाबूलाल को लेकर अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करते हुए विधायक पर टिप्पणी की थी। उसके बाद बाल योगी विधायक के आवास पर पहुंचे थे, जहां उन्होंने विधायक चौधरी टिप्पणी को लेकर क्षमा मांगी थी। इसके बाद शाम को ही बाल योगी ने एक अलग वीडियो

जारी कर दिया, जिसमें उन्होंने कहा कि विधायक के समर्थकों ने उनका क्षमा मांगने वाला वीडियो गलत तरीके से पेश किया है। यह पूरा मामला सोमवार का बताया जा रहा है, जब बाल योगी बाबा मलपुरा क्षेत्र के एक गांव में नाले में फैली गंदगी और उससे जुड़ी समस्याओं का जायजा लेने पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने विधायक चौधरी बाबूलाल के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी थी। इस घटना का वीडियो इंटरनेट पर प्रसारित होने के बाद मामला चर्चा में आ गया। इसके बाद, बाल योगी की विधायक से बातचीत हुई और वे विधायक के आवास पर पहुंचे, जहां उन्होंने अपनी टिप्पणी पर खेद जताते हुए माफी मांगी। इस मुलाकात का वीडियो भी सामने आया था, जिसमें उन्होंने अपनी गलती स्वीकार की थी।

जेल में बंद कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार का निधन

1984 दंगों में मिली थी उम्रकैद

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने खनन महानिदेशालय (डीजीएमएस), हैदराबाद के उप निदेशक (खनन) यू शिव शंकर समेत तीन लोगों को रंगे हाथों 2 लाख रुपये घूस लेते गिरफ्तार किया। रिश्वत की यह रकम आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले में हुई खदान दुर्घटना की जांच में अनुकूल रिपोर्ट देने के एवज में दी जानी थी। टाइममैनेजमेंट और कैलेंडर ऐप्प चुनना सीबीआई के अनुसार, 25 जून को प्रकाशम जिले की एक खदान में दुर्घटना हुई थी। आरोप है कि संबंधित खनन प्रतिष्ठान के प्रतिनिधियों ने दुर्घटना की जांच में अनुकूल रिपोर्ट हासिल करने और प्रतिष्ठान के मालिकों को मामले में नहीं फंसाने के लिए एक सलाहकार और बिचौलिए के माध्यम से डीजीएमएस के उप निदेशक (खनन) से संपर्क किया था। जांच एजेंसी के मुताबिक बिचौलिए ने पहले भी अनुकूल रिपोर्ट के लिए उप निदेशक को एक लाख रुपये दिए थे। इसके बाद 17 अगस्त को दो लाख रुपये की एक और रकम की व्यवस्था की गई थी। यह राशि अनुकूल जांच रिपोर्ट के अलावा संबंधित खनन प्रतिष्ठान और अन्य खदानों से जुड़े कथित नैमासिक रिश्वत भुगतान के लिए दी जानी थी।

टाइममैनेजमेंट और सीबीआई ने 17 अगस्त को जाल बिछाया और ओंगोल में डीजीएमएस के उप निदेशक (खनन) यू शिव शंकर को दो लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। यह रकम सलाहकार और बिचौलिए ए शुभाषकर रेड्डी ने खनन प्रतिष्ठान के प्रतिनिधि की मौजूदगी में दी थी। सीबीआई ने रिश्वत की पूरी रकम बरामद कर ली। सीबीआई ने इस मामले में डीजीएमएस के उप निदेशक यू शिव शंकर, प्रकाशम जिले के चिमाकुर्ती स्थित मेसर्स वासवी ग्रेनाइट्स के प्रतिनिधि सिद्दा वेंकट सुरेश कुमार और सलाहकार एवं बिचौलिए ए. शुभाषकर रेड्डी को गिरफ्तार किया है।

शहजाद भट्टी और उसके नेटवर्क के सदस्यों को आतंकी घोषित किया जाए

यूपी पुलिस ने गृहमंत्रालय से की सिफारिश

एजेंसी

जयपुर। देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, सामाजिक सौहार्द, अखंडता और सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने के कथित प्रयासों के खिलाफ उत्तर प्रदेश पुलिस की एटीएस और एसटीएफ ने शाहजाद भट्टी नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, आईएसआई के निर्देशों पर सक्रिय यह नेटवर्क सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को प्रभावित कर उन्हें कट्टरपंथ की ओर ले जाने का प्रयास कर रहा था। जांच में युवाओं को धन और काम का लालच देकर धमकी, आगजनी, रेकी, पोस्टर चिपकाने और पेट्रोल बम फेंकने जैसी गतिविधियों में शामिल कराने की बात सामने आई है।

यूपी पुलिस के मुताबिक अब तक 12 एफआईआर दर्ज कर 52 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनके कब्जे से पिस्टल, कारतूस, चाकू, ज्वलनशील पदार्थ और आपत्तिजनक पोस्टर बरामद किए गए हैं। 26 मई 2026 को केंद्रीय एजेंसियों के साथ चलाए गए अभियान में नेटवर्क से जुड़े करीब 175 संदिग्धों की जांच की गई। वहीं, 12 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर 62

संदिग्धों से पूछताछ की गई। पुलिस ने जुलाई 2026 में गृह मंत्रालय को पत्र भेजकर नेटवर्क और उसके सदस्यों को यूएपीए की धारा 35 के तहत आतंकी घोषित कर चौथी अनुसूची में शामिल करने का अनुरोध किया है।

टीबी मुक्त राजस्थान के लक्ष्य के लिए स्क्रीनिंग जांच और उपचार में लाएं तेजी- मुख्य सचिव

एजेंसी

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राजस्थान हरिभाऊ बागडे एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की पालना में प्रदेश को टीबी मुक्त बनाने के प्रयासों को और गति दी जाए। इसके लिए स्क्रीनिंग, जांच और उपचार को सघन करते हुए कमजोर प्रदर्शन वाले जिलों पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा जिला स्तर पर प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए।

मुख्य सचिव शासन सचिवालय में टीबी मुक्त भारत अभियान की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने टीबी की समय पर पहचान के लिए एक्स-रे मशीनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने और न्यूक्लिक एसिड एम्प्लीफिकेशन टेस्ट (इन्न) बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों की कार्यप्रणाली से सीख लेते हुए अन्य जिलों में भी प्रभावी कार्ययोजना के साथ

परिणामों में सुधार लाया जाए। श्रीनिवास ने टीबी प्रिवेंटिव ट्रीटमेंट (TPT) और डिफरेंशिएटेड टीबी केयर पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टीबी रोगी का समुचित उपचार सुनिश्चित करने के साथ उसके परिवार के पात्र सदस्यों की स्क्रीनिंग और आवश्यकतानुसार प्रिवेंटिव ट्रीटमेंट भी सुनिश्चित किया जाए।

मुख्य सचिव ने टीबी उन्मूलन में जनभागीदारी को और मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने माय भारत स्वयंसेवकों को अभियान से सक्रिय रूप से जोड़ने, एनसीसी कैडेट्स की ब्लॉक स्तर तक भागीदारी बढ़ाने तथा एएनएम, आशा सहयोगिनी और सीएचओ सहित जमीनी स्तर के स्वास्थ्य कार्मिकों की प्रभावी भूमिका सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने टीबी मुक्त राजस्थान के लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्पष्ट रोडमैप तैयार कर समयबद्ध रूप से कार्य करने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग गायत्री राठौड़ ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अभियान की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2022 में 29 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त घोषित की गई थीं। यह संख्या वर्ष 2023 में बढ़कर 586, वर्ष 2024 में 3,350 तथा वर्ष 2025 में 6,547 तक पहुंच गई। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत प्रदेश में 2 करोड़ 38 लाख 43 हजार 583 लोगों की स्क्रीनिंग की गई है तथा टीबी रोगियों को 2 लाख 4 हजार 888 पोषण किट वितरित की गई हैं।

'स्कूल ठीक करो' अभियान को लेकर मायावती ने यूपी सरकार पर साधा निशाना

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने देशभर में यूपी समेत पूरे उत्तर भारत में सरकारी स्कूलों की जर्जर हालत को राज्य सरकार पर निशाना साधा। इसके साथ ही उन्होंने देशभर में चल रहे 'स्कूल ठीक करो' अभियान का समर्थन किया। पूर्व सीएम मायावती ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''जेन-अल्फा अर्थात 2013 के बाद जन्मे बच्चे-बच्चियों में भी खासकर अपने थोड़े 'अच्छे दिन' की उम्मीद लगाए स्कूली छात्र-छात्राएं व उनके माता-पिता भी सुखी भविष्य हेतु अच्छी शिक्षा को लेकर हमेशा चिन्तित ही नहीं बल्कि उसके लिए लगातार काफी जद्दोजहद भी करते रहे हैं। देशभर में व विशेषकर यूपी एवं उत्तर भारत के राज्यों के स्कूलों के बदतर हालत की कड़वी जमीनी हकीकत के कारण वे लोग अति-मुखर हो गए हैं।'' बसपा प्रमुख ने कहा कि वे लोग जेन-जी अर्थात् कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के देशव्यापी 'स्कूल ठीक करो' अभियान में काफी बढ़-

चढ़ कर व पूरे उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं। हालांकि यह बड़े दुख और चिंता की बात है कि जिन मासूम बच्चे-बच्चियों के हंसने-खेलने व पढ़ने-लिखने के दिन हैं, उन्हें अपनी प्रारम्भिक स्कूली शिक्षा हेतु बुनियादी सुविधाओं के लिए भी सड़कों पर संघर्ष करने को मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने लिखा, 'वैसे बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के 'शिक्षित बनो' आह्वान के कारण शिक्षा में भी खासकर स्कूली शिक्षा, 'बहुजन समाज' के लोगों के लिए हमेशा विशेष चिंता की बात रही है और इसी के तहत हमारी पार्टी बसपा ने इन दबे-कुचले व शोषित-पीड़ित समाज के लोगों की, जिनकी केंद्र व राज्य में रही सरकारें लगातार उपेक्षा करती रहीं हैं, उनके हित व कल्याण एवं शिक्षा आदि के लिए यूपी में मेरे नेतृत्व में बसपा की सभी चारों सरकारों के कार्यकाल में पूरा ध्यान दिया। बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर द्वारा निर्मित मानवतावादी एवं कल्याणकारी भारतीय संविधान के हिसाब से उन सभी परिवारवालों को रोटी-रोजी व शिक्षा-युक्त आत्म-सम्मान का समता मूलक जीवन नसीब हो सकने के लिए तैयारी की गई। मायावती ने कहा कि यह बड़े दुख व चिंता की बात है कि सरकारी स्कूल की व्यवस्था को बेहतर बनाने की तरफ समुचित ध्यान देने के बजाय सभी सरकारें ने ज्यादातर इसकी घोर अनदेखी ही की है तथा इस पूरी शिक्षा व्यवस्था को एक प्रकार से, इन वर्गों के आरक्षण की तरह ही काफी हद तक निष्क्रिय बनाने का कुचक्र चलाया गया है। इस प्रक्रिया में हजारों सरकारी स्कूल बंद भी किए जा रहे हैं, जिसका भी विरोध बसपा ने लगातार किया है और अब स्कूलों के भवन, शिक्षक, पेयजल, शौचालय व साफ-सफाई आदि जैसी बुनियादी जरूरतों की अत्यन्त कमी को लेकर नन्हें जेन-अल्फा स्वयं अति-मुखर होने के साथ-साथ अब आंदोलित भी हैं।

बिहार में मौसम विभाग ने 7 जिलों में ऑरेंज और 12 में येलो अलर्ट जारी

एजेंसी

पटना। मौसम विभाग ने बिहार के 19 जिलों के लिए मौसम का अलर्ट जारी किया है और गुरुवार को बारिश, आंधी-तूफान, तेज हवाओं और बिजली गिरने की चेतावनी दी है। मौसम विभाग ने सुपौल, अररिया, किशनगंज, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया और कटिहार जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में भारी बारिश, आंधी-तूफान, बिजली गिरने और 30-40 किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। लोगों को सलाह दी गई है कि जब भी संभव हो, वे घर के अंदर ही रहें। शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, मुज़फ्फरपुर, दरभंगा, वैशाली, समस्तीपुर, खगड़िया, मुंगेर, भागलपुर, बांका और जमुई के निवासियों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ-साथ आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की संभावना है।पूर्वानुमान के अनुसार, अगले तीन दिनों तक पूरे बिहार में मौसम खराब रहने की उम्मीद है। 21 अगस्त को उत्तर-पूर्वी और पूर्वी बिहार में बारिश की गतिविधि बढ़ने की संभावना है। पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, अररिया और किशनगंज में भारी बारिश हो सकती है। 22 अगस्त को उत्तरी बिहार के ज्यादातर हिस्सों में येलो अलर्ट रहने की उम्मीद है, जबकि दक्षिणी बिहार के कई हिस्सों में ऑरेंज अलर्ट की संभावना है। खराब मौसम की चेतावनी का सामना करने वाले जिलों में गोपालगंज, सिवान, रोहतास, कैमूर और बक्सर शामिल हैं। उत्तर-पूर्वी और मध्य बिहार के कुछ हिस्सों में बारिश और आंधी-तूफान जारी रहने की उम्मीद है। पटना में सुबह मौसम साफ रहा, हालांकि दिन में बाद में बादल छा सकते हैं। राजधानी के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है और कई इलाकों में बादल छाए रहने की संभावना है। बिहार में अब तक सामान्य से 39 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है, लेकिन मानसून अभी भी सक्रिय है। आने वाले दिनों में होने वाली संभावित बारिश से राज्य में बारिश की कमी को कम करने में मदद मिल सकती है।

डब्ल्यूटीसी 2027

जोश टंग 50 विकेट पूरे कर रचा इतिहास

हेडिंग्ले, एजेंसी। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोश टंग ने पाकिस्तान के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 में बड़ी उपलब्धि हासिल की। टंग ने पांच विकेट झटककर मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में 50 विकेट पूरे कर लिए और इस आंकड़े तक पहुंचने वाले पहले गेंदबाज बन गए। उनके शानदार स्पेल की बदौलत पाकिस्तान की पहली पारी 171 रन पर सिमट गई।

टंग ने पांच विकेट लेकर रचा इतिहास

पाकिस्तान के खिलाफ पहली पारी में टंग ने 5 विकेट हासिल किए। इसके साथ ही उन्होंने मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में अपने विकेटों की संख्या 50 पहुंचा दी। वह इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क को पीछे छोड़ने में कामयाब रहे। टंग ने इस डब्ल्यूटीसी चक्र में अब तक 10 टेस्ट खेले हैं और 27.18 की औसत से 50 विकेट लिए हैं। उनके नाम तीन बार पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा भी दर्ज है।

स्टार्क और सिराज भी टॉप पर

टंग के बाद मिशेल स्टार्क इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। स्टार्क ने नौ टेस्ट में 19.45 की शानदार औसत से 48 विकेट लिए हैं और उनके नाम भी तीन पांच विकेट हॉल हैं। भारत की ओर से मोहम्मद सिराज मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। सिराज ने 10 टेस्ट में 26.68 की औसत से 41 विकेट लिए हैं, जिसमें दो बार पांच विकेट लेने का कारनामा शामिल है। श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट में दो विकेट लेकर सिराज ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स को पीछे छोड़ा था।

पाकिस्तान के खिलाफ टंग का कहर

टंग ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी पहली पारी में शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने सबसे पहले इमाम-उल-हक को 42 रन के स्कोर पर आउट किया। इमाम ने 74 गेंदों का सामना किया था और अब्दुल्ला शफीक के साथ 91 रन की साझेदारी की थी। इसके बाद टंग ने स्टैंड-इन कप्तान सलमान अली आगा को पवेलियन भेजा। उन्होंने विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और अली उस्मान को लगातार गेंदों पर एलबीडब्ल्यू आउट किया। इसके बाद मोहम्मद अब्बास को आउट कर टंग ने अपना पांच विकेट हॉल पूरा किया।

रॉबिन्सन ने भी झटका पांच विकेट

टंग के साथ ओली रॉबिन्सन ने भी पाकिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। दोनों इंग्लिश तेज गेंदबाजों ने पांच-पांच विकेट लेकर पाकिस्तान को 48.1 ओवर में 171 रन पर समेट दिया। दिलचस्प बात यह है कि 1998 के बाद यह पहली बार है जब इंग्लैंड के दो तेज गेंदबाजों ने एक ही टेस्ट पारी में पांच-पांच विकेट लिए हैं। इससे पहले एंडी कैडिक और एंगस फ्रेजर ने पोर्ट ऑफ स्पेन में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी।

संक्षिप्त समाचार

सीपीएल 2026

गुयाना अमेजन वारियर्स ने सेंट लूसिया किंग्स को 7 विकेट से हराया

सेंट लूसिया, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 में डैरेन सैमी नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में हुए मुकाबले में सेंट लूसिया किंग्स ने गुयाना अमेजन वारियर्स को 7 विकेट से हरा दिया। टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी सेंट लूसिया किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 151 रन बनाए थे। चरिथ असलांका ने 28 गेंदों पर 2 छक्कों और 1 चौके की मदद से 35 रन बनाए। इसके अलावा एंड्रिज गॉस ने 20, कामिल पूरन ने 19, डैरोन नेड ने 17, मैथ्यू फोर्ड और कप्तान रोस्टन चेज ने 14-14 रन बनाए। गुयाना अमेजन वारियर्स के लिए ड्वायन प्रिटोरियस ने 3, शमार जोसेफ ने 2 और रोमारियो शेफर्ड ने 1 विकेट लिए। 152 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी गुयाना को ग्लेन फिलिप्स और मावेंद्र दिनदयाल ने तेज शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 10.3 ओवर में 79 रन जोड़े। फिलिप्स 26 गेंदों पर 2 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 36 रन बनाकर आउट हुए। दिनदयाल ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 51 गेंदों पर 2 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 50 रन की पारी खेली। वह दूसरे विकेट के रूप में तब आउट हुए, जब टीम का स्कोर 14 ओवर में 107 रन था। कप्तान शे होप 17 रन बनाकर आउट हुए। शिमरोन हिटमायर 11 गेंदों पर 1 छक्का और 4 चौकों की मदद से 25 और सैंपसन 4 गेंदों पर 13 रन बनाकर नाबाद रहे। हिटमायर ने छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। गुयाना ने 3 विकेट के नुकसान पर 18.1 ओवर में 157 रन बनाए और 7 विकेट से मैच जीता। सेंट लूसिया की तरफ से महिश तिक्षाणा ने 2, जबकि जोशुआ बिशप ने 1 विकेट लिए। गुयाना अमेजन वारियर्स की सीजन के दूसरे मैच में यह दूसरी जीत थी, जबकि सेंट लूसिया की पांचवें मैच में यह तीसरी हार थी।

एसीबी ने नूर अहमद का एनओसी रद्द किया, सीपीएल से बाहर हुए अफगान स्पिनर

नई दिल्ली, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 में सेंट लूसिया किंग्स को एक बड़ा झटका लगा है। अफगानिस्तान के बाएं हाथ के स्पिनर नूर अहमद सीपीएल के बचे मैचों में सेंट लूसिया किंग्स के लिए नहीं खेल पाएंगे। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने नूर अहमद उनका नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) रद्द कर दिया है। सेंट लूसिया किंग्स ने नूर अहमद के विकल्प के रूप में न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज और विकेटकीपर टिम सीफर्ट को साइन किया है। सेंट लूसिया किंग्स द्वारा जारी बयान में कहा गया, 'नूर अब बाकी टूर्नामेंट में सेंट लूसिया किंग्स का प्रतिनिधित्व करने के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। फ्रेंचाइजी इस बात से निराश है कि नूर टीम में शामिल नहीं हो पाएंगे। हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।' बयान में आगे कहा गया, 'सेंट लूसिया किंग्स टिम सीफर्ट का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं, जो अभी स्क्वाड में शामिल होने के लिए सेंट लूसिया जा रहे हैं।' नूर ने 2020 में किंग्स (तब सेंट लूसिया जॉक्स) के साथ करार किया था। वीजा दिक्कतों की वजह से उन्हें उनके लिए खेलने का मौका नहीं मिला। सीपीएल 2024 में वह टीम के लिए खेले और 12 मैचों में 22 विकेट लेकर न सिर्फ टूर्नामेंट के सबसे सफल गेंदबाज रहे, बल्कि टीम को चैंपियन बनाया।

आईपीएल मत खेलना वरना...

मानव सुतार को मिली चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। मानव सुतार टीम इंडिया के नए स्टार बन गए हैं. श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में उन्होंने कुल 10 विकेट लेकर ऐतिहासिक प्रदर्शन किया. उन्होंने अभी तक अपने टेस्ट करियर में सिर्फ 2 मैच खेले हैं, लेकिन उन्हें रवींद्र जडेजा का उत्तराधिकारी माना जा रहा है, क्योंकि सुतार जडेजा की ही तरह लेफ्ट-आर्म स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर हैं.

सुतार के दमदार प्रदर्शन की बदौलत टीम इंडिया ने गॉल टेस्ट में 165 रनों से जीत दर्ज की थी. मगर पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने उन्हें चेतावनी दे डाली है. पुजारा ने सलाह देते हुए कहा कि इस स्टार स्पिन गेंदबाज को इंडियन प्रीमियर लीग में नहीं जाना चाहिए. साथ ही पुजारा ने टीम इंडिया मैनेजमेंट से आग्रह किया कि मानव सुतार को रेड बॉल स्पेशलिस्ट गेंदबाज बनाया जाए. चेतेश्वर पुजारा ने कहा कि युवा खिलाड़ियों के भीतर छोटे फॉर्मेट में खेलने की लालसा होती है, लेकिन मानव सुतार को ऐसा करने से बचना चाहिए. पुजारा के अनुसार सुतार ने आईपीएल खेला तो इसका उनकी गेंदबाजी स्किल्स पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है. पुजारा ने कहा, 'सभी युवा खिलाड़ियों चाहते होंगे कि उन्हें छोटे फॉर्मेट में खेलने का अवसर मिले, लेकिन टीम इंडिया को उन्हें (मानव सुतार) को टेस्ट स्पेशलिस्ट बनाना चाहिए. उनका भी आईपीएल में खेलने का मन कर सकता है, लेकिन वहां मत जाना. उन्हें अगर आईपीएल में खेलने का मौका मिलता है, तो वह अच्छा होगा लेकिन जो आपकी ताकत है उसको मत बदलना. '

गुजरात टाइटंस का हिस्सा हैं सुतार

मानव सुतार अभी गुजरात टाइटंस फ्रेंचाइजी का हिस्सा हैं. अपने आईपीएल करियर में उन्होंने अब तक केवल 5 मैच खेले हैं, जिनमें वो सिर्फ 2 विकेट ले पाए हैं. इनमें 4 मुकाबले उन्होंने आईपीएल 2026 में खेले थे. ओवरऑल टी20 करियर में उन्होंने अब तक 29 मैच खेले हैं, जिनमें उनके नाम 25 विकेट हैं और इकोनॉमी रेट सिर्फ 7.33 का है.

मानव सुथार के 10 विकेट लेने के पीछे का 'सीक्रेट' पता चल गया

टीम इंडिया के युवा स्पिनर मानव सुथार ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद अपनी शानदार गेंदबाजी का राज खोला है। हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए टेस्ट में 10 विकेट लेकर सुर्खियों में आने वाले मानव सुथार ने बताया कि उनकी सफलता के पीछे 'स्पॉट बॉलिंग' और दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का अहम योगदान है। एक वीडियो में सुथार ने बताया कि वह बचपन में 14-15 साल की उम्र से ही रोजाना 30 से 35 ओवर गेंदबाजी का अभ्यास करते थे। उनका मुख्य फोकस स्पॉट बॉलिंग (एक ही जगह पर लगातार गेंद डालना) पर रहता था। उनका मानना है कि स्पॉट बॉलिंग से ही किसी भी गेंदबाज की सबसे बेस्ट बॉल तैयार होती है। इसके अलावा सुथार ने बताया कि वह बड़े होते हुए रविचंद्रन अश्विन को अपना आदर्श मानते थे। अश्विन की गेंदबाजी और उनकी विविधताओं ने उन्हें हमेशा प्रेरित किया। गॉल टेस्ट के पहली पारी में सुथार ने 4 और दूसरी पारी में 6 विकेट अपने नाम किए थे। उनकी इस बॉलिंग की बदौलत भारत ने पहले टेस्ट में श्रीलंका को 165 रन से करारी शिकस्त दी।

भारत से हार के बाद श्रीलंकाई टीम को ट्रिपल झटका...

दूसरे टेस्ट से 2 स्टार बाहर, एक पर सस्पेंस

नईदिल्ली, एजेंसी। गॉल टेस्ट में श्रीलंकाई टीम को भारत के हाथों 165 रनों की बड़ी हार झेलनी पड़ी थी. अब श्रीलंका को सीरीज बराबर करने के लिए दूसरा टेस्ट जीतना ही होगा. हार या ड्रॉ होने की स्थिति में भारत सीरीज अपने नाम कर लेगा. दूसरा टेस्ट मैच 23 अगस्त से कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में होना है. कोलंबो टेस्ट से पहले श्रीलंका की मुश्किलें और बढ़ गई हैं. कुसल मेंडिस और दिनेश चांदीमल दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं, जबकि पथुम निसंका के खेलने पर भी संशय बना हुआ है. श्रीलंका के हेड कोच गैरी कर्स्टन ने गॉल टेस्ट के बाद खिलाड़ियों की चोट को लेकर अपडेट दिया. उन्होंने साफ किया कि कुसल मेंडिस की हैमस्ट्रिंग की चोट गंभीर है और वह फिलहाल टीम के लिए उपलब्ध नहीं होंगे.गैरी कर्स्टन ने कहा, 'कुसल मेंडिस को हैमस्ट्रिंग की गंभीर चोट लगी है. वह कुछ समय तक उपलब्ध नहीं रहने वाले हैं.' श्रीलंका को सबसे बड़ा झटका दिनेश चांदीमल के रूप में लगा है. चांदीमल को गॉल टेस्ट के दौरान फील्डिंग करते समय गर्दन और कंधे में चोट लगी थी. इसके बाद पसिंदु सूरियाबंडारा को उनके स्थान पर कन्कशन सब्स्टीट्यूट के रूप में उतारा गया था. हालांकि सूरियाबंडारा अपनी पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले आउट हो गए थे.

मेजर लीग सॉकर

इंटर मियामी और फिलाडेल्फिया यूनियन का मैच 2-2 से हुआ ड्रॉ

चेस्टर, एजेंसी। मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) रेगुलर सीजन एक्शन में इंटर मियामी सीएफ और फिलाडेल्फिया यूनियन के बीच सुबारू पार्क में खेला गया मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। मियामी के लिए कप्तान लियोनेल मेसी और डेनियल पिंटर ने 1-1 गोल किए। मेजबान फिलाडेल्फिया ने मैच का पहला गोल दागा। इंडियाना वासिलिव ने 11वें मिनट में शानदार गोल करते हुए टीम को बढ़त दिलाई। मियामी ने 21वें मिनट में गोल करते हुए बराबरी की। मियामी के लिए 21वें मिनट में डेनियल पिंटर ने गोल दागा।

यह एमएलएस में पिंटर का पहला गोल था। पिंटर ने फुटबॉल इतिहास के दो बेहतरीन फुटबॉलर्स की मदद से अपने एमएलएस करियर का पहला गोल दागा। ये दो फुटबॉलर मेसी और लुईस सुआरेज थे। मेसी ने बॉक्स के बाईं ओर सुआरेज को गेंद दी, जिन्होंने हेडर से पास को मोड़कर पिंटर को बीच में पहुंचाया, जहां उन्होंने पास से बॉल को गोल पोस्ट में डाल दिया।

डब्ल्यूडब्ल्यूई का रिंग बना मैदान

खिलाड़ियों में हुई जमकर उठा-पटक, लियोनेल मेसी देखते रहे

चेस्टर (अमेरिका), एजेंसी। मेजर लीग सॉकर में इंटर मियामी के मुकाबले में कुछ ऐसा देखने को मिला, जो डब्ल्यूडब्ल्यूई रिंग में ही दिखता है। वैसे तो फुटबॉल के मैदान पर खिलाड़ियों के बीच विवाद आम है। कई बार हाथापाई भी हो जाती है। लेकिन इंटर मियामी और फिलाडेल्फिया यूनियन के बीच मुकाबले में बात काफी ज्यादा बढ़ गई। यहां खिलाड़ियों के बीच उठा-पटक हो गया। इस मुकाबले के इंजरी टाइम (101वें मिनट) में इंटर मियामी के डिफेंडर ने फिलाडेल्फिया यूनियन के 16 साल के कैवन सुलिवन के खिलाफ बॉक्स के अंदर टैकल किया। इससे वह गिर गए। इंटर मियामी के दूसरे खिलाड़ी इयान फ्रे ने सुलिवन को सिर पर धक्का देने की कोशिश की। इस बीच कैवन सुलिवन ने फ्रे के पैर से हवा में उठाया और जमीन पर पटक दिया। इसके बाद ऐसे लग रहा था जैसे दोनों खिलाड़ी कुश्ती कर रहे हों। इस बीच दोनों टीमों के अन्य खिलाड़ियों ने आकर बीच बचाव किया।

एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप

भारत ने पाकिस्तान का किया गेम ओवर, 5-3 से चटाई धूल

एम्सटेलवीन (नीदरलैंड्स), एजेंसी। पाकिस्तान के खिलाफ भारत का 'वर्चस्व' बरकरार है। एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में एम्सटेलवीन के वैगनर स्टेडियम में खेले गए पूल डी के मुकाबले में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 5-3 से हराया। भारत ने मुकाबले की शुरुआत दमदार अंदाज में की और गेंद पर कंट्रोल बनाया। मैच के चौथे मिनट में ही भारतीय टीम को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसका भरपूर फायदा उठाते हुए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। 1-0 की बढ़त को भारत ने जल्द ही दोगुना कर दिया। मैच के 11वें मिनट में अभिषेक से मिले शानदार पास को मंदीप सिंह ने गोल में तब्दील किया। पहले क्वार्टर में 2-0 की बढ़त के साथ भारतीय टीम का पूरी तरह से दबदबा रहा। दूसरे क्वार्टर का आगाज भी भारतीय टीम ने शानदार तरीके से किया। मैच के 20वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील करते हुए कप्तान हरमनप्रीत ने भारत की बढ़त को 3-0 कर दिया। हालांकि, इसके बाद पाकिस्तान ने मैच में कुछ हद तक वापसी करने की कोशिश की। मैच के 21वें मिनट में पाकिस्तान की तरफ से हन्नान शाहिद ने पहला गोल दागा। इसके ठीक दो मिनट बाद ही अभिषेक ने एक और शानदार गोल दागा और भारत की बढ़त को 4-1 कर दिया। मैच के 24वें मिनट में सुफियान खान ने पाकिस्तान की ओर से दूसरा गोल किया और स्कोर को 4-2 कर दिया। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में भारत के सुखजीत सिंह को ग्रीन कार्ड मिला। मैच के 34वें मिनट मे भारत ने अपनी बढ़त को 5-2 कर दिया। भारत के लिए पांचवां गोल हार्दिक सिंह ने पेनल्टी स्ट्रोक पर दागा। चौथे और अंतिम क्वार्टर की शुरुआत पाकिस्तान के लिए अच्छी रही। मैच के 45वें मिनट में पाकिस्तान के हन्नान शाहिद ने गोल करते हुए स्कोर को 5-3 कर दिया। इसके बाद भारत और पाकिस्तान की तरफ से गोल करने के कई प्रयास किए गए, लेकिन किसी भी टीम को सफलता हाथ नहीं लगी। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को गोल करने का कोई और मौका नहीं दिया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने अगले राउंड में अपनी जगह बना ली है। वहीं, हार के साथ पाकिस्तान का विश्व कप में सफर समाप्त हो गया है।

पाकिस्तानी बल्लेबाज ने बना दिया शर्मनाक रिकॉर्ड... 43 साल में पहली बार हुआ ऐसा

नईदिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला लीड्स के हेडिंग्ले मैदान पर खेला जा रहा है. इस मुकाबले में पाकिस्तान बल्लेबाजों का प्रदर्शन पहली पारी में निराशाजनक रहा और पूरी टीम 171 रनों पर सिमट गई. सलामी बल्लेबाज अजान अवैस ने तो पाकिस्तानी फैन्स की उम्मीदों पर बिल्कुल भी खरे नहीं उतर पाए. मुकाबले की पहली ही गेंद पर ओली रॉबिन्सन ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया. ओली रॉबिन्सन ने मैच की पहली गेंद वॉबल सीम के साथ फेंकी, जो बाएं हाथ के बल्लेबाज अजान अवैस के लिए अंदर की ओर आई. अजान गेंद की लाइन को सही तरीके से पढ़ नहीं सके और गेंद सीधे उनके पैड से जा टकराई. इंग्लैंड की जोरदार अपील के बाद अंपायर क्रिस गैफनी ने उन्हें आउट करार दिया. अजान अवैस ने अंपायर के फैसले को चुनौती देते हुए तुरंत डीआरएस लिया. रिप्ले में साफ हुआ कि गेंद उनके बल्ले से नहीं लगी थी. इसके बाद बॉल ट्रैकिंग में इम्पैक्ट से लेकर विकेट तक तीनों रेड दिखाई दिए. गेंद मिडिल स्टम्प के ऊपरी हिस्से से टकरा रही थी और तीसरे अंपायर ने क्रिस गैफनी के फैसले को बरकरार रखा.

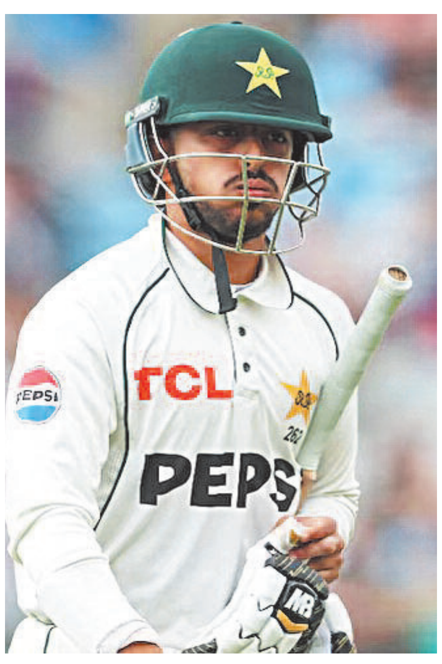

मोहसिन खान के क्लब में एंट्री

इस तरह अजान अवैस को टेस्ट सीरीज की अपनी पहली गेंद पर ही पवेलियन लौटना पड़ा और एक अनचाही लिस्ट में शामिल हो गए. अजान पाकिस्तान के सिर्फ दूसरे ओपनर हैं, जिन्हें किसी टेस्ट की पहली गेंद पर आउट होना पड़ा. इससे पहले 1983 में मोहसिन खान भारत के खिलाफ जालंधर टेस्ट में मैच की पहली गेंद पर आउट हुए थे. यानी पाकिस्तान के किसी ओपनर के साथ 43 साल में यह घटना दोहराई गई.अजान अवैस ने जहां शर्मनाक रिकॉर्ड बनाया, वहीं ओली रॉबिन्सन ने एक खास उपलब्धि हासिल की. वह इंग्लैंड की धरती पर आयोजित किसी टेस्ट मैच की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले केवल चौथे इंग्लिश गेंदबाज बन गए. इस कारनामे की शुरुआत मौरिस टेट ने 1926 में की थी. उन्होंने लीड्स में ऑस्ट्रेलिया के वॉरेन बार्ड्सले को पहली गेंद पर आउट किया था. इसके 48 साल बाद ज्योफ अर्नोल्ड ने 1974 में बर्मिंघम टेस्ट की पहली गेंद पर भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर को पवेलियन भेजा था. 2007 में रयान साइडबॉटम ने वेस्टइंडीज के डेरेन गंगा को चेस्टर-ले-स्ट्रीट टेस्ट की पहली गेंद पर आउट किया था.

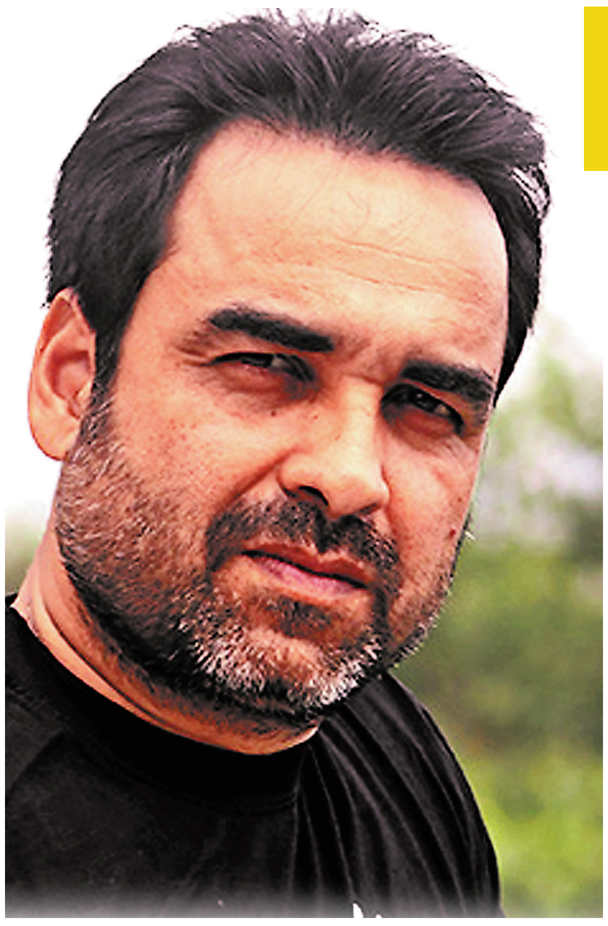

जानता हूं अवसर मिलने का क्या मतलब होता है

अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने खास बातचीत में बताया है कि उनके हिसाब से आजादी का क्या मतलब है। उन्होंने यह भी बताया है कि आज का भारत कैसा होना चाहिए।

आखिर आजादी की असली परीक्षा कब होती है? जब कोई हमें रोक रहा हो या तब, जब कोई रोकने वाला ही न हो? पर अभिनेता पंकज त्रिपाठी के पास इसका अपना जवाब है। बिहार के एक छोटे से गांव से निकलकर देश के अलग-अलग हिस्सों में काम करने और लोगों से मिलने वाले पंकज ने भारत को कई रंगों में देखा है। मगर उनके लिए इन सारे रंगों के पीछे एक चीज हमेशा एक जैसी रही- अपनापन।

एक चीज जो हम सबको जोड़ती है

पंकज कहते हैं, 'मेरे हिसाब से पिछले 80 वर्षों में हमने सबसे अच्छी चीज अपनी विविधता और साथ रहने की भावना को बचाया है। भारत में इतनी भाषाएं हैं, इतनी संस्कृतियां हैं, इतने अलग-अलग तरह के लोग हैं, फिर भी एक भारतीय होने की भावना हम सबको जोड़ती है। मैं बिहार के एक छोटे से गांव से आता हूं, वहां से निकलकर देश के अलग-अलग हिस्सों में काम करने और लोगों से मिलने का मौका मिला। हर जगह मुझे भारत का एक अलग रंग दिखाई दिया, लेकिन उस रंग के पीछे एक अपनापन हमेशा एक जैसा लगा।'

कहीं हम समझना और सुनना कम न कर दें

पंकज आगे कहते हैं, 'आज हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। तकनीक हमारे जीवन का बड़ा हिस्सा बन गई है। मगर इसी भागदौड़ में कहीं ऐसा न हो कि हम एक-दूसरे को समझना और सुनना कम कर दें। अब मुझे लगता है कि हमें अपनी संवेदनशीलता और इंसानियत को बचाना बहुत जरूरी है। विकास बहुत जरूरी है, लेकिन विकास के साथ अगर संवेदना बची रहे, तो वही असली तरक्की है। मुझे लगता है कि आने वाली पीढ़ी के लिए हमें सिर्फ बेहतर सड़कें और बेहतर इमारतें नहीं, बल्कि एक बेहतर समाज भी छोड़कर जाना है।'

'मुझे आज के भारत की ऊर्जा और आत्मविश्वास पर बहुत गर्व होता है। खासकर हमारे युवाओं को देखकर। आज का युवा छोटे शहर या गांव से निकलकर दुनिया में अपनी पहचान बना रहा है। वह बड़े सपने देखने से डरता नहीं। मुझे यह बदलाव बहुत अच्छा लगता है, क्योंकि मैं खुद एक छोटे से गांव से आया हूं और जानता हूं कि अवसर मिलने का क्या मतलब होता है।'

बच्चे के सपनों की सीमा तय ना करें

बातों ही बातों में पंकज ने कई मुद्दों पर बात की। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि हमें अभी समान अवसर और शिक्षा के मामले में बहुत आगे जाना है। मेरे लिए तरक्की का मतलब तभी पूरा होगा जब एक छोटे से गांव में रहने वाले बच्चे को भी यह महसूस हो कि उसके सपनों की कोई सीमा नहीं है। अगर प्रतिभा सिर्फ इसलिए पीछे रह जाए क्योंकि उसके पास संसाधन नहीं हैं, तो यह हमारे लिए सोचने की बात है। मैं चाहता हूं कि आने वाले वर्षों में हमारा भारत ऐसा हो, जहां किसी बच्चे का भविष्य इस बात से तय न हो कि वह किस घर में, किस शहर में या किस गांव में पैदा हुआ है।

आजादी का मतलब

'मेरे लिए आजादी का असली टेस्ट तब होता है जब आपको पूरी आजादी दी गई हो। जब कोई रोक रहा होता है, तब तो हमें पता होता है कि हमारे सामने एक दीवार है और हमें उससे लड़ना है। लेकिन जब कोई दीवार नहीं होती, कोई आपको नहीं रोक रहा होता, तब आप क्या चुनते हैं, वहीं आपकी असली आजादी और आपकी असली जिम्मेदारी सामने आती है।' मेरे लिए आजादी यह भी है कि मैं जो सही समझता हूं, उसकी जिम्मेदारी लेने की हिम्मत रखूं। मुझे अपने जीवन में भी यह महसूस हुआ है कि आजादी के साथ अनुशासन और जिम्मेदारी बहुत जरूरी हैं। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने जिस आजादी के लिए संघर्ष किया, वह सिर्फ अपने लिए जीने की आजादी नहीं थी। आज जब हमें इतनी आजादी मिली हुई है, तो हमें खुद से यह सवाल पूछना चाहिए कि हम इस आजादी का इस्तेमाल सिर्फ अपने लिए कर रहे हैं या अपने आसपास की दुनिया को थोड़ा बेहतर बनाने के लिए भी।

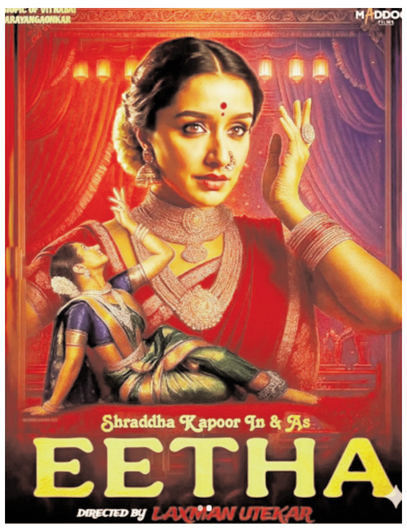

श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईठा' की रिलीज आगे बढ़ी

बॉलीवुड की दो मच अवेटेड फिल्मों की रिलीज डेट मेकर्स ने अनाउंस की। जहां एक और आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की फिल्म 'उड़ता तीर' के मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट तय की। वहीं दूसरी तरफ श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईठा' के मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ा ली। अब ये दोनों फिल्में कब रिलीज होगीं

श्रद्धा कपूर की बहुप्रतिक्षित फिल्म 'ईठा' का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म लावणी साम्रज्ञी विठाबाई नारायणगावकर के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने पांच दशक तक लावणी लोककला को अपना जीवन समर्पित किया।

'टॉक्सिक' से टाला क्लैश

पहले यह फिल्म इसी महीने 28 अगस्त को रिलीज होने वाली थी, जहां इसकी टक्कर 26 अगस्त को रिलीज होने जा रही मल्टीस्टारर फिल्म 'टॉक्सिक' से होती। अब मेकर्स ने इसे 4 दिसंबर 2026 को रिलीज करने का फैसला किया है। इस फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर ने किया है। फिल्म में श्रद्धा के अलावा रणदीप हुड्डा और मोहम्मद जीशान अय्यूब भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

भले ही फिल्म 'ईठा' ने 'टॉक्सिक' से टकराव बचा लिया है पर 4 दिसंबर को इसका टकराव प्रभास की फिल्म 'फौजी' से होगा। फिलहाल 'फौजी' की रिलीज डेट 3 दिसंबर 2026 है।

कब रिलीज होगी 'उड़ता तीर'

फिल्म 'उड़ता तीर' से आयुष्मान खुराना और सारा अली खान एक बार फिर पर्दे पर साथ नजर आने वाले हैं। यह एक स्पाई-कॉमेडी फिल्म है जो 9 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन आकाश ए. कौशिक ने किया है। वहीं फिल्म में निर्माताओं की लंबी लिस्ट है। फिल्म का निर्माण करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, गुनीत मोंगा कपूर और अचिन जैन मिलकर कर रहे हैं।

अमृता खानविलकर ने निजी जिंदगी को लेकर अफवाहें फैलाने को चेतावनी दी

अभिनेत्री अमृता खानविलकर और हिमांशु मल्होत्रा काफी वक्त से अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। बी-टाउन में काफी वक्त से ऐसी अटकलें लग रही हैं कि इनके रिश्ते में दरार आ गई है और तलाक हो रहा है। इन्हें अमृता ने निराधार बताया है। साथ निजी जिंदगी को लेकर ऐसी अफवाहें प्रसारित करने वालों को भी चेताया है।

अभिनेत्री अमृता के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया गया है। इसमें उनकी लीगल टीम की तरफ से इस तरह की खबरों को एकदम निराधार बताया गया है। साथ ही अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी एक्शन लेने की चेतावनी भी दी है। अमृता की कानूनी टीम ने नोट साझा करते हुए लिखा है, 'आधिकारिक कानूनी बयान - 10 अगस्त 2026 से लागू। हमारे ध्यान में आया है कि कुछ ऑनलाइन, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म अमृता खानविलकर और उनके निजी जीवन के बारे में ऐसा कंटेंट फैला रहे हैं, जो बेबुनियाद है। यह प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने वाला है और उनकी प्राइवेसी का उल्लंघन करता है। आगे लिखा है, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान किया जाता है, लेकिन अमृता खानविलकर के बारे में मानहानि वाले बयान, अफवाहें, बिना पुष्टि वाले आरोप या गुमराह करने वाली जानकारी फैलाने या शेयर करने के लिए इस स्वतंत्रता का कोई भी गलत इस्तेमाल गंभीरता से लिया जाएगा। जहां भी उपलब्ध सबूतों से पुष्टि होती है, वहां ऐसे कंटेंट को बनाने, फैलाने या शेयर करने के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों, संस्थाओं या संगठनों के खिलाफ लागू कानून के अनुसार उचित कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। ऐसे सभी मामलों पर नजर रखी जा रही है और उचित कानूनी कार्रवाई के लिए उनका रिकॉर्ड रखा जा रहा है। मराठी फिल्म जगत की चर्चित अभिनेत्री अमृता खानविलकर की शादी हिमांशु मल्होत्रा के साथ साल 2015 में हुई थी। दोनों की मुलाकात साल 2004 में हुई थी। लंबे वक्त तक दोनों रिलेशनशिल में रहे। फिर साल 2015 में शादी का फैसला लिया।

सामंथा होस्ट करेंगी 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल'

शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल' में तमिल एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के कुछ जाने-माने चेहरे शूटिंग से हटकर किचन में नजर आएंगे। वह मुश्किल कुकिंग चैलेंजेस का सामना करेंगे। इस शो का एक प्रोमो भी जारी किया गया, जिसमें सामंथा कहती हैं, 'हमारे शहर में, हम जो भी करते हैं, स्टाइल के साथ करते हैं, एकदम जबरदस्त अंदाज में, है ना? भले ही वह सिर्फ खाना बनाना ही क्यों न हो। फिल्मों में एक्शन 'कट' के साथ शुरू और खत्म होता है। लेकिन यहां असली एक्शन 'कट' के बाद ही शुरू होता है। चाहे शूट हो या किचन, जीतने के लिए हमेशा जुनून की जरूरत होती है।'

<u>शो को लेकर उत्साहित हैं सामंथा?</u>

'मिर्जापुर द मूवी' पर बोले फरहान अख्तर

एक्टर-प्रोड्यूसर फरहान अख्तर ने 'मिर्जापुर' सीरीज को इतना प्यार देने के लिए फैंस का शुक्रिया अदा किया है। इसी प्यार की वजह से मेकर्स 'मिर्जापुर : द मूवी' बनाने के लिए प्रेरित हुए। 'मिर्जापुर : द मूवी' के ट्रेलर लॉन्च पर, प्रोड्यूसर फरहान अख्तर ने फिल्म की रिलीज डेट को लेकर दुनिया भर के फैंस के उत्साह का जिक्र किया। मीडिया से बात करते हुए फरहान ने कहा कि अपकमिंक फिल्म फैंस की मांग का नतीजा है। फरहान अख्तर ने कहा, 'यह शो फैंस के प्यार का नतीजा है। उन्होंने शो को तब से सपोर्ट किया है, जब यह पहली बार रिलीज हुआ था। अमेजन इसे दुनिया भर में ले गया। मैं जहां भी जाता था, लोग मुझसे पूछते थे, 'मिर्जापुर कब आ रहा है?' जब इसकी घोषणा हुई, तो लोग मुझसे रिलीज डेट पूछते थे, इसलिए असल में फैंस ने ही इस फिल्म की मांग की है। हम बहुत खुश और आभारी हैं कि हमने इसे ओरिजिनल कास्ट और शानदार नई कास्ट के साथ मिलकर बनाया है।' वहीं जितेंद्र ने फैंस से एक गुजारिश की है। उन्होंने कहा 'बबलू भैया पर भी उतना ही प्यार बरसाएं, जितना उन्होंने 'पंचायत' में जीतू भैया पर बरसाया था, क्योंकि अब बबलू भैया की वापसी हो रही है।'

'लॉक अप 2' में मुझसे फायदा छीनकर किसी और को दे दिया गया

'लॉक अप 2' की विनर बनीं श्रेया कालरा की जीत पर दर्शक लगातार सवाल उठा रहे हैं। इस जीत को लेकर श्रेया को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। अब श्रेया ने सोशल मीडिया के जरिए अपने आलोचकों को कड़ा जवाब दिया है। श्रेया कालरा की जीत को कुछ दर्शक स्क्रिप्टेड और पक्षपातपूर्ण बता रहे हैं। हाल ही में इंस्टाग्राम के जरिए 'लॉक अप 2' की विजेता ने फैंस के सवालों का जवाब दिया। श्रेया ने जब प्रतियोगियों को वापस लाया गया तो लोगों ने शो को पक्षपाती क्यों नहीं कहा? जब उन्हें सीक्रिट रूम के रखा गया तब यह सवाल क्यों नहीं उठाया गया? शो में मुझसे फायदा छीनकर किसी और को दे दिया गया। इस तरह के सवाल शो में बाकि प्रतियोगियों के लिए क्यों नहीं उठाये गए?

लॉकअप सीजन 2 के विजेता का खिताब जीतने के बाद श्रेया कालरा को पुरस्कार में एक चमचमाती ट्रॉफी मिली थी। इसके अलावा एक करोड़ रुपये की राशि भी उन्हें मिली। रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रेया कालरा मामूली अंतर से जीती थीं। उन्होंने शिवांगी जोशी को सात वोटों से हराया था। बता दें कि पांच फाइनलिस्ट चुने गए थे। फाइनल में राम कपूर, शिवांगी जोशी, श्रेया कालरा, योगेश रावत और आकांक्षा चमोला ने जगह बनाई थी।

फराह खान पर भी लगे पक्षपात के आरोप

इससे पहले निर्देशक फराह खान ने अपने व्लॉग में भी 'लॉक अप 2' में खुद पर लगे आरोपों पर बात की थी। उन्होंने कहा, ' शो होस्ट करने के दो हफ्ते बाद मुझे पता चला कि लोग कमेंट कर रहे हैं कि मैं पक्षपाती होस्ट हूं, क्यों? क्योंकि श्रेया और मेरी यूट्यूब कंपनी एक ही टीम के द्वारा चलाई जाती हैं। उस कंपनी के पास 70 कंटेंट क्रिएटर हैं, तो क्या? पता नहीं मैं पक्षपाती कैसे हो सकती हूं?'

बलिदानियों की धरती चित्तौड़गढ़

बलिदान की उन सैकड़ों कहानियों का गवाह रहा हूं, जिन पर वर्तमान को मुझपर अभिमान है.कभी लहू देकर मेरा सम्मान किया गया.तो कभी उन जलती चिता को देखकर मैंने आंसू बहाए.जो मेरी बेटी थी.जो मेरा बेटा था.मेरी धरती पर उन बेटों ने जन्म लिया है.उन बेटियों ने जन्म लिया है, जिनपर आज भी मुझे गर्व है.आज मैं अपनी कहानी सुना रहा हूं.मैं चित्तौड़गढ़ हूं.आज मैं अपने इतिहास. वीरतापूर्ण लड़ाइयों.राजपूत शूरता. महिलाओं के अद्वितीय साहस की कई और कहानियां सुना रहा हूं. दुनिया में वीरता, बलिदान, त्याग, साहस के न जाने कितने किरदार आपने देखे होंगे और सुने होंगे.पर मुझे नाज है कि हिंदुस्तान की सरजमीं पर इतने सारे नायकों से भरी धरा कोई नही है.

मेरा इतिहास मेरी जुबानी

चित्तौड़ की इस पावन धरा ने तो अन्याय और अत्याचार के खिलाफ ही लड़ना जाना.हमें क्या पता ये सियासत क्या होती है.हिंदू-मुसलमान के नाम पर हमें मत बांटो.हमने अपने बेटों को कभी धर्म और संप्रदाय की आंखों से नहीं देखा. जब मुगल बाबर ने हमें आंखें दिखाई थी, तो खन्वा के युद्ध में मेरे बेटे राणा सांगा का साथ देने के लिए हसन खान चिश्ती और महमूद लोदी ही तो आए थे.जब अत्याचारी अहमद शाह हमें लूटने पहुंचा, तो हमारी राजमाता कर्णावती ने रक्षा के लिए अपने मुगल भाई हुमायूं को ही तो राखी भेजी थी.जब मेरे प्रतापी बेटे महाराणा प्रताप के खिलाफ सभी सगे संबंधी मुगल अकबर के साथ हो गए, तो प्रताप का सेनापति बनकर पठान योद्धा हाकम खान सूर ने ही युद्ध में बलिदान दिया.मुझे किसी करणी सेना के नाम पर किसी जाति में मत बांधो.जब खुद के एक मेरे नालायक बेटे बनबीर ने मेरे ऊपर अत्याचार किए, तो मेरे वारिस उदय सिंह को बचाने के लिए गुर्जर जाति की पन्नाधाय ने अपने बेटे चंदन का बलिदान कर मेरे वारिस को बचाया था. जब महराणा प्रताप की मदद किसी ने नहीं की, तो एक वैश्य ने सबकुछ बेचकर मेरी 12,000 सेनाओं का खर्च उठाया. जब राजपूत राजा हमारे लिए लड़ रहे प्रताप के खिलाफ अकबर से जा मिले, तो प्रताप की सेना में लड़ने के लिए घूमंतु आदिवासी गड़रिया लुहार ही साथ आए थे.जब अकबर ने हमला किया तो किसी रानी ने नहीं बल्कि फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे गोद में चित्तौड़ की सभी महिलाओं ने आखिरी जौहर किया था.

पांचवी सदी में मौर्यवंश के शासक चित्तरांगन मौरी ने जब 7 मील यानी 13 किमी की लंबाई, 180 मी.ऊंचाई और 692 एकड़ में फैले इस पहाड़ी पर मुझे बसाया था.तब किसी को कहां पता था कि दुनिया का सबसे बुजुर्ग गढ़ मैं, यानी चित्तौड़गढ़, हिंदुस्तान की माटी का तिलक बन जाउंगा.मोरी वंश के अंतिम शासक मान सिंह मोरी के बाद मेरे पास 728 ईसवीं में गोहिल वंश के शासक आए.गोहिलों के शासन के बाद रावल वंश का शामन चला.कहते हैं गोहिलों ने दहेज में राजकुमारी को ये किला भेंट किया.रानी, राजकुमारी से रावल वंश के वंशज बप्पा रावल की शादी हुई थी. सातवीं से 13वीं सदी तक मेरे वैभव का काल था.जब हमारी सुचिता, वैभव और पराक्रम की कहानियां दूर-दूर तक कही जाने लगी.लेकिन चौदहवीं सदी से लेकर 16 वीं सदी तक हमने सबसे बुरा दौर देखा.जाने किसकी नजर हमारे चित्तौड़गढ़ पर लग गई और रावल वंश के शासक रतन सिंह के शासन के दौरान 1303 में अलाउद्दीन खिलजी ने मेरे उपर हमला कर दिया.हिंदुस्तान के सबसे सुरक्षित माना जाने वाला अभेद्य दुर्ग सबसे कमजोर भी हो सकता है ये खिलजी की युद्धनीति ने पहली बार सामने ला दिया.फिर यहीं से हम हमेशा के लिए कमजोर बनते चले गए.सात दरवाजों से घिरे मेरे अंदर सात विशाल दुर्ग दरवाजे हैं, जिसे कोई पार नही कर सकता.लेकिन 1303 में खिलजी ने जाड़े में चारो तरफ से मुझे घेरकर मैदान में डेरा डाल दिया.वो मेरे अंदर नहीं आ सकता था.लेकिन दुर्ग के अंदर हमारे राशन-पानी को बंद कर दिया.सात महीने में हम बेबस होकर युद्ध के लिए मैदान में आए और हमारे रावल रतन सिंह और उनके दो बहादुर सेनापति गोरा-बादल शहीद हुए.

हमारी रुपवती रानी पद्मिनी को 16000 रानियों के साथ जौहर करना पड़ा.ये पहली बार था, जब हमारी वीरता और साहस-बलिदान की अमर कहानी दुनिया ने देखी.कहते हैं अलाउद्दीन लंपट स्वभाव का था और पद्मिनी को पाने के लिए युद्ध किया था.लेकिन हिंदुस्तान की सबसे ताकतवर सेना के होते हुए भी वो हमारी महरानी को नही पा सका.रावलों के शासन का यहीं अंत हुआ.13 साल तक अलाउद्दीन खिलजी और उसके बेटे खेजर ने मेरे ऊपर राज किया.इस दौरान पूरे महल को तोड़ दिया गया और 1000 हजार से भी ज्यादा मंदिर भी तोड़ दिए.ये हमारे ऊपर हुए अत्याचार की इंतहा थी.लेकिन हमने उम्मीद नहीं छोड़ी थी.उसके बाद गोहिल वंश के ही भाई राणा वंश के सिसोदियाओं ने हमारे ऊपर राज किया.1325 में राणा हमीर ने इसे अपना किला बनाया और राणा वंश यानी सिसोदिया वंश का शासन चलना शुरु हुआ.और आखिरी तक मेरे ऊपर सिसोदिया वंश का ही शासन रहा. मेरे उपर सबसे ज्यादा सिसोदिया वंश ने ही राज्य किया.और इस वंश में कई प्रतापी राजा हुए.राजा रतन सिंह से लेकर महराणा प्रताप ने चित्तौड़गढ़ पर शासन किया.महाराणा सांगा.महाराणा कुंभा भी चित्तौड़गढ़ के महान राजाओं में से एक हुए.इन राजाओं ने चित्तौड़गढ़ को एक अलग पहचान दिलवाई.मैं यानी चितौड़गढ़ किला अभेद्य था.पहाड़ी के किनारे-किनारे खड़े चट्टानों की पंक्ति थी.साथ ही साथ दुर्ग में अंदर जाने के लिए लगातार सात दरवाजे बनाए गये थे. लिहाजा, दुश्मनों के लिए किले के अंदर जाना नामुमकिन था.लेकिन, विशाल मैदान के बीच में पहाड़ी पर ये किला बना था.जिसकी वजह से दुश्मन विशाल मैदान में डेरा डाल देते थे.और किले के अंदर खाने की सप्लाई रोक देते थे. नतीजा किले के दरवाजों को खोलने के लिए राजाओं को विवश होना पड़ता था. और शत्रुओं की विशाल सेना होने की वजह से उन्हें हार का मुंह देखना पड़ता था.

रानी कर्णावती

रामी पद्मावती की कहानी तो आपने सुनी लेकिन राणा सांगा की पत्नी कर्णावती का भी बलिदान भी हमारे गर्भ में छिपा है.जब गुजरात के शासक अहमद शाह ने 1535 ईवी में चित्तौड़ पर हमला किया, तब बाबर के साथ खानवा के युद्ध में घायल राणा सांगा की मौत हो चुकी थी.राणा सांगा के पुत्र विक्रमादित्य के व्यवहार से परेशान किसी राजा ने हमारी मदद नहीं की.तो कर्णावती ने हूमायूं को राखी भेजते हुए लूटेरे अहमद शाह के खिलाफ मदद मांगी.हूमायूं को कर्णावती का संदेशा देर से मिला और मदद करने वो नहीं आ पाया.दो साल की लड़ाई के बाद अहमद शाह की जीत हुई तो 1537 ईवी में हजारों रानियों के साथ एक बार फिर कर्णावती ने मेरे अंदर दुर्ग में जौहर किया.

रानी मीरा

राणा सांगा के बेटे भोजराज के साथ मेड़ता की राजकुमारी की शादी हुई. लेकिन मीरा का मन कभी रानीवासा में नही लगा.वो तो गोपाल नंदलाल यानी कृष्ण के मंदिर में ही बैठी रहती है.राणा कंभा ने बाद में मीरा का मंदिर ही बना दिया जो आज भी चित्तौड़गढ़ में मौजूद है.

पन्ना धाय

राणा विक्रम सिंह की हत्या कर उनके चाचा का लड़का बनवीर चित्तौड़ की गद्दी पर बैठना चाहता था.तब चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह पालना में थे.रानी कर्णावती की दाई पन्नाधाय उनकी देखभाल करती थी.जब पन्नाधाय को पता चला कि बनवीर तलवार लेकर उदय सिंह को मारने आ रहा है, तो पन्नाधाय ने चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह को कुंभलगढ़ रवाना कर अपने बेटे चंदन को उदय सिंह के सामने सुला दिया और बनवीर ने मां पन्नाधाय के सामने ही उनके पुत्र चंदन को अपनी तलवार से दो टुकड़े कर दिए.

महाराणा प्रताप

जब अकबर ने एकबार फिर 1567 ईवीं में मेरे ऊपर हमला किया, तो उड़ई सिंह मेरे ऊपर राज करते थे.अकबर ने पूरी तरह से किले को बर्बाद कर दिया.एक बार फिर फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे अंदर जौहर हुआ.तब हमारे राजा उदय सिंह ने 1568 में अकबर के संधि के अनुसार मुझे छोड़कर उदयपुर को अपनी राजधानी बना लिया.तब तय हुआ कि चित्तौड़ यानी मैं हमेशा के लिए वीरान रहूंगा और यहां कोई निर्माण नहीं होगा. दरअसल दिल्ली के सुल्तानों और मुगलों को हमेशा डर सताता था कि अगर चित्तौड़ आजाद और आबाद रहा, तो कभी दक्षिण नही जीत पाएंगे.मुगलों के साथ बारुद भारत में युद्ध में प्रयोग होने लगा तब तो हम बिल्कुल असुरक्षित हो गए थे. मगर मेरी गोद वीर पुत्रों से खाली नहीं थी.16 साल तक मेरी गोद में खेले महराणा प्रताप को सरदारों ने चित्तौड़ का शासक घोषित कर दिया.मैनें आखिरी हमला दिल्ली की गद्दी पर बैठे अकबर का देखा और फिर हमेशा-हमेशा के लिए इतिहास बन गया.उदय सिंह की हार हुई और मुगल की संधि के अनुसार इस किले को सिसोदिया वंश को छोड़ना पड़ा.उदय सिंह ने अपनी राजधानी उदयपुर बना ली.मगर उनके जेठ पुत्र महाराणा प्रताप इसे भुला नहीं पाए.वो इसी किले की तलहटी से अकबर से दो-दो युद्ध लड़े.और आखिरी बार हल्दीघाटी की लड़ाई हुई.

ये युद्ध हिंदुस्तान के सबसे मजबूत शासक और मुट्ठी भर लड़ाकों के साहस की लड़ाई थी.जिसे दुनिया प्रताप की वीरता के लिए याद रखती है.प्रताप और उनके हथियार बनाने वाले गड़रिया लुहारों ने ये प्रतीज्ञा ली थी कि जबतक मुझे नहीं पा लेगें वो किले में प्रवेश नहीं करेंगे.भारत आजाद हुआ तो खुद देश के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने गड़रिया लुहारों को लेकर 1955 में मेरे अंदर यानी किले में प्रवेश किया.1905 में अंग्रेजों के समय से अबतक हम दिल्ली की सरकार के अधीन रहे.मगर तब से हमारी सार संभाल ही हो रही है.

न जाने कितने कवि, लेखक और इतिहासकारों ने विभिन्न कालखंडो में मेरे बारे में और मुझ पर राज करनेवालों के बारे में क्या-क्या लिखा.मगर 2017 में इसे फिर से लिखा जा रहा है.इस बार कोई हमलावर चित्तौड़ नहीं आया है और न ही मेरे बहादुर चित्तौड़ के सैनिक इस लड़ाई को लड़ रहे हैं.मुझे इस लड़ाई से क्या हासिल होगा मुझे पता नहीं है.मैंने दुनिया के खुंखार से खुंखार आक्रांताओं और हमलावरों की खून की होली देखी है.मैं सब जानता हूं.मुझे मेरी हिफाजत करनी आती है.मै बूढ़ा नहीं हुआ हूं.मैं चित्तौड़ हूं.

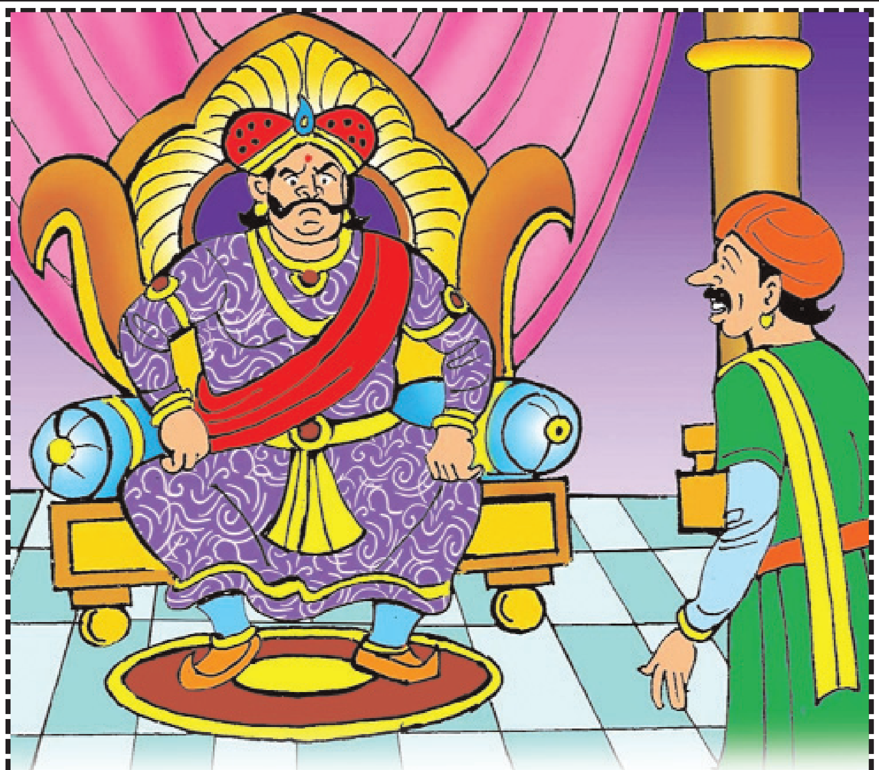

निर्दयी राजा

माधो जंगल में लकड़ियां बीन रहा था। अचानक अपने गांव से आग की लपटें उठती देखकर वह घबरा उठा। पड़ोसी राजा को अपने किले में काम कराने के लिए गुलामों की आवश्यकता थी। उस समय उसके सैनिक ही गांव वालों को गुलाम बनाकर ले जा रहे थे। माधो जान बचाने के लिए घने जंगल में भाग गया। दिन बीतने पर माधो गांव लौटा, लेकिन वहां कोई नहीं था। उसके माता-पिता को भी निर्दयी सैनिक पकड़कर ले गए थे। माधो क्रोध से उबल पड़ा। वह राजा के किले की ओर चल दिया। वह किसी तरह गांव वालों को छुड़ाना चाहता था। किसी तरह छिपता हुआ माधो किले के अंदर पहुंचगया। गांव वालों के साथ उसके माता-पिता तपती धूप में राजा के खेतों में काम कर रहे थे। पानी मांगने पर सिपाही उन पर कोड़े बरसाते थे। तभी पास खड़ी एक गरीब बुढ़िया ने माधो से पूछा, तुम्हें क्या कष्ट है बेटा? मैं राजा की मालिन हूं।

माधो ने उसे सारी बात बताई। मालिन भी राजा की क्रूरता से बहुत दुखी थी। वह माधो को अपने घर ले गई। उसे माला गूथना सिखा दिया। फिर एक दिन उसे राजा से भी मिलवाया। राजा माधो की बनाई माला देखकर बहुत प्रसन्न हुआ। वह माधो को महल दिखाने लगा। माधो ने पूछा, महाराज, कोई शत्रु आपके महल में घुस आए तो?

राजा उसे दीवार में लगी एक मुठिया दिखाकर बोला, अगर ऐसा हुआ, तो हम यह मुठिया घुमा देंगे। किले के सारे पानी में बेहोशी की दवा घुल जाएगी। पानी पीने वाले बेहोश हो जाएंगे। थके-मांदे शत्रु के सैनिक आते ही पानी तो पिएंगे ही। फिर राजा ने माधो को एक बड़ी सी चाबी दिखाई और बोला, यह चाबी देखो, इससे हम किले का दरवाजा बंद कर देंगे। होश में आने पर फिर कोई बाहर नहीं निकल सकता।

मालिन ने माधो को नागगंध की एक माला बनाकर दी। उसे पहनते ही राजा और रानी गहरी नींद में सो गए। माधो ने जल्दी ही वह मुठिया घुमा दी। फिर राजा की जेब से किले की चाबी निकालकर महल से बाहर आ गया।

पानी पीते ही राजा के सैनिक बेहोश होकर गिरने लगे। गांव वाले पानी पीने दौड़े, तो माधो ने उन्हें पानी नहीं पीने दिया और फौरन किले से बाहर निकल जाने के लिए कहा। सब बाहर आ गए, तो माधो ने चाबी से फाटक को बंद कर दिया।

निर्दयी राजा अपने सिपाहियों के साथ अपने ही किले में बंद हो गया। गांव वाले उसके अत्याचार से मुक्त हो गए थे।

इस किले के परिसर में है 65 से अधिक ऐतिहासिक महल, मंदिर व जलाशय

चित्तौड़गढ़ किला जिसे चित्तोर दुर्ग के नाम से भी जाना जाता है भारत के प्राचीनतम किलो में से एक है.यह किला भारत ही नहीं अपितु विश्व भर में प्रसिद्व है.वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शुमार इस किलो देखने हर साल हजारो विदेशी सैलानी भारत आते है.

- चित्तौड़गढ़ किला जिसे मेवाड़ की राजधानी के नाम से भी जाना जाता हैउदाहरण के तोर पर यह किला प्राचीन समय में 834 सालो तक मेवाड़ की राजधानी रह चूका था.इसकी स्थापना 734 इक में मेवाड़ के सिसोदिया वंश के शासक बाप्पा रावल ने की थी.
- चित्तौड़गढ़ किला भारत का सबसे बड़ा किला माना जाता है.इसकी लम्बाई 3 किलोमीटर, त्रिज्या 13 किलोमीटर और यह किला लगभग 700 एकड़ जमीन पर फैला हुआ है.
- प्राचीन इतिहास के अनुसार ऐसा माना जाता है कि चितौड़गढ़ किले को सातवीं सदी में मौर्यों सासको द्वारा बनवाया गया था और इस किले का नाम मौर्य शासक चित्रांगदा मोरी के नाम पर रखा गया था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले के परिसर में लगभग 65 ऐतिहासिक निर्मित संरचनाएं जैसे मंदिर, महल, जलाशय, स्मारक इत्यादि बनाएं गए थे.
- चित्तौड़गढ़ किले में कुल साथ द्वार बनाएं गए थे जो प्राचीन समय में रात्रि के समय बंद कर दिए जाते थे.इन द्वारा पर लगे विशाल किवाड़ (दरवाजे) आज भी इस किले की मजबूती की गवाई देते है.
- प्राचीन समय में इन दरवाजो का नाम मुख्यता प्रथम पड़नपोल,दूसरा भैरव पोल, तीसरा हनुमान पोल, चतुर्थ गणेश पोल, पंचम जोरला पोल, छटा लक्ष्मण पोल व सातवे दरवाजे को राम पोल के नाम से जाना जाता था.
- इन दरवाजो के संदर्ब में कहाँ जाता है की प्राचीन समय में प्रत्येक दरवाजे पर द्वारपाल व पहरेदार 24 घंटे दरवाजो की निगरानी करते थे व प्रत्येक दरवाजे पर बड़े बड़े घंटे टाँगे गए थे जिन्हे बजा कर दरवाजो को खोला और बंद किया जाता था.
- इस किले में कई मंदिर स्थापित हैं जैसे कलिका मंदिर, जैन मंदिर, गणेश मंदिर, सम्मिदेश्वरा मंदिर, नीलकंठ महादेव मंदिर और कुंभश्याम मंदिर आदि
- इस किले के परिसर में बनाया गया पद्मिनी महल एक छोटे सरोवर के निकट स्थित बहुत ही खूबसूरत महल है.इस महल के अंदर सीसे कि नकाशी कि गई है जो दिखने में बेहद खूबसूरत लगती है.
- आपको जानकर हैरानी होगी चित्तौड़गढ़ किले में आज भी 22 जलनिकाय मौजूद है.इन जल निकायों में पानी का श्रोत्र प्राकृतिक भूमिगत जल और वर्षा से प्राप्त जल के द्वारा होता है.
- चितौड़गढ़ किले में बनाया गया भीमला जल भंडार भारत के प्राचीन इतिहास को समेटे हुए है. ऐसा माना जाता है पांडवो में भीम ने जमींन पर अपने हाथ के वार से पानी निकाल दिया था और भूमि के जिस हिस्से से पानी निकला उसे भीमला के नाम से जाना जाता है.
- चितौड़गढ़ किले के खम्बो पर की गई खूबसूरत चित्रकारी प्राचीन कलाकारी का उत्कृट नमूना है. ऐसा कहा जाता है इस चित्रकारी को बनाने में 10 वर्षो का समय लगा था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले में आज भी लोग निवास करते है.उदाहरण के तोर पर चितौड़गढ़ किले में लगभग 20000 लोग रहते है.
- यह किला राजस्थान के शासक राजपूतों, उनके साहस, बड़प्पन, शौर्य और त्याग का प्रतीक है
- राजस्थान में मनाया जाने वाला जोहर मेला इसी किले में मनाया जाता है.
- चित्तौड़गढ़ का किला अपनी स्थापत्य कला, निर्माण शैली व पर्यटक स्थलों जैसे महल, जलाशय, स्तंभ, इत्यादि के लिए विश्व भर में प्रसिद्व है.हर साल देश-विदेश सैलानी इस किले को देखने राजस्थान आते है.
- राजस्थान के पर्यटन विभाग द्वारा चितौड़गढ़ किले में बेहद खूबसूरत लाइटिंग की गई है जो रात के समय इस किले की खूबसूरती में चार चाँद लगा देती है.
- चितौड़गढ़ किले को यूनेस्को द्वारा साल 2013 में वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल किया गया था.